गुरुवार, 15 मई 2025

मौसम

तापमान 37 – 27
आर्द्रता 67%
सूर्योदय: 4:57 सूर्यास्त: 18:09

ॐ विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव। यद् भद्रं तन्न आ सुव।।

www.samagya.in

समाज्ञा

स्थानीय खबरें पृष्ठ तीन, चार और पांच पर

कोलकाता, ज्येष्ठ कृष्णपक्ष तृतीया, वि.स. 2082, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रुपये

सुविचार : जो बीत गया उसे भूल जाओ और जो आनेवाला है उसके लिए तैयार रहो।

न्यायमूर्ति बी आर गवई ने भारत के 52वें प्रधान न्यायाधीश के रूप में शपथ ली –पृष्ठ 7

21 दिन बाद भारत लौटे बीएसएफ जवान पूर्णम साव

पाकिस्तान और भारत ने वाघा-अटारी सीमा पर एक-एक कैदी की अदला-बदली की

अमृतसर : भारत और पाकिस्तान ने बुधवार को क्रमश: सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और पाकिस्तान रेंजर्स द्वारा बंधक बनाए गए एक-एक जवान को दोनों देशों के बीच अंतरराष्ट्रीय सीमा पर एक दूसरे के सुपुर्द किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पाकिस्तान ने बीएसएफ के जवान पूर्णम साव को पंजाब में अटारी-वाघा सीमा पर भारत को सौंप दिया। उन्हें पहलगाम आतंकी हमले के एक दिन बाद 23 अप्रैल को पाकिस्तान रेंजर्स ने पंजाब में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास से पकड़ लिया था। अधिकारियों ने कहा कि वहीं, पाकिस्तान के एक रेंजर को उसके हवाले कर दिया गया जिसे बीएसएफ ने तीन मई को राजस्थान में सीमा क्षेत्र से पकड़ा था। बीएसएफ के एक प्रवक्ता ने बताया कि पाकिस्तान रेंजर्स ने सुबह 10.30 बजे कांस्टेबल शॉ को अमृतसर जिले में अटारी स्थित संयुक्त जांच चौकी पर (पाकिस्तान में वाघा सीमा के सामने) उसके हवाले कर दिया। बीएसएफ ने शॉ की एक तस्वीर जारी की जिसमें उन्हें दाढ़ी, मूंछ और बिखरे बालों के साथ देखा जा सकता है। वह गोल गले की हरे रंग की टीशर्ट पहने हुए हैं। प्रवक्ता ने कहा कि शॉ 23 अप्रैल को फिरोजपुर सेक्टर में अभियान संबंधी ड्यूटी करते हुए पूर्वाह्न करीब 11.50 बजे अनजाने में पाकिस्तान के क्षेत्र में चले गए थे और पाक रेंजर्स ने उन्हें पकड़ लिया। अधिकारियों ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा कि जवान की पूरे शरीर की जांच और मेडिकल परीक्षण किया जाएगा जिसके बाद उनकी काउंसलिंग होगी और 'डीब्रीफिंग' सत्र में बीएसएफ के अधिकारी उन्हें रेंजर्स द्वारा 21 दिन तक पकड़कर रखने के बारे में 'प्रासंगिक प्रश्न' पूछेंगे। उन्होंने कहा कि 24वीं बीएसएफ बटालियन के इस जवान को सक्रिय ड्यूटी में शामिल नहीं किया जाएगा और वह बीएसएफ के पंजाब फ्रंटियर की आधिकारिक जांच में भी शामिल होंगे, जिसमें रेंजर्स द्वारा उन्हें पकड़े जाने के घटनाक्रम की जांच की जाएगी और खामियों का पता लगाया जाएगा। प्रवक्ता ने कहा कि स्थापित प्रोटोकॉल के तहत शांतिपूर्ण तरीके से सीमा पर जवान को बल के सुपुर्द किया गया।

परिवार में खुशी की लहर, पत्नी ने केंद्र का जताया आभार

- जवान की गर्भवती पत्नी ने कहा, आज हम बेहद खुश हैं
- पिछले दो सप्ताह हमारे लिए अनिश्चितता से भरे रहे और हम सो नहीं सके थे

कोलकाता : बीएसएफ कांस्टेबल पूर्णम कुमार साव को 21 दिनों बाद बुधवार को सुरक्षित रिहा किए जाने की खबर से यहां उसके परिवार व पूरे राज्य में खुशी की लहर है।जवान की पत्नी व परिवार के अन्य सदस्यों ने उनकी सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने के लिए केंद्र सरकार और बीएसएफ के अधिकारियों का आभार व्यक्त किया है। साथ ही बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का भी धन्यवाद किया है। जवान की गर्भवती पत्नी रजनी साव ने संवाददाताओं से कहा, आज हम बेहद खुश हैं। हम उन्हें सुरक्षित वापस लाने के केंद्र सरकार और बीएसएफ अधिकारियों के प्रयासों के लिए उनका आभार व्यक्त करते हैं। पिछले दो सप्ताह हमारे लिए अनिश्चितता से भरे रहे और हम सो नहीं सके। हम उनकी कुशलक्षेम को लेकर चिंतित थे। साव के स्वजनों ने कहा कि अब हम उनसे बात करने और उनसे व्यक्तिगत रूप से मिलने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

बीएसएफ जवान की वतन वापसी पर ममता ने जताई खुशी, कहा– उनकी पत्नी से तीन बार की थी बात, पूरे परिवार को बधाई

बीएसएफ जवान की वतन वापसी पर बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने खुशी जताई है। ममता ने एक्स पर लिखा, मुझे यह जानकारी पाकर बहुत खुशी हुई कि हमारे बीएसएफ जवान पूर्णम कुमार साव को रिहा कर दिया गया है। मैं उनके परिवार के संपर्क में थी और हुगली के रिसड़ा में उनकी पत्नी से तीन बार बात की थी। आज भी मैंने उन्हें फोन किया। मेरे भाई समान जवान, उनकी पत्नी रजनी साव सहित उनके पूरे परिवार को बहुत-बहुत शुभकामनाएं और बधाई। पत्नी रजनी ने पति की रिहाई में सहयोग व मुश्किल वक्त में परिवार से लगातार संपर्क बनाए रखने के लिए फोन पर मुख्यमंत्री का आभार जताया।

ग्रुप सी और ग्रुप डी कर्मचारियों के लिए आर्थिक मदद का ऐलान

कोलकाता, समाज्ञा : मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने नौकरी से बाहर किए गए स्कूलों के ग्रुप सी और ग्रुप डी कर्मचारियों के लिए आर्थिक मदद का ऐलान किया है। कैबिनेट बैठक के बाद, ममता बनर्जी ने ग्रुप सी कर्मचारियों को 25,000 और ग्रुप डी कर्मचारियों को 20,000 रुपये हर महीने सहायता देने का ऐलान किया है। उन्हें तब तक यह सहायता मिलती रहेगी जब तक उनकी नियुक्ति का केस कोर्ट में लंबित है। इस दिन, ममता ने बताया कि इसका नाम पश्चिम बंगाल आजीविका और सामाजिक सुरक्षा अंतरिम योजना रखा गया है। एक अप्रैल से ये योजना लागू मानी जाएगी और कैबिनेट की मुहर लगने के बाद तब से ही कार्मचारियों को पैसे मिलेंगे। उन्होंने आगे कहा कि कुछ लोग बिना सोचे-समझे पीआईएल दाखिल कर रहे हैं और इसका खामियाजा हजारों परिवार भुगत रहे हैं। उन्होंने कहा कि जो लोग किसी को नौकरी नहीं दे सकते वे बस पीआईएल करते हैं और दूसरों को परेशान करते हैं।

भारत को मिला एक नया काउंटर ड्रोन सिस्टम 'भार्गवास्त्र'

ओडिशा में हुआ सफल परीक्षण

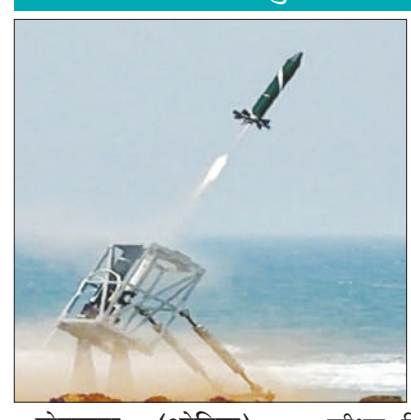

गोपालपुर (ओडिशा) : पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत द्वारा आतंकी ठिकानों पर हमले किए जाने के बाद पाकिस्तान की ओर से ड्रोन और मिसाइलों से हमले किए गए। भारतीय सेना ने भी प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि पाकिस्तान की ओर से करीब 400 ड्रोन से पश्चिमी सीमा पर हमला किया गया। भारत ने सभी हमलों को नाकाम कर दिया। वहीं आज भारत ने स्वदेशी एंटी ड्रोन सिस्टम 'भार्गवास्त्र' का सफल परीक्षण ओडिशा के गोपालपुर में किया गया। एसएडीएल ने काउंटर ड्रोन सिस्टम 'भार्गवास्त्र' का सफल परीक्षण किया है जो एक साथ मल्टीपल ड्रोन पर प्रहार करने में सक्षम है।

सभी मानकों पर सफल रहा परीक्षण

इस काउंटर-ड्रोन सिस्टम में इस्तेमाल किए गए माइक्रो रॉकेटों का गोपालपुर के सीवर्ड फायरिंग रेंज में काफी परीक्षण किया गया। परीक्षण के दौरान इसने सभी निर्धारित उद्देश्य पूरे कर लिए। आर्मी एयर डिफेंस के वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में 13 मई 2025 को गोपालपुर में रॉकेट के लिए तीन परीक्षण किए गए। एक-एक रॉकेट दागकर दो परीक्षण किए गए। एक परीक्षण 2 सेकंड के भीतर साल्वो मोड में दो रॉकेट दागकर किया गया। सभी चार रॉकेटों ने उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन किया और बड़े पैमाने पर ड्रोन हमलों को कम करने में सफल रहा।

RED-X
B.W.P. PLY,
BOARDS& DOORS
'X' Factor that Makes A Difference
Stockist :
GULAB CHAND
LAL CHAND& Co.
9831114555
9874415555

एचसीएल-फॉक्सकॉन सेमीकंडक्टर संयुक्त उद्यम को मंजूरी, उत्तर प्रदेश के जेवर में लगेगा कारखाना

सेमीकंडक्टर की दुनिया में भारत की प्रगति जारी: प्रधानमंत्री मोदी

प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में इस संयंत्र को मंजूरी दी गई। मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''सेमीकंडक्टर की दुनिया में भारत की प्रगति जारी है! उत्तर प्रदेश में सेमीकंडक्टर इकाई की स्थापना के संबंध में आज मंत्रिमंडल के फैसले से तरक्की और नवाचार को बढ़ावा मिलेगा। इससे युवाओं के लिए भी कई मौके पैदा होंगे।''

नयी दिल्ली : सरकार ने बुधवार को एचसीएल-फॉक्सकॉन सेमीकंडक्टर संयुक्त उद्यम को मंजूरी दे दी। यह संयुक्त उद्यम उत्तर प्रदेश के जेवर में 3,706 करोड़ रुपये के अनुमानित निवेश से वेफर्स बनाने का कारखाना लगाएगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में लिये गये निर्णय की जानकारी देते हुए सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि प्रस्तावित एचसीएल-फॉक्सकॉन सेमीकंडक्टर संयंत्र मोबाइल फोन, लैपटॉप, वाहन और अन्य उपकरणों के लिए डिस्प्ले ड्राइवर चिप बनाएगा। आधिकारिक बयान में कहा गया है कि प्रस्तावित करखाना प्रति माह 20,000 वेफर्स (सेमीकंडक्टर सामग्री सिलिकन की पतली परत) तैयार करेगा। इससे लगभग 2,000 नौकरियां सृजित होंगी। इस नये सेमीकंडक्टर कारखाने में 3,706 करोड़ रुपये का निवेश होने का अनुमान है।

अरुणाचल प्रदेश के स्थानों का नाम बदलने का चीनी प्रयास 'व्यर्थ और बेतुका': भारत

नयी दिल्ली : भारत ने अरुणाचल प्रदेश के कुछ स्थानों के नाम बदलने की चीन की कोशिशों को ''व्यर्थ एवं बेतुका'' बताकर सिरे से खारिज करते हुए बुधवार को कहा कि इस तरह के प्रयासों से यह ''निर्विवाद'' सच्चाई नहीं बदलेगी कि यह राज्य ''भारत का अभिन्न अंग था, है और रहेगा।'' भारत ने अरुणाचल प्रदेश के 27 स्थानों के लिए बीजिंग द्वारा चीनी नामों की घोषणा किए जाने पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए यह टिप्पणी की है। चीन दावा करता है कि अरुणाचल प्रदेश तिब्बत का दक्षिणी भाग है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, ''हमने देखा है कि चीन ने भारत के राज्य अरुणाचल प्रदेश में स्थानों का नाम बदलने के व्यर्थ और बेतुके प्रयास किए हैं।''

शोपियां में मुठभेड़ में लश्कर के तीन आतंकवादी ढेर

श्रीनगर : जम्मू-कश्मीर के शोपियां जिले में मुठभेड़ के दौरान लश्कर-ए-तैयबा के 'ऑपरेशन कमांडर' शाहिद कुट्टे समेत तीन आतंकवादी ढेर हो गए। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि कुट्टे कश्मीर घाटी में आतंकवादियों की भर्ती का जिम्मा संभालता था और उसने कई युवाओं को लश्कर-ए-तैयाबा में शामिल होने के लिए बरगलाया था। अधिकारी के मुताबिक, मंगलवार को शुकरू केलर क्षेत्र में हुई मुठभेड़ में कुट्टे के साथ शोपियां के वंदुना मेलहुरा इलाके का रहने वाला अदनान शफी और पड़ोसी पुलवामा जिले के मुर्रान क्षेत्र का निवासी एहसान उल हक शेख भी मारा गया। उन्होंने बताया कि तीनों आतंकवादी लंबे समय से दक्षिण कश्मीर में सक्रिय थे और कई आतंकवादी हमलों को अंजाम देने में शामिल थे। अधिकारी के अनुसार, दक्षिण कश्मीर में लश्कर-ए-तैयबा के 'ऑपरेशन कमांडर' कुट्टे ने कश्मीर में आतंकी भर्ती को बढ़ावा दिया, कई युवकों को बरगलाया और कई निर्दोष लोगों की हत्या की। इस मुठभेड़ की वजह से लश्कर-ए-तैयबा और अन्य आतंकी संगठनों को बड़ा नुकसान हुआ है।

राम मंदिर परिसर में 14 मंदिरों की प्राण-प्रतिष्ठा पांच जून को, 101 विद्वान करेंगे अनुष्ठान

अयोध्या (उप्र) : अयोध्या के राम मंदिर परिसर में स्थित 14 मंदिरों की प्राण प्रतिष्ठा आगामी पांच जून को गंगा दशहरा उत्सव के अवसर की जाएगी। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अनुसार, प्राण-प्रतिष्ठा के अवसर पर तीन जून से पांच जून तक तीन दिवसीय उत्सव मनाया जाएगा। हालांकि, अनुष्ठान 30 मई को शुरू हो जाएंगे और इनकी शुरुआत परिसर में स्थित मंदिर में शिव लिंग की स्थापना से होगी। काशी और अयोध्या के कुल 101 वैदिक विद्वान अनुष्ठानों की देखरेख करेंगे, जिसमें 'यज्ञशाला' की पूजा, वाल्मीकि रामायण का पाठ, मंत्रोच्चार, चारों वेदों का पाठ और अन्य पारंपरिक समारोह शामिल होंगे। देवताओं के लिए दो-दो फुट ऊंचे संगमरमर के सिंहासन विशेष रूप से तैयार किए गए हैं। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अधिकारियों ने बताया कि प्राण-प्रतिष्ठा समारोह के दौरान मूर्तियों को इन सिंहासनों पर रखा जाएगा।

तुर्किये, अजरबैजान के लिए बुकिंग 60 प्रतिशत गिरी : मेकमाईट्रिप

नयी दिल्ली : सोशल मीडिया पर तुर्किये और अजरबैजान की यात्रा के बहिष्कार के आह्वान के बीच यात्रा मंच मेकमाईट्रिप ने बुधवार को कहा कि पिछले एक सप्ताह में दोनों देशों के लिए बुकिंग में 60 प्रतिशत की गिरावट आई है, जबकि रद्दीकरण में 250 प्रतिशत यानी ढाई गुना की वृद्धि हुई है। 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद पाकिस्तान को 'समर्थन' देने के कारण पूरे देश में तुर्किये और अजरबैजान की यात्रा का बहिष्कार करने का आह्वान किया जा रहा है। भारत ने 22 अप्रैल को कश्मीर के पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले कश्मीर में नौ आतंकी ठिकानों को नष्ट करने के लिए छह और सात मई की दरमियानी रात को 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया था। इसके बाद पाकिस्तान द्वारा किए गए आक्रमण का जवाब 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत दिया गया। तुर्किये और अजरबैजान, दोनों देशों ने पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले कश्मीर में आतंकी ठिकानों पर भारत के हमले की आलोचना की थी। मेकमाईट्रिप के प्रवक्ता ने कहा, पिछले एक सप्ताह में भारतीय यात्रियों ने मजबूत भावनाएं व्यक्त की हैं। अजरबैजान और तुर्किये के लिए बुकिंग में 60 प्रतिशत की कमी आई है, जबकि रद्दीकरण में 250 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

भारतीय कंपनियों ने पिछले महीने तुर्किये, अजरबैजान में 60 लाख डॉलर का निवेश किया

पाकिस्तान को समर्थन देने वाले तुर्किये और अजरबैजान में भारत की चार कंपनियों ने अप्रैल महीने में करीब 60 लाख डॉलर के निवेश की प्रतिबद्धता जताई। यह राशि पिछले महीने भारतीय कंपनियों द्वारा जताई गई कुल 6.8 अरब डॉलर की विदेशी निवेश प्रतिबद्धता का एक छोटा सा हिस्सा है।

सिंधु जल संधि मामले पर फिर से विचार करे भारत, पाकिस्तान ने चिट्ठी लिखकर लगाई गुहार

नई दिल्ली : भारत के द्वारा सिंधु जल संधि को रद्द किए जाने से पाकिस्तान में पानी का संकट शुरू हो गया है। इसके चलते पाकिस्तान ने भारत से गुहार लगाते हुए कहा है कि सिंधु जल संधि पर एक बार फिर से विचार करें। पाकिस्तान के जल संसाधन सचिव सैय्यद अली मुर्तजा ने भारत के जल शक्ति मंत्रालय को चिट्ठी लिखी है। मुर्तजा ने कहा है कि सिंधु जल संधि को रद्द किए जाने के चलते पाकिस्तान में खरीफ की फसल के लिए सिंचाई के पानी का बड़ा संकट खड़ा हो गया है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तान से आई इस चिट्ठी को जल शक्ति मंत्रालय ने विदेश मंत्रालय को भेज दिया है। पाकिस्तान ने ऐसे समय में भारत को चिट्ठी लिखकर अनुरोध किया है जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस बात को स्पष्ट किया है कि पानी और खून एक साथ नहीं बह सकते।

बलूचिस्तान पाकिस्तान नहीं है, बलूच नेताओं ने किया आजादी का ऐलान, बोले-तुरंत पीओके छोड़ दे पाक

बलूचिस्तान पाकिस्तान: पाकिस्तान के कब्जे वाले बलूचिस्तान में बलूच लोग सड़कों पर हैं और यह उनका राष्ट्रीय फैसला है कि बलूचिस्तान पाकिस्तान नहीं है और दुनिया अब और मूकदर्शक नहीं रह सकती।बलूच नेता मीर यार बलूच ने बुधवार को क्षेत्र में दशकों से हो रही हिंसा, जबरन गायब किए जाने और मानवाधिकारों के उल्लंघन का हवाला देते हुए पाकिस्तान से आजादी की घोषणा की और एक्स पर एक पोस्ट में, उन्होंने कहा कि बलूचिस्तान के लोगों ने अपना राष्ट्रीय फैसला दे दिया है और दुनिया को अब चुप नहीं रहना चाहिए। मीर यार ने लिखा-तुम मारोगो, हम निकलेंगे। हम नस्ल बचाने निकले है, आओ हमारा साथ दो।

भारत और पूरी दुनिया से किया आग्रह

उन्होंने भारतीय नागरिकों, खास तौर पर मीडिया, यूट्यूबर्स और बुद्धिजीवियों से बलूचों को पाकिस्तान के अपने लोग कहने से बचने का आग्रह किया। अपने ट्वीट में उन्होंने कहा- प्रिय भारतीय देशभक्त मीडिया, यूट्यूब साथियों, भारत की रक्षा के लिए लड़ने वाले बुद्धिजीवियों को सुझाव दिया जाता है कि वे बलूचों को 'पाकिस्तान के अपने लोग' न कहें। हम पाकिस्तानी नहीं हैं, हम बलूचिस्तानी हैं। पाकिस्तान के अपने लोग पंजाबी हैं, जिन्होंने कभी हवाई बमबारी, जबरन गायब किए जाने और नरसंहार का सामना नहीं किया है।

पाकिस्तान पीओके भारत के लिए छोड़ो

मीर यार बलूच ने पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू कश्मीर (पीओके) पर भारत के रुख का भी पूरा समर्थन किया। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से पाकिस्तान पर इस क्षेत्र को खाली करने के लिए दबाव बनाने का आग्रह किया।

Suffering from hip or Knee pain?
Ask Dr. Santosh

ज्वाइंट रिप्लेसमेंट सर्जरी आपको सामान्य स्थिति में वापस ला सकती है, जब सटीकता के साथ की जाये –डॉ संतोष कुमार

प्रश्न: घुटने के लिगामेंट पुनर्निर्माण की आवश्यकता किसे है?
डॉ. कुमार: आम तौर पर घुटने के लिगामेंट पुनर्निर्माण जैसे कि एसीएल पुनर्निर्माण आर्थोस्कोपिक प्रक्रिया द्वारा किया जाता है जो युवा सक्रिय लोगों के लिए उपयोग किया जाता है। वृद्ध लोगों के लिए जिसे गठिया पहले से ही हो चुका होता है, तो उनके लिए आर्थोस्कोपिक प्रक्रिया की कोई भूमिका नहीं होती है।

प्रश्न: विस्कोसप्लिमेंटेशन कितना उपयोगी है?
डॉ. कुमार: विस्कोसप्लिमेंटेशन का अर्थ है अत्यधिक क्रॉस लिंक्ड उच्च आणविक भार हायलूरोनिक एसिड का इंजेक्शन जो घुटने का प्राकृतिक स्नेहक है। मेरी राय में, इसकी भूमिका बहुत अधिक नहीं है लेकिन निश्चित रूप से यह एवस्कुलर नेक्रोसिस आदि को कोई नुकसान नहीं पहुंचाता है।

प्रश्न: जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जरी की आवश्यकता किसे है?
डॉ. कुमार: जब कूल्हे या घुटने के प्रतिस्थापन गठिया अपने दर्द, प्रतिबंधित गतिविधियों, अस्थिरता या विकृति के माध्यम से दैनिक जीवन, सामाजिक गतिविधियों, पेशेवर या व्यक्तिगत जीवन को प्रभावित करना शुरू कर देता है, तो व्यक्ति को जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जरी की आवश्यकता होती है।

प्रश्न: जॉइंट रिप्लेसमेंट की सही उम्र क्या है?
डॉ. कुमार: जब भी दैनिक जीवन की गतिविधियों में बाधा उत्पन्न होती है, चाहे उम्र कुछ भी हो, तो जॉइंट रिप्लेसमेंट पर विचार करना चाहिए। जॉइंट रिप्लेसमेंट में देरी करने से सर्जरी अधिक मुश्किल हो जाती है और रिकवरी में देरी होती है, लेकिन इसे जरूरत से पहले भी नहीं किया जाना चाहिए।

Joint Replacement Surgeon Dr Santosh Kumar With world's latest Navigation System Orthopilot

प्रश्न: गठिया के प्रकार क्या हैं?
डॉ कुमार: अधिकांश गठिया उम्र से संबंधित होते हैं, घिसने के कारण होते हैं, लेकिन विभिन्न विशिष्ट गठिया पूर्ण घुटने को मोड़ने में अधिक समय लगता है, जो कम उम्र में प्रभावित कर सकते हैं जैसे किशोर गठिया, एंकिलॉजिंग स्पॉन्डिलाइटिस, युवा गठिया वाले लोग ज्यादातर हिप गठिया से पीड़ित होते हैं।

प्रश्न: प्रतिस्थापन प्रत्यारोपण की उम्र क्या है?
डॉ. कुमार: बेशक, इसे फिर से किया जा सकता है। प्रतिस्थापन प्रत्यारोपण ज्यादातर सीमेंटेड होते हैं और इनके औसतन 20 से 30 साल तक चलने की उम्मीद की जाती है।

प्रश्न: क्या जॉइंट प्रतिस्थापन सर्जरी दूसरी बार की जा सकती है?
डॉ. कुमार: बेशक हां, इसे फिर से किया जा सकता है और इसे रिवीजन जॉइंट रिप्लेसमेंट कहा जाता है जो पहले या प्राथमिक जॉइंट रिप्लेसमेंट जितना ही सफल होता है।

प्रश्न: सर्जरी के परिणाम को प्रभावित करने वाला सबसे महत्वपूर्ण कारक क्या है?
डॉ कुमार: सबसे महत्वपूर्ण सर्जिकल तकनीक, विशेषज्ञता सर्जन व टीम का अनुभव है।

प्रश्न: क्या घुटने के प्रतिस्थापन के बाद हम पालथी मार कर बैठ सकते हैं?
डॉ कुमार: हां, हमारे पास उच्च फ्लेक्सन घुटने के प्रत्यारोपण और बेहतर सर्जिकल तकनीक हैं जो व्यक्ति को बेड, सोफा आदि चीजों पर पालथी मार कर बैठने में सक्षम बनाती हैं लेकिन अगर सर्जरी से पहले घुटना काफी अकड़ा रहा होगा, तो घुटने के पूरे मोड़ को ठीक करने में अधिक समय लगेगा।

प्रश्न: घुटने के प्रतिस्थापन के बाद किन गतिविधियों को करने की अनुमति है?
डॉ कुमार: अधिकांश गतिविधियां जैसे अप्रतिबंधित पैदल चलना, सीढ़ियां चढ़ना, साइकिल चलाना, ड्राइविंग, तैराकी आदि की अनुमति होगी। वहीं रस्सी कूदना, स्कार्टिंग जैसी उच्च प्रभाव वाली गतिविधियां प्रतिबंधित हैं।

इसे जल्द ही ठीक करने की जरूरत होती है लेकिन कई मामलों में जब उम्र अधिक हो या जब ऑस्टियोपोरोसिस की आशंका हो, तो हमें जॉइंट को बदलने की जरूरत पड़ सकती है जो कि पूर्ण या आंशिक हो सकता है। एक्स्ट्रास्कैपुलर फ्रैक्चर को हमें कील या प्लेट से ठीक करने की जरूरत होती है।

प्रश्न: हिप रिप्लेसमेंट के लिए सबसे अच्छा इम्प्लांट कौन सा है?
डॉ. कुमार: सबसे अच्छा इम्प्लांट नाम की कोई चीज नहीं होती है। परिणाम अच्छे होते हैं और सर्जिकल की सटीकता पर लॉजिविटी निर्भर करती है। बेहतर गतिशीलता और स्थिरता के लिए हमारे पास बड़े सिर वाले हिप इम्प्लांट हैं। हमारे पास हड्डी के विकास के लिए छिद्रयुक्त लेपित इम्प्लांट हैं जिन्हें अनसीमेंटेड फिक्सेशन के रूप में जाना जाता है। गतिविधियां मुख्य रूप से दो हैं।

प्रश्न: जॉइंट रिप्लेसमेंट की सफलता दर क्या है
डॉ. कुमार: अच्छी तरह से जॉइंट रिप्लेसमेंट के बाद सर्जन और टीम के हाथों में निर्भर करती है जो इसे दैनिक रूप से करते हैं। चूंकि यह परिशुद्धता आधारित सर्जरी है, इसलिए अच्छी परिशुद्धता अच्छे परिणाम देती है।

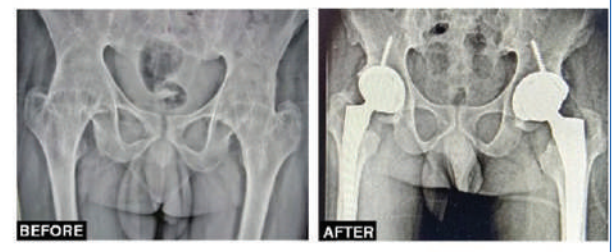

प्रश्न: फ्रैक्चर नेक फीमर का उपचार क्या है?
डॉ. कुमार: फ्रैक्चर नेक फीमर दो प्रकार का होता है, इंट्राकैप्सुलर और एक्स्ट्रास्कैपुलर। इंट्राकैप्सुलर फ्रैक्चर एक आपात स्थिति है और

Dr. Santosh Kumar Hip & Knee Foundation
Chamber : Plot No 332, Laketown, Block A, Kolkata-700 089
Belle Vue Clinic- Kolkata ● www.mykneemylife.org ● www.facebook.com / Dr.santoshkumar.orthousurgeon
● WhatsApp : 09831911584 ● Email : santdr@gmail.com
● FREE online Consultation Link : bit.ly/consultdrsantosh
Call for Appointment : 9831911584 / 9831266632 ● Experience of Treating 35000+Patients in 18+Years

वायुसेना को संबल, पाक को करारा जवाब

सोमवार को राष्ट्र को संबोधित करने के बाद मंगलवार की सुबह अचानक पंजाब स्थित आदमपुर एयरबेस की यात्रा करके प्रधानमंत्री ने सबको चौंकाया। प्रतीकों के जरिये संदेश देने की कला में माहिर प्रधानमंत्री की इस यात्रा को लेकर कयास लगाए जा रहे थे। निस्संदेह, इस यात्रा के गहरे निहितार्थ थे। पहले तो 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान पाकिस्तानी हमले के सामने अभेद्य दीवार बनकर खड़े रहे इस एयरबेस के वायु सैनिकों का मनोबल बढ़ाना था, तो दूसरी ओर अंतर्राष्ट्रीय बिरादरी के सामने पाक को बेनकाब करना था। दरअसल, पाक ने दावा किया था कि उसने आदमपुर एयरबेस पर हमले करके 'सुदर्शन चक्र' यानी एस-400 को तबाह कर दिया है। प्रधानमंत्री ने इस एयरबेस में वायु सेना के कर्मियों से बातचीत की और शानदार काम के लिये उनकी पीठ थपथपायी। निश्चय ही प्रधानमंत्री का वायु सैनिकों के बीच जाकर उनका उत्साहवर्धन करना प्रेरक पहल है। निस्संदेह, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय वायुसेना की भूमिका निर्णायक रही। आतंकी ठिकानों और सैन्य हवाई अड्डों पर सटीक हमले इस ऑपरेशन के कामयाब लक्ष्य रहे। सबसे महत्वपूर्ण इस दौरान भारत की बहुस्तरीय वायु रक्षा प्रणाली की प्रभावशीलता रही। जिसने भारतीय सैन्य प्रतिष्ठानों और नागरिक क्षेत्रों पर हमले की पाकिस्तान की तमाम कोशिशों को विफल बना दिया । उल्लेखनीय है कि सोमवार को राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में प्रधानमंत्री मोदी ने पाकिस्तानी ड्रोनों और मिसाइलों को तिनके की तरह मार गिराने के लिये देश के वायु रक्षा कवच की मुक्तकंठ से प्रशंसा की थी। ठीक अगले ही दिन, उन्होंने आदमपुर एयरबेस की यात्रा की और वायु सैनिकों का मनोबल बढ़ाया। निश्चित रूप से यह हमारे वायु योद्धाओं और सशस्त्र बलों की बहादुरी को देश का हृदय से सलाम ही था। साथ ही प्रधानमंत्री ने पाकिस्तान के दुष्प्रचार की जड़ पर प्रहार किया। दरअसल पड़ोसी पाक दावा करता रहा है कि उसकी मिसाइलों ने आदमपुर में भारतीय वायु रक्षा प्रणाली एस-400 को ध्वस्त कर दिया है।

उल्लेखनीय है कि जब प्रधानमंत्री वायु सैनिकों को संबोधित कर रहे थे तो पृष्ठभूमि में स्पष्ट रूप से सही-सलामत 'सुदर्शन चक्र' दिखायी दे रहा था। अंतर्राष्ट्रीय बिरादरी को सच बताने के लिये ये काफी था। एयरबेस में वायु सेना कर्मियों व अधिकारियों में खासा उत्साह दिखायी दिया। जो पाक को स्पष्ट संदेश दे गया कि वायु सेना के पास जश्न मनाने की वजह मौजूद है। निश्चित रूप से पाकिस्तान के मुकाबले भारत की वायु शक्ति की श्रेष्ठता पर कभी संदेह नहीं रहा। लेकिन यह 'ऑपरेशन सिंदूर' ही था, जिसने नये युग के युद्ध में भारतीय वायुसेना की दक्षता सिद्ध की। देश की वायु सेना युद्ध शक्ति, आक्रमण, रक्षा क्षमता,आधुनिकीकरण और रसद आपूर्ति के मामले में दुनिया में सर्वश्रेष्ठ वायुसेनाओं में से एक है। वैश्विक स्तर पर,यह चीन,इस्राइल और फ्रांस की वायु सेनाओं से भी बेहतर है। यही वजह है कि भारतीय वायुसेना को उपमहाद्वीप में स्पष्ट व निर्णायक बढ़त प्राप्त है। जिसके चलते पाकिस्तान को किसी दुस्साहस करने से रोका जा सका है। 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता इस बात की गवाह है कि अचूक मिग-29 फाइटर जेट्स और 'सुदर्शन चक्र' एस-400 की ताकत ने पाकिस्तान को घुटनों पर ला दिया। साथ ही नागरिक क्षेत्रों पर सैकड़ों ड्रोन हमलों को विफल बना दिया। उल्लेखनीय है कि आदमपुर एयरबेस मिग-29 फाइटर जेट्स का गढ़ माना जाता है। केवल 'ऑपरेशन सिंदूर' ही नहीं, वर्ष 1971 के इस एयर बेस ने पाक के खिलाफ निर्णायक भूमिका निभायी थी। इस बार उन्नत मिग-29 ने लाहौर और कराची में पाक के एयर डिफेंस सिस्टम को ध्वस्त करके पाक सेना का मनोबल तोड़ दिया। दरअसल, वेस्टर्न कमांड के तहत भारत की वायुसेना के इंटिग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सिस्टम ने भारत की वायु प्रतिरक्षा प्रणाली को अभेद्य बना दिया। जो पश्चिमी हवाई सीमा के लिये कवच साबित हुई। बहरहाल, आदमपुर में प्रधानमंत्री के दौरे ने पाक को साफ चेतावनी दे दी है कि भारत का आसमान कुशल वायुसेना के योद्धाओं के चलते अभेद्य है। हम हर चुनौती के मुकाबले के लिये तैयार हैं। साथ ही यह भी बताया कि हम न केवल अपनी रक्षा करने में सक्षम हैं बल्कि दुश्मन को उसके घर में भी शिकस्त दे सकते हैं।

आज का पंचांग

कोलकाता : 15 मई, गुरुवार, 2025, विक्रम सम्वत् 2082, ज्येष्ठ कृष्णपक्ष तृतीया, 28:03 तक, नक्षत्र : ज्येष्ठा, 13:58 तक, योग : शिव, 06:53 तक, सूर्योदय: 4:56, सूर्यास्त: 18:10, चन्द्रोदय : 20:43, चन्द्रास्त: 06:28, शक सम्वतः 1945 सुभाकृतु, सूर्य राशि : वृषभ, चन्द्र राशि : वृश्चिक, राहू काल : 13:11 से 14:49

राशिफल

मेष : मेष राशि के लोगों के लिए दिन करियर में पुराने सहयोगियों की मदद से उन्नति लाने वाला रहेगा। आप अपने आत्मबल और रणनीतिक सोच से कठिन स्थितियों को संभाल लेंगे।

वृष : वृषभ राशि के लोगों को हर कार्य में सावधानी बरतने की सलाह है। आपको जायदाद या संपत्ति से जुड़े मामलों में सावधानी बरतनी होगी, खासकर कानूनी दस्तावेजों में।

मिथुन : मिथुन राशि के लोगों के दिन असमंजस से भरा रहने वाला है। कारोबार में पूंजी की कमी खल सकती है, लेकिन लोन लेने के प्रयास सफल रहेंगे।

कर्क : कर्क राशि राशि के लोगों के लिए दिन करियर और कारोबार के मामले में लाभ से भरा होगा। ग्रहों की अनुकूलता से करियर में स्थिरता मिलेगी। साझेदारी में किया गया कार्य लाभदायक रहेगा।

सिंह : सिंह राशि के लोगों के लिए दिन करियर के लिहाज से चुनौतीपूर्ण रहेगा लेकिन आपकी सूझबूझ से स्थिति नियंत्रण में रहेगी। आर्थिक दृष्टि से दिन संतुलित रहेगा, पर अनावश्यक खर्चों से बचें।

कन्या : कन्या राशि के लोगों को धन सम्मान के मामले में जबर्दस्त लाभ होगा। पुराने शत्रुओं से छुटकारा मिलेगा और करियर में राहत की सांस लेंगे। काम में एकाग्रता बढ़ेगी।

तुला : तुला राशि के लोगों के लिए लाभ का दिन है। करियर में विशेष उपलब्धियों के संकेत हैं। व्यापार में नई योजनाओं की शुरुआत करने का समय है जो भविष्य में लाभप्रद सिद्ध होंगी।

वृश्चिक : वृश्चिक राशि के लोगों का दिन उन्नति से भरा होगा। कोई वरिष्ठ अधिकारी या प्रभावशाली व्यक्ति आपके करियर को नई दिशा दे सकता है। करियर में परिवर्तन की संभावनाएं बन रही हैं।

धनु : धनु राशि के लोगों का भाग्य साथ दे रहा है और आपकी मेहनत रंग लाएगी और धन लाभ के अच्छे संकेत हैं। नौकरी में तरक्की के द्वार खुल सकते हैं, जिनकी प्रोफाइल में नेतृत्व की भूमिका है।

मकर : मकर राशि के लोगों को करियर के मामले में धन लाभ होगा। धन संबंधी मामलों में विशेष सतर्कता बरतें, किसी धोखाधड़ी की आशंका है। आपका दिन सफलता से भरा होगा।

कुम्भ : कुंभ राशि के लोगों का दिन अनुकूल है। आपको पुराने अटके हुए कार्य पूरे होने से राहत मिलेगी। आर्थिक रूप से दिन ठीक रहेगा लेकिन निवेश में जोखिम न लें।

मीन : मीन राशि के लोगों को लाभ होगा। धन और करियर दोनों क्षेत्रों में सकारात्मकता बनी रहेगी। नौकरी में प्रशंसा और तरक्की के संकेत हैं। कोई पुराना भुगतान प्राप्त हो सकता है।

भारत की तरफ जो उंगली उठाएगा, उसके जनाजे में कोई रोने वाला भी नहीं मिलेगा: योगी आदित्यनाथ

लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को कहा कि यह तय है कि भारत की तरफ जो भी उंगली उठाएगा और बहन-बेटियों के सम्मान के विरुद्ध सुरक्षा में सेंध लगाने का कार्य करेगा, उसके जनाजे में कोई रोने वाला भी नहीं मिलेगा। राज्य की राजधानी लखनऊ में भारत शौर्य तिरंगा यात्रा को लेकर आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, 'हमारों जवानों के कारण भारत ने पाकिस्तान के हौसले पस्त किए। दुनिया ने पाकिस्तान व उसके आकाओं के बेशर्मी भरे उस चेहरे को भी देखा, जिसमें आतंकियों के जनाजे में वहां के नेता व सैन्य अधिकारी भी शामिल हुए।' एक बयान के मुताबिक योगी आदित्यनाथ ने 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता के बाद सेना के शौर्य को सलामी देने के लिए अपने सरकारी आवास से तिरंगा यात्रा को रवाना किया। हाथ में तिरंगा लेकर मुख्यमंत्री ने यात्रा का नेतृत्व किया। उन्होंने प्रदेशवासियों की तरफ से 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, जवानों, पूर्व सैनिकों, नौजवानों का अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि पूरा देश भारतीय सेना के शौर्य व पराक्रम को सलाम करते हुए बहादुर जवानों का अभिनंदन करने के लिए उतावला दिखाई दे रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा, 'पाकिस्तान विफल राष्ट्र है और 70-75 वर्षों में उसने केवल आतंकवाद के बीज बोए हैं। पाकिस्तान ने अपनी विफलता की कहानी ही दुनिया को बताई है। आतंकवाद को दिए जा रहे प्रश्रय इस बात को साबित करते हैं कि आतंकवाद एक दिन पाकिस्तान को भी निगल देगा। खोखला हो चुका पाकिस्तान आज जिस प्रकार का दुस्साहस कर रहा है, 'ऑपरेशन सिंदूर' उसका जवाब था।' उन्होंने कहा, 'आने वाले समय में यह तय है कि भारत की तरफ जो भी उंगली उठाएगा और बहन-बेटियों के सम्मान के विरुद्ध सुरक्षा में सेंध लगाने का कार्य करेगा, उसके जनाजे में कोई रोने वाला भी नहीं मिलेगा।' योगी ने कहा, 'पाकिस्तान परस्त आतंकियों ने 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में वीभत्स व बर्बर घटना को अंजाम दिया था, जिसकी निंदा देश-दुनिया ने की थी, लेकिन आतंकवाद का पोषक पाकिस्तान व उसके आका मौन रहे।

मिलावटखोरी सामाजिक अपराध है, चौराहों पर लगेंगी मिलावटखोरों की तस्वीर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने खाद्य पदार्थों में मिलावट और नकली दवाओं के अवैध कारोबार को ''सामाजिक अपराध'' करार देते हुए बुधवार को कहा कि यह जनस्वास्थ्य से जुड़ा गंभीर विषय है जिससे किसी भी प्रकार का समझौता अक्षम्य होगा। मुख्यमंत्री ने यहां खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफएसडीए) विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में अधिकारियों को निर्देशित किया कि राज्य सरकार की कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति (जीरो टॉलरेंस) के तहत मिलावटखोरों, नकली दवाओं के अवैध कारोबारी नेटवर्क और इस अपराध में संलिप्त लोगों के विरुद्ध सख्त व निर्णायक कार्रवाई की जाए। उन्होंने यह भी कहा कि सार्वजनिक तौर पर ऐसे लोगों को चिह्नित किया जाए और उनकी तस्वीरें प्रमुख चौराहों पर लगाई जाएं, ताकि जनता भी उन्हें पहचान सके और समाज में उनके प्रति नकारात्मक संदेश जाए। एक बयान के मुताबिक मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया, 'तेल, घी, मसाले, दूध, पनीर जैसी दैनिक उपभोग की वस्तुओं की जांच यथासंभव उत्पादक इकाई पर ही की जाए। दूध व उससे बने उत्पादों की विशेष रूप से सघन जांच के लिए समर्पित टीम बनाई जाएं जो लगातार निगरानी करें।' उन्होंने निर्देशित किया कि पेशेवर रक्तदाताओं की पहचान कर प्रभावी अंकुश लगाया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि आमजन का स्वास्थ्य राज्य सरकार की शीर्ष प्राथमिकता है और इस जिम्मेदारी का निर्वहन पूरी पारदर्शिता और प्रतिबद्धता के साथ होना चाहिए।

आमजन का समग्र कल्याण हमारी प्राथमिकता: राजस्थान के मुख्यमंत्री

जयपुर : राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को कहा कि राज्य सरकार आमजन के समग्र कल्याण के लिए प्राथमिकता से कार्य कर रही है। शर्मा ने निर्वाचन क्षेत्र सांगानेर के विकास कार्यों की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। आधिकारिक बयान के अनुसार, शर्मा ने कहा कि राज्य के सभी 200 विधानसभा क्षेत्रों में सड़क, पानी, बिजली, स्वास्थ्य और आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराते हुए हम समृद्ध और उत्कृष्ट राजस्थान की ओर तेजी से बढ़ रहे हैं। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से जनकल्याण से जुड़े कार्यों को सर्वोच्च वरीयता देते हुए इनका समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करने को कहा। बैठक में विभिन्न विभागों से जुड़े विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि संबंधित विभाग प्रत्येक विकास कार्य के लिए समय सीमा निर्धारित करें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय बना कर कार्यों को शीघ्र पूरा करें जिससे आमजन को परेशानी का सामना नहीं करना पड़े।

झारखंड बच्चों के समग्र विकास के लिए यूनिसेफ को पूरा सहयोग देगा : मुख्यमंत्री सोरेन

रांची : झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने बुधवार को यूनिसेफ को आश्वासन दिया कि उनकी सरकार राज्य में बच्चों के समग्र विकास के लिए पूरा सहयोग देगी। यूनिसेफ इंडिया की प्रतिनिधि सिंथिया मैककैफ्रे ने सोरेन से यहां उनके कार्यालय में मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री को झारखंड में बच्चों के समग्र विकास के उद्देश्य से संयुक्त राष्ट्र एजेंसी की ओर से चलाई जा रही योजनाओं, गतिविधियों और कार्यक्रमों के बारे में जानकारी दी। मैककैफ्रे ने बाल अधिकार, शिक्षा, स्वास्थ्य और व्यक्तित्व विकास के लिए बेहतर माहौल बनाने के उद्देश्य से राज्य सरकार के संबंधित विभागों के साथ समन्वय में काम करने की इच्छा जताई। मुख्यमंत्री ने उनसे कहा कि सरकार बच्चों के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा, राज्य में बच्चों की हर क्षेत्र में प्रगति सुनिश्चित करने के लिए कई योजनाएं लागू की जा रही हैं। जब तक बच्चे स्वस्थ और सुरक्षित नहीं होंगे, उनका विकास संभव नहीं है। इसलिए सरकार बच्चों में कुपोषण और अन्य स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों को दूर करने के लिए हर स्तर पर काम कर रही है।

अमृतसर जहरीली शराब कांड: मृतकों की संख्या बढ़कर 23 हुई, दो और आरोपी गिरफ्तार

अमृतसर : पंजाब में जहरीली शराब पीने से मजीठा इलाके में बुधवार को दो और लोगों की मौत के बाद इस घटना में मृतकों की संख्या बढ़कर 23 हो गई। वहीं दिल्ली में दो और गिरफ्तारी के बाद इस मामले में हिरासत में लिए गए लोगों की संख्या बढ़कर 16 हो गई। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि दोनों मृतक भंगवान गांव के रहने वाले थे। अमृतसर की उपायुक्त साक्षी साहनी ने भी पुष्टि की है कि इस घटना में मरने वालों की संख्या 23 हो गई है। मजीठा में कथित तौर पर जहरीली शराब पीने से मरने वालों में ज्यादातर दिहाड़ी मजदूर हैं। अधिकारियों ने बताया कि भंगाली, पातालपुरी, मरारी कलां, तलवंडी खुम्मन, करनाला, भंगवान और थेरेवाल गांवों में मौतें हुईं। पुलिस ने बताया कि बुधवार को उत्तरी दिल्ली से रविंदर जैन और ऋषभ जैन नामक दो लोगों को गिरफ्तार किया गया और इस गिरफ्तारी के साथ मामले में अब तक मुख्य आरोपी समेत 16 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने 'एक्स' पर लिखा, अमृतसर ग्रामीण पुलिस ने मजीठा, अमृतसर में नकली शराब मामले में दिल्ली के मॉडल टाउन से दो लोगों को गिरफ्तार किया है।

अयोध्या में दंपति ने नवजात बेटे का नाम रखा 'सिंदूर'

अयोध्या (उप्र) : पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारतीय सेना द्वारा पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले कश्मीर में आतंकवादियों के ठिकानों पर 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत की गई कार्रवाई से प्रेरित होकर अयोध्या में एक दंपति ने अपने नवजात बेटे का नाम 'सिंदूर' रखा है। अयोध्या के छावनी थाना क्षेत्र में स्थित पलिया शाहबादी गांव की निवासी सोनी कनौजिया ने गत सात मई को जिला अस्पताल में एक बेटे को जन्म दिया। 'ऑपरेशन सिंदूर' में भारतीय सशस्त्र बलों की बहादुरी से प्रेरित होकर सोनी और उसके पति राहुल कनौजिया ने अपने बेटे का नाम सिंदूर रखने का फैसला किया। जिला अस्पताल के आयुष्मान वार्ड की स्टाफ नर्स मीरा गौतम ने पुष्टि की कि सात मई को पांच बच्चों का जन्म हुआ जिनमें कनौजिया का बच्चा भी शामिल है।

बर्ड फ्लू का डर: उत्तर प्रदेश के सभी चिड़ियाघर एक हफ्ते के लिए बंद किए गए

लखनऊ : उत्तर प्रदेश के सभी प्राणी उद्यानों और सफारी पार्कों में बर्ड फ्लू (एवियन इन्फ्लूएंजा) के बढ़ते खतरे को देखते हुए राज्य सरकार ने प्रदेश के सभी चिड़ियाघरों और इटावा की लॉयन सफारी को एक हफ्ते के लिए बंद करने का आदेश जारी किया है। राज्य सरकार द्वारा बुधवार को यहां जारी एक बयान के मुताबिक, बर्ड फ्लू के बढ़ते खतरे को देखते हुए हाई अलर्ट जारी किया गया है। वन्य जीव विभाग ने स्वास्थ्य सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन करते हुए प्रदेश के सभी चिड़ियाघरों और इटावा की लॉयन सफारी को एक सप्ताह के लिए बंद कर दिया है। अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि गोरखपुर के शहीद अशफाक उल्ला खां चिड़ियाघर में एक बाघिन में बर्ड फ्लू की पुष्टि होने के बाद यह एहतियाती कदम उठाए गए हैं। प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) अनुराधा वेमुरी ने बताया कि प्रदेश के चिड़ियाघरों और सफारी में बर्ड फ्लू के बढ़ते हुए खतरे को देखते हुए केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण ने गोरखपुर के शहीद अशफाक उल्ला खां प्राणी उद्यान में महामारी की जांच के लिए पशु चिकित्सकों और पैथोलॉजिस्ट की पांच सदस्यीय टीम गठित की है। वेमुरी ने बताया कि वह जांच के बाद 15 दिनों के भीतर वन्य जीवों में एवियन इंफ्लूएंजा के प्रभाव की रिपोर्ट पेश करेगी, जिसके अनुसार आने वाले दिनों में प्रदेश के चिड़ियाघरों और लॉयन सफारी का रख रखाव किया जाएगा।

झारखंड के स्कूलों में बांग्ला भाषा के शिक्षकों और पाठ्यपुस्तकों की कमी को लेकर विरोध प्रदर्शन

जमशेदपुर (झारखंड) : झारखंड बांग्लाभाषी उन्नयन समिति ने बुधवार को पूर्वी सिंहभूम जिला समाहरणालय के समक्ष प्रदर्शन किया और राज्य के स्कूलों में बांग्ला भाषा के शिक्षकों और पाठ्यपुस्तकों की कथित कमी को लेकर विरोध दर्ज कराया। झारखंड के बंगाली समुदाय के 100 से अधिक संगठनों की केंद्रीय समिति के कार्यकर्ताओं ने रांची में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय का नाम बदलने के प्रस्ताव का भी विरोध किया। प्रदर्शन के दौरान मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को संबोधित एक ज्ञापन उपायुक्त को सौंपा गया, जिसमें मांग की गई कि स्कूलों में बांग्ला पढ़ाई जाए और भाषा की पर्याप्त पाठ्यपुस्तकें उपलब्ध कराई जाएं। समिति की पूर्वी सिंहभूम इकाई के महासचिव जूरन मुखर्जी ने राज्य में बांग्ला भाषी छात्रों के बारे में कथित भ्रामक टिप्पणी के लिए शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन की आलोचना की।

बिहार का सैन्य जवान 'संघर्ष में शहीद' नहीं हुआ: अधिकारी

पटना : बिहार सरकार ने बुधवार को स्पष्ट किया कि जम्मू-कश्मीर में ड्यूटी के दौरान मारे गए सीवान निवासी राम बाबू सिंह बीएसएफ में नहीं बल्कि सेना के जवान थे और उनकी मृत्यु को 'संघर्ष में शहीद' नहीं माना जाएगा। इससे पहले मुख्यमंत्री कार्यालय ने सिंह को ''बीएसएफ का जवान'' बताया था और उनके परिवार को 50 लाख रुपये अनुग्रह राशि देने की घोषणा की थी। गंभीर रूप से घायल सिंह की पिछले सप्ताह मौत हो गई थी और उन्हें 'शहीद' बताया गया था। एक वरिष्ठ अधिकारी ने नाम गोपनीय रखने की शर्त पर बताया, 'हमें कल रात सेना से एक पत्र मिला जिसमें बताया गया कि राम बाबू सिंह सेना में थे। साथ ही, उनकी मौत को 'संघर्ष में शहीद' नहीं कहा जा सकता क्योंकि वह सड़क दुर्घटना में मारे गए थे।' सिंह का पार्थिव शरीर बुधवार सुबह पटना हवाई अड्डे पर लाया गया, जहां उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की गई। हालांकि उन्हें 'गार्ड ऑफ ऑनर' नहीं दिया गया जो आमतौर पर 'शहीदों' को दिया जाता है। विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव हवाई अड्डे पर मौजूद थे। पूर्व उपमुख्यमंत्री ने पत्रकारों से बातचीत में कहा, 'कल मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा था कि राम बाबू सिंह बीएसएफ के जवान थे। अब पता चला है कि वह सेना में थे। मुख्यमंत्री के स्तर पर इस तरह का भ्रम खेदजनक है। उम्मीद है कि मुख्यमंत्री सिंह के परिवार को 50 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने का अपना वादा पूरा करेंगे। सिंह युवा थे और कुछ महीने पहले ही उनकी शादी हुई थी।' उन्होंने कहा, 'किसी ने मुझे सिंह के पार्थिव शरीर को लाए जाने की सूचना नहीं दी। मैं खुद ही आया। यह निराशाजनक है कि दो उपमुख्यमंत्रियों और एक बड़े मंत्रिमंडल वाली सरकार के प्रतिनिधि गायब थे। मैंने संवेदना व्यक्त करने के लिए सिंह के परिवार से फोन पर भी बात की।''

राजस्थान के सीमावर्ती इलाकों में सुरक्षा कड़ी; जैसलमेर, गंगानगर में पाकिस्तानी सिम पर प्रतिबंध

जयपुर : राजस्थान के सीमावर्ती जिलों में पड़ोसी देश द्वारा जासूसी किये जाने को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था को चाक चौबंद करने के लिए और कदम उठाए हैं। अधिकारियों की तरफ से बुधवार को यह जानकारी दी गयी। जैसलमेर और श्रीगंगानगर जिलों में अधिकारियों ने पाकिस्तानी सिम कार्ड के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगा दिया है। अधिकारियों के अनुसार पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान ने हाल में सीमा के पास मोबाइल टावरों की रेंज बढ़ा दी है, जिससे अनधिकृत संचार और जासूसी की आशंका बढ़ गई है। जैसलमेर के जिलाधिकारी प्रताप सिंह ने कहा, 'सुरक्षा में किसी भी तरह की चूक को रोकने के लिए सीमावर्ती जिलों में पाकिस्तानी सिम के इस्तेमाल पर सख्ती से रोक लगाई गई है।' श्रीगंगानगर की जिलाधिकारी डॉ. मंजू ने भी इसी तरह का आदेश जारी किया है। अंतरराष्ट्रीय सीमा के 50 किलोमीटर अंदर तक के गांवों में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है और बाहरी लोगों की आवाजाही पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और स्थानीय पुलिस संवेदनशील इलाकों में 'हाई अलर्ट' पर हैं। जिले के एक गांव में बीएसएफ के डिप्टी कमांडेंट (इंटेलिजेंस) महेश चंद्र जाट ने ड्रोन गतिविधि के बारे में आम लोगों को प्रशिक्षण भी दिया। प्रशिक्षण सत्र के दौरान उन्होंने सीमा पार से ड्रोन गतिविधि में संभावित वृद्धि की चेतावनी दी। उन्होंने कहा, ''हमें हर समय तैयार रहना चाहिए। लोगों को समझना चाहिए कि ड्रोन कैसे काम करते हैं और वे किस तरह के संभावित खतरे पैदा करते हैं।'' केंद्रीय गृह मंत्रालय ने संभावित हवाई हमलों के लिहाज से जयपुर, अलवर, भरतपुर, कोटा और अजमेर के साथ बाड़मेर, जैसलमेर, बीकानेर, गंगानगर और जोधपुर जैसे सीमावर्ती जिलों को संवेदनशील माना है।

वर्ग पहेली नं. 3092

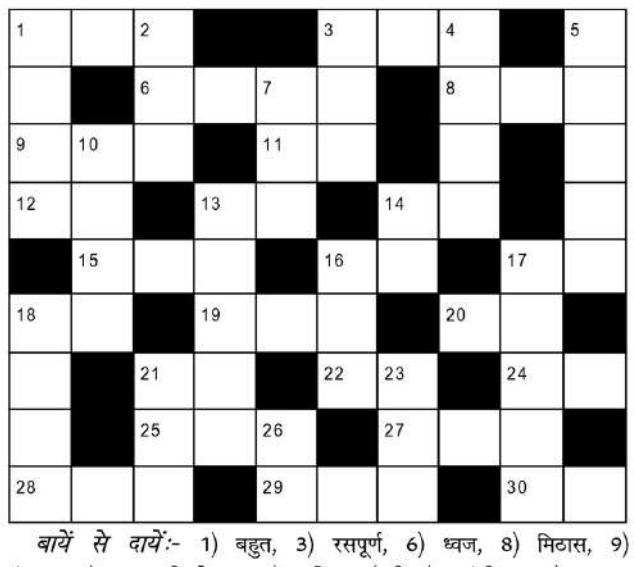

ऊपर से नीचे:- 1) अनपेक्षित, 2) वस्त्र, 3) सब, 4) अंतर्भाव, 5) देखभाल करनेवाला, 7) हक्काबक्का; विस्मित, 10) गाड़ीवाला, 13) सहायता करनेवाला, 14) शून्य प्राप्तांक, 16) हड्डियों का ढाँचा, 17) आवभगत, 18) अशुभ, 21) मियाँ-बीबी, 23) अर्थ, 26) इस के आगे नहीं. *(उत्तरः अगले अंक में)*

बायें से दायें:- 1) बहुत, 3) रसपूर्ण, 6) ध्वज, 8) मिठास, 9) डंका, 11) धारावाही देय, 12) कठिन *(परीक्षा)*; ज़ंजीर, 13) ख़्याल; नहीं, 14) भाग, 15) बाप, 16) तीर्थपुरोहित, 17) धूल; राख, 18) जी; इच्छा, 19) मेज़ में लगा ख़ाना, 20) चोट; हानि, 21) मारधाड़, 22) लक्ष्मी, 24) बचाव, 25) पपड़ी; मलाई *(उबला दूध)*, 27) यशोमती, 28) स्वीकृति, 29) नंबरी; चार सौ बीस; हरामी, 30) भालू.

पिछली पहेली का उत्तर

क़	रीब			अ	धि	वे	श	न
द		द	ब	क	ना		णी		गी
क़ा	ति	ल		सा	व	न		बो	ना
म		ना	श		र	ख	ना		सा
त	क		श	र	ण		म	ह	ज़
	म	ज़ा	क			क	र्द	म	
जि	रा	फ़		सं	प	र्क		द	
ज्ञा		रा	ह	त			ग	र्द	भ
सा	ध	न		ति	मं	ज़िला		द्दा	

सुडोकू-पहेली-3049

8		1			7		9	
							8	
		5				7		
		4		1			2	6
	5			2	3			
		7				8		
				8	9		1	
				4	5	2		
	9							

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरना आवश्यक है। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है।

••••

आड़ी और खड़ी में एवं 3-3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका ध्यान जरूर रखें।

सूडोकू पहेली - 3048 का उत्तर

2	3	7	1	8	5	9	6	4
6	4	1	2	7	9	8	5	3
8	9	5	4	6	3	2	1	7
5	2	6	9	1	7	4	3	8
1	7	9	3	4	8	6	2	5
3	8	4	6	5	2	1	7	9
9	5	2	8	3	1	7	4	6
7	6	8	5	2	4	3	9	1
4	1	3	7	9	6	5	8	2

ममता ने न्यूटाउन में आईआईटीईसी पार्क बनाने की घोषणा की

- 25 एकड़ भूमि पर बनेगा पार्क, कैबिनेट ने दी मंजूरी
- राज्य के 23 जिलों में से 11 में शापिंग मॉल के लिए भी जगह को मंजूरी

कोलकाता, समाज्ञा : मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को कहा कि राज्य में औद्योगीकरण की बहुत मांग है और उन्होंने कोलकाता के न्यूटाउन में एक नया अंतरराष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी मनोरंजन और सांस्कृतिक पार्क (आईआईटीईसी पार्क) बनाने की घोषणा की। राज्य मंत्रिमंडल (कैबिनेट) की बैठक के बाद राज्य सचिवालय नवान्न में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए ममता ने कहा कि इस परियोजना को पीपीपी माडल पर पश्चिम बंगाल हा-उसिंग इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (हिडको) के साथ सा-झेदारी में विकसित किया जाएगा। ममता ने कहा कि 25 एकड़ भूमि पर इसकी स्थापना की जाएगी। कैबिनेट में पार्क के लिए जमीन आवंटन को मंजूरी दी गई है। उन्होंने कहा कि इस आईआईटीईसी पार्क में इनोवेशन, इंटरटेंमेंट, सांस्कृतिक कार्यक्रम हो या कान्सर्ट, सभी प्रकार का आयोजन किया जा सकेगा। यह अंतराष्ट्रीय स्तर का पार्क होगा। यहां अंतरष्ट्रीय स्तर के सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किया जा सकेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि बांग्ला में इस पार्क का नाम विश्वांगन होगा। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि राज्य के सभी 23 जिलों में राज्य सरकार निजी भागीदारी से बड़ा शापिंग मॉल भी बनाएगी। भवन का निर्माण निजी पार्टियों द्वारा किया जाएगा। हम बिना पैसे के स्वयं सहायता समूह को जमीन देंगे। स्वयं सहायता समूह को एक स्थायी बाजार मिलेगा। कैबिनेट बैठक में शापिंग मॉल के लिए 23 जिलों में से हमने 11 जगहों को मंजूरी दे दी है। शेष 12 प्रक्रिया में हैं। उन्होंने बताया कि जिन जिलों में जगहों को मंजूरी दी गई है, उनमें पुरुलिया, दार्जिलिंग, बांकुड़ा, कूचबिहार, हावड़ा, जलपाईगुड़ी, झाडग्राम, मुर्शिदाबाद, पश्चिम मेदिनीपुर और उत्तर दिनाजपुर शामिल हैं। अगली कैबिनेट बैठक में अन्य स्थानों को अंतिम रूप दिया जाएगा। ममता ने कहा कि नवनिर्मित दीघा जगन्नाथ धाम में भी एक नए बाजार की योजना बनाई जा रही है। दीघा में एक अंतरराष्ट्रीय स्तर का कन्वेंशन सेंटर भी बनाया गया है, जिसे सिलीगुड़ी में भी बनाया जाएगा।

ममता ने सेना के सम्मान में भाजपा की तिरंगा यात्रा के जवाब में कार्यक्रम की घोषणा की

पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में पाकिस्तान के खिलाफ भारतीय सेना के हालिया ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के मद्देनजर भाजपा ने पूरे देश में तिरंगा यात्रा शुरू की है। भाजपा की तिरंगा यात्रा के जवाब में अब मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी बुधवार को सेना के पराक्रम के सम्मान में कार्यक्रम की घोषणा की। राज्य मंत्रिमंडल (कैबिनेट) की बैठक के बाद नवान्न में पत्रकारों से बातचीत में ममता ने घोषणा की कि सेना के सम्मान में तृणमूल कांग्रेस 17 व 18 मई (शनिवार और रविवार) को दोपहर 3 बजे से शाम 5 बजे तक पूरे राज्यभर में जुलूस निकालेगी। तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता ने कहा कि राज्य के हर ब्लॉक और वार्ड में रैलियां आयोजित की जाएगी। उन्होंने तृणमूल कार्यकर्ताओं व नेताओं से उस दिन सेना के सम्मान में सड़क पर उतरने का आह्वान किया। ममता ने कहा कि यह पहल बलिदानी जवानों को श्रद्धांजलि देने और उनके परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करने के लिए है। यह कोई राजनीतिक कार्यक्रम नहीं है, यह हमारी सामाजिक जिम्मेदारी है। ममता ने पाकिस्तान मुद्दे पर भारत सरकार की कार्रवाई का समर्थन करते हुए कहा कि केंद्र ने जो किया, मेरा पूर्ण समर्थन है। कैबिनेट बैठक में पाकिस्तान के साथ हालिया संघर्ष में जाने गंवाने वाले सैनिकों को श्रद्धांजलि का एक प्रस्ताव भी पारित किया गया। साथ ही, ऑपरेशन सिंदूर के लिए भारतीय सेना के पराक्रम की सराहना की गई।

भारतीय किसान को अपहरण कर बांग्लादेश ले जाने पर ममता ने कहा... 'हमारा काम उसे वापस लाना है'

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को कूचबिहार से एक किसान को बांग्लादेशियों के एक समूह द्वारा कथित तौर पर अगवा किये जाने के मामले पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया और कहा कि यह मुद्दा कूटनीतिक है और इस पर दोनों देशों की सरकारों के बीच चर्चा होनी चाहिए। ममता ने इस बात पर जोर दिया कि प्राथमिक कार्य उन्हें वापस लाना है। उन्होंने मुख्य सचिव मनोज पंत को संबंधित विभाग से बात करने का निर्देश दिया। इस दिन, मुख्यमंत्री ने राज्य सचिवालय में संवाददाताओं से कहा कि सीमावर्ती क्षेत्र से एक व्यक्ति का उस समय अगवा कर लिया गया जब वह अपनी जमीन पर खेती कर रहा था। मैं इस मामले पर बात नहीं करना चाहती। दोनों सरकारों के बीच बातचीत होगी। बेहतर होगा कि आप (मीडिया) विवाद पैदा न करें। हमारा काम उसे वापस लाना है। उल्लेखनीय है कि कूचबिहार जिले के सीतलकूची के 50 वर्षीय किसान उकील बर्मन के परिवार ने आरोप लगाया कि उन्हें 16 अप्रैल को बांग्लादेशी नागरिकों ने अगवा कर लिया था। अधिकारियों के अनुसार, कथित तौर पर अगवा करने की घटना कुछ दिनों पहले ही सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) द्वारा एक बांग्लादेशी तस्कर को तब मार गिराये जाने के बाद हुई थी, जब वह अपने समूह के सदस्यों के साथ कूचबिहार जिले के सीतलकुची में घुसने की कोशिश कर रहा था। इसके बाद, कथित तौर पर एक अन्य समूह ने उकील बर्मन को उस समय रोका जब वह अपने खेत में काम कर रहा था और उसे जबरन सीमा पार ले गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने उन लोगों की पहचान कर ली है जो इसके पीछे थे। किसी भी राजनीतिक दल को किसी को भी नागरिक या विदेशी करार देने का अधिकार नहीं है। अगर वह नागरिक नहीं था, तो वह जमीन पर खेती कैसे कर रहा था? उसे उसकी जमीन से पकड़ा गया था। उन्होंने कहा कि आप शांत रहकर कई समस्याओं का समाधान कर सकते हैं। हमारा काम उसे वापस लाना है।

पार्थ चटर्जी जमानत के लिए फिर पहुंचे हाई कोर्ट, सुप्रीम कोर्ट में भी चल रहा मामला

कोलकाता, समाज्ञा : ज़मानत याचिका को लेकर भर्ती मामले में जेल में बंद पूर्व राज्य शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी ने फिर कलकत्ता हाई कोर्ट का रुख किया। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट में जमानत के लिए आवेदन किया था। जमानत याचिका पर 17 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होगी। इस बीच, पार्थ ने अपने वकील के माध्यम से फिर से कलकत्ता उच्च न्यायालय में जमानत के लिए आवेदन किया है। अदालती सूत्रों के अनुसार, कलकत्ता उच्च न्यायालय की न्यायाधीश शुभ्रा घोष ने पूर्व राज्य मंत्री की जमानत याचिका स्वीकार कर ली है। आवेदन पर 19 मई को सुनवाई होनी है। उल्लेखनीय है कि अदालत ने हाल ही में पार्थ सहित भर्ती मामले में गिरफ्तार अधिकारियों के खिलाफ मुकदमे की कार्यवाही शुरू करने की मंजूरी दी है। इसके बाद, कलकत्ता उच्च न्यायालय में पार्थ की याचिका ने विभिन्न क्षेत्रों में जिज्ञासा पैदा कर दी। ईडी ने 23 जुलाई 2022 को पार्थ को नकटला स्थित उनके घर से गिरफ्तार किया था। पार्थ तब से जेल में हैं। हालांकि उन्हें ईडी मामले में जमानत मिल गई थी, लेकिन सीबीआई मामले में उन्हें अभी तक जमानत नहीं मिली है।

सुप्रीम कोर्ट में फिर डीए मामले की सुनवाई टली

नई दिल्ली/कोलकाता : डी.ए. मामले की सुनवाई फिर स्थगित कर दी गई है। इस मामले की सुनवाई बुधवार को दोपहर दो बजे सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस संजय करोल और जस्टिस मनोज मिश्रा की पीठ द्वारा की जानी थी। हालांकि बुधवार मामला शुरू होने से पहले राज्य ने अधिक समय का अनुरोध किया। वादी के वकीलों ने राज्य के आवेदन का विरोध किया। हालांकि दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अदालत ने मामले को स्थगित करने का फैसला किया। मामले की अगली सुनवाई अगले शुक्रवार को होने की संभावना है। राज्य सरकार के कर्मचारियों का एक वर्ग लंबे समय से केंद्रीय दर पर सरकारी कर्मचारियों के लिए डीए की मांग कर रहा है। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने इस दावे के पक्ष में फैसला सुनाया। हालाँकि, राज्य सरकार उस फैसले को चुनौती देने के लिए सर्वोच्च न्यायालय गयी। फिर नवंबर 2022 में पहली बार सुप्रीम कोर्ट में डीए केस दायर किया गया। तब से अब तक कई बार सुनवाई हो चुकी है और सुनवाई की तारीख स्थगित कर दी गई है।

दक्षिण पूर्व रेलवे - निविदा

ई-निविदा सूचना सं.: एसईआर-केजीपीडब्ल्यू-ईएनएचएम-40 केएलडी-एसटीपी-2, दिनांक: 13.05.2025। भारत के राष्ट्रपति के लिए तथा उनकी ओर से उप मुख्य यांत्रिक अभियंता (डीजल), दक्षिण पूर्व रेलवे, खड़गपुर-721301 निम्नलिखित कार्य के लिए मद के सामने उल्लिखित तारीख को **सुबह 11.00 बजे से पहले** ई-निविदा आमंत्रित करते हैं तथा निविदा **सुबह 11.30 बजे के बाद** खोली जाएगी: **कार्य का नाम:** बाहर की एजेंसी के माध्यम से खड़गपुर वर्कशॉप में 40 केएलडी एसटीपी संयंत्र की स्थापना। **कार्य की अनुमानित लागत:** ₹ 36,89,860। **बयाना राशि:** ₹ 73,800। **ई-निविदा बंद होने की तारीख एवं समय:** 04.06.2025 को सुबह 11.00 बजे। **निविदा का प्रकार:** खुली। **वेबसाइट का विवरण:** **www.ireps.gov.in** South Eastern Railway KGPWS/Mechanicall निविदाओं के सम्पूर्ण विवरण/ब्योरा/स्पेसिफिकेशन के लिए इच्छुक निविदादाता वेबसाइट **www.ireps.gov.in** देख सकते हैं और अपनी बोलियां ऑनलाइन जमा कर सकते हैं। इस कार्य के लिए किसी भी परिस्थिति में मैनुअल निविदा स्वीकार नहीं की जाएगी। **(PR-158)**

पूर्व रेलवे

संक्षिप्त ई-निविदा सं. डीसीपीएम-जीएस-ईएनजी-एसडीएएच-03-25-26 (दो पैकेट प्रणाली में खुली निविदा), दिनांक: 13.05.2025, उप मुख्य परियोजना प्रबंधक, गति शक्ति इकाई, अभियांत्रिकी, पूर्व रेलवे, सियालदह, तीसरा तल, डीआरएम बिल्डिंग, काइजर स्ट्रीट, सियालदह, कोलकाता-700014 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा प्रणाली के तहत निविदा आमंत्रित की जाती है: **कार्य का नाम** : आसनसोल और सियालदह मंडल में सीएओ/कॉन/आरएसपी/पूर्व रेलवे के अधीन विभिन्न निर्माण साइटों/सेक्शनों में प्रोजेक्ट सुपरविजन सेवाओं को प्रदान करने के लिए प्रोजेक्ट सुपरविजन एजेंसी (पीएसएस) की नियुक्ति। **अनुमानित मूल्य :** रु. 16,73,33,863.56, **बयाना राशि :** रु. 9,86,700/-, **निविदा कागजात का मूल्य :** शून्य। **समापन अवधि** : 24 माह। **खुलने की तिथि** : दिनांक 03.06.2025, 15.00 बजे। निविदा कागजात एवं अन्य विवरण वेबसाइट: **www. ireps.gov.in** से प्राप्त किए जा सकते हैं। निविदा के लिए बोली उक्त वेबसाइट पर ई-निविदा प्रणाली के माध्यम से जमा की जाएगी। इस निविदा के लिए कोई मैनुअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं दी जाती है एवं कोई मैनुअल प्रस्ताव प्राप्त होने पर स्वीकार नहीं किया जाएगा एवं तत्काल रद्द कर दिया जाएगा।

SDAH-54/2025-26

निविदा सूचना वेबसाइट **www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in** पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना सं. ईएल/एचडब्ल्यूएच/25/21 (सूचना)/670, दिनांक: 13.05.2025, मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, डीआरएम बिल्डिंग, हावड़ा स्टेशन के पास, हावड़ा-711101 द्वारा निम्नलिखित विद्युत कार्य के निष्पादन के लिए खुली ई-निविदाएँ आमंत्रित की जाती हैं: **क्रम सं. 1, निविदा सं. ईएल-एचडब्ल्यूएच -25-21-3446, कार्य का नाम** : हावड़ा-बैण्डेल शाखा में सभी रेलवे परिसरों पर ऊर्जा दक्ष एलईडी लूमेनरी में 100% रूपांतरण। **निविदा मूल्य :** रु. 1,35,93,819/-, **बोली प्रतिभूति (बयाना राशि जमा):** रु. 2,18,000/-, **समापन अवधि:** 270 दिन। **क्रम सं. 2, निविदा सं. ईएल-एचडब्ल्यूएच -25-21-3447, कार्य का नाम** : हावड़ा-बर्द्धमान (एचबीसी) शाखा में सभी रेलवे परिसरों पर ऊर्जा दक्ष एलईडी लूमेनरी में 100% रूपांतरण। **निविदा मूल्य :** रु. 1,41,55,204/-, **बोली प्रतिभूति (बयाना राशि जमा):** रु. 2,20,800/-, **समापन अवधि:** 270 दिन। **अंतिम तिथि और समय:** 03.06.2025 को 15.00 बजे क्रम सं. 1 एवं 2 प्रत्येक हेतु।। यदि निविदा आमंत्रण सूचना में उल्लिखित अंतिम तिथि को किसी भी कारण से अवकाश/बंद/हड़ताल घोषित किया जाता है, तो ऑनलाइन निविदा की अंतिम तिथि नहीं बदली जाएगी क्योंकि आईआरईपीएस की वेबसाइट में किया गया आवेदन, निविदा की अंतिम तिथि और समय के बाद किसी भी प्रस्ताव को जमा करने की अनुमति नहीं देता है। तथापि निविदा की अंतिम तिथि और समय के बाद किसी भी सुविधाजनक दिवस को निविदाएँ ऑनलाइन खोली जाएंगी। निविदा का विवरण वेबसाइट: **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदाकारों से अनुरोध है कि अपने प्रस्ताव को उपर्युक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन जमा करें।

HWH-82/2025-26

निविदा सूचना वेबसाइट **www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in** पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

ई-निविदा सूचना सं.: डब्ल्यू_एलएलएच_04_2025-26, दिनांक 10.05.2025, उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर/बिजली, सी एंड डब्ल्यू वर्कशॉप, पूर्व रेलवे, लिलुआ, हावड़ा-711204 द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु तकनीकी संपन्न निविदाकारों से ई-निविदा (खुली निविदा) ऑनलाइन आमंत्रित की जाती है: **कार्य का नाम** : "मुख्यालय/लिलुआ में मेस, डाइनिंग और रेक्रिएशन हॉल सहित सब-ऑर्डिनेट ऑफिसर (आरपीएफ) के लिए 20 बेड वाले रेस्ट रूम जी+1 का निर्माण" नामित कार्य का विद्युतीकरण । **कार्य का अनुमानित मूल्य :** रु.14,23,363.65, **बयाना राशि :** रु. 28,500/-, **निविदा बंद होने की तिथि और समय:** दिनांक 04.06.2025 एवं 14.00 बजे। वेबसाइट जहाँ निविदा का संपूर्ण विवरण उपलब्ध है: **www.ireps.gov.in** MISC-61/2025-26

निविदा सूचना वेबसाइट: **www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in** पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पश्चिम मध्य रेल

वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियन्ता, विद्युत लोको शेड, तुगलकाबाद नई दिल्ली-44, द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं जिनकी बंद होने की तिथि समय क्रमशः 02.06.2025 है। निविदाकार बंद होने की तिथि व समय तक अपनी मूल/संशोधित अपनी निविदा आफर जमा कर सकते हैं। मैन्यूवल निविदा आफर स्वीकार्य नहीं है। विवरण इस प्रकार है:- **निविदा सं.:** टीकेडी-09-2025, **कार्य का नाम व स्थान:** "थ्री फेज लोकोमोटिव के कैब में एयर कंडीशनर का रेट्रोफिटमेंट एवं कैब में थर्मल इंसुलेशन का प्रावधान", **मात्राः** शेड्यूल ऑफ रेट्स के अनुसार, **अनुमानित लागत (रमें):** ₹ 8,25,63,304.04, **निविदा प्रपत्र का मूल्य (रमें):** शून्य, **बयाना राशि (₹ में):** ₹ 5,62,800.00, **समापन अवधिः** 18 माह, **निविदा जमा करने की अंतिम तिथि/समयः** 02.06.2025, 15:30 बजे, **नोटः 1.** ई-निविदा प्रपत्र एवं ई-निविदा से सम्बंधित पूर्ण जानकारी वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पोर्टल पर उपलब्ध है। **2.** इस ई-टेंडर के लिए कोई मैन्युअल ऑफर मान्य नहीं है तथा ऐसा कोई मैन्युअल ऑफर प्राप्त होता है तो भी वह मान्य नहीं होगा। **3.** इस टेंडर से सम्बंधित कोई आवश्यक संशोधन यदि जरूरी हो तो वेबसाइट पर अपलोड कर दिया जायेगा, जिसे टेंडर खुलने के दिन तक देखा जा सकता है। **4.** टेंडरर(निविदादाता) के पास क्लास-III डिजिटल सिग्नेचर सर्टिफिकेट, तथा IREPS पोर्टल पर पंजीकृत होना आवश्यक है।

वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता, टी.आर.एस. विद्युत लोको शेड, तुगलकाबाद नई दिल्ली-44

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

NOTICE INVITING e-TENDER

Ref NIeT No: 416/G.W.M. (SANITATION)/2024-25 Date: 07.05.2025 (Sl. No. 01)

E-Tender are invited from bonafied resourceful contractors for development works. For Scheme details, other Terms and Conditions please visit **www.wbtenders.gov.in**

Documents Download Date: From **13.05.2025** to **22.05.2025** up to **15.00 PM.** Bid Submission Date: **13.05.2025** to **22.05.2025** up to **15.30 PM.** Date of Technical Bid Opening: **26.05.2025** at **16:00 PM.**

Sd/-,
Executive Officer
Chinsurah-Mogra Panchayet Samity

'11 आधार कार्ड से बने 83 पासपोर्ट, 37 लोगों का अस्तित्व ही नहीं'

हाई कोर्ट में फर्जीवाड़े की फैक्ट्री का बड़ा खुलासा

कोलकाता, समाज्ञा : कोलकाता हाई कोर्ट में पासपोर्ट जालसाजी से जुड़ा एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। जिसमें अदालत को बताया गया कि महज 11 आधार कार्ड के जरिए 83 लोगों के नाम पर पासपोर्ट बनाए गए। इस मामले में सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि जिन 83 लोगों के नाम पर पासपोर्ट जारी किए गए, उनमें से 37 का कोई अस्तित्व ही नहीं है। इस खुलासे ने न केवल जांच एजेंसियों को, बल्कि न्यायालय को भी हैरान कर दिया है। यह मामला तब प्रकाश में आया जब चंदननगर पुलिस कमिश्नरेट ने ट्रैफिक पुलिस में कार्यरत एक होमगार्ड मोहम्मद इमरान को पासपोर्ट जा-लसाजी के आरोप में गिरफ्तार किया। इसी सिलसिले में पोस्टमैन विश्वजीत घोष को भी हिरासत में लिया गया। मोहम्मद इमरान ने अपनी जमानत के लिए हाई कोर्ट में याचिका दायर की थी, जिसकी सुनवाई बुधवार को न्यायमूर्ति शुभ्रा घोष की अदालत में हुई। सुनवाई के दौरान सरकारी वकील ने अदालत को बताया कि भद्रेश्वर थाना क्षेत्र में 83 लोगों ने पासपोर्ट के लिए आ-वेदन किया था, लेकिन उनमें केवल 11 आधार कार्डों का इस्तेमाल हुआ। जांच में यह भी सामने आया कि 83 में से 37 व्यक्ति असल में मौजूद ही नहीं हैं।

कोर्ट ने मोहम्मद इमरान की जमानत याचिका खारिज कर दी। मामले का मुख्य आरोपी अभिजीत हालदार अब भी फरार है। पुलिस की जांच में पता चला है कि अभिजीत के जरिए इमरान के बैंक खाते में लगभग 10 लाख रुपये जमा किए गए थे। इसके अलावा, ट्रैफिक होमगार्ड के पद का दुरुपयोग करते हुए इमरान ने इन फर्जी दस्तावेजों के आधार पर इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) की रिपोर्टों में भी हेरफेर की। वहीं, विश्वजीत घोष इन फर्जी पासपोर्टों को बाहर के लोगों तक पहुंचाने का काम करता था। अदालती सूत्रों का कहना है कि यह मामला तब और गहरा हुआ जब कोलकाता पुलिस के पूर्व सब-इंस्पेक्टर अब्दुल हई की गिरफ्तारी हुई। अब्दुल हई ने अक्टूबर 2023 में रिटायरमेंट लिया था और वे कोलकाता पुलिस के सिक्योरिटी कंट्रोल ऑर्गेनाइजेशन (एससीओ) से जुड़े हुए थे। रिटायरमेंट से पहले के चार वर्षों तक वे पासपोर्ट के दस्ता-वेजों की वैधता की जांच करते थे। अब जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि इस फर्जीवाड़े का नेटवर्क कितना विस्तृत है और इसमें और कौन-कौन लोग शामिल हैं।

आत्महत्या नहीं, गंभीर बीमारी से दिलीप घोष की पत्नी के बेटे की हुई मौत

- पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हुआ खुलासा

कोलकाता, समाज्ञा : न्यू टाउन इलाके में दिलीप घोष की पत्नी के बेटे सृंजय मजूमदार की अचानक हुई मौत ने सभी को चौंका दिया है। शुरुआती पोस्टमार्टम रिपोर्ट में खुल-ासा हुआ है कि उनकी मौत एक्यूट हेमरेजिक पैंक्रियाटाइटिस नामक गंभीर बीमारी के कारण हुई हो सकती है। बता दें कि मृतक सृंजय मजूमदार का शव मंगलवार को न्यू टाउन स्थित उनके घर से संदिग्ध हालात में बरामद किया गया। शुरू में, इस मौत को लेकर आत्महत्या की आशंका भी जताई गई थी, लेकिन डॉक्टरों की शुरुआती रिपोर्ट में इसे पूरी तरह खारिज नहीं किया गया, बल्कि प्राथमिक कारण बीमारी को माना गया है। हालांकि, अंतिम पुष्टि विस्तृत पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही होगी। परिवार के मुताबिक, सृंजय लंबे समय से बीमार थे और कई तरह की दवाएं ले रहे थे। कुछ समय से उनकी तबीयत ठीक नहीं चल रही थी। उनकी मां रिंकू मजूमदार ने हाल ही में भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता दिलीप घोष से विवाह किया था। हालांकि, वह शादी में शामिल नहीं हो सके थे, क्योंकि उस समय वह कोलकाता से बाहर छुट्टी पर थे। हालांकि, शुरुआती रिपोर्ट में मौत का कारण बीमारी बताया गया है, लेकिन जिस तरह से उनका शव बरामद हुआ, उसने कई सवाल भी खड़े कर दिए हैं। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। विस्तृत रिपोर्ट आने के बाद ही साफ हो पाएगा कि मौत के पीछे पूरी सच्चाई क्या थी।

इंटाली में दिन दहाड़े टैक्सी में 2.66 करोड़ की लूट का मास्टरमाइंड गिरफ्तार

एसटीएफ का आरोपी कांस्टेबल को 28 अप्रैल तक पुलिस हिरासत

कोलकाता, समाज्ञा : रक्षक ही डकैत निकाला, इंटाली थाना इलाके में दिन दहाड़े टैक्सी में 2.66 करोड़ की लूट वारदात की जो घटना घटी थी उसका मास्टरमाइंड ही कोलकाता पुलिस का एक कांस्टेबल ही निकला। कोलकाता पुलिस ने बुधवार को अपने ही एक कांस्टेबल मिंटू सरकार को गिरफ्तार किया है, जिस पर 2.66 करोड़ रुपये की लूट की साजिश रचने और उसे अंजाम देने में शामिल होने का गंभीर आरोप है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, मिंटू कोलकाता पुलिस के स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) में कांस्टेबल था। इस दिन, उसे सियालदह अदालत में पेश किया गया। न्यायाधीश ने उसे 28 अप्रैल तक पुलिस हिरासत में भेजने का आदेश दिया। यह लूट पांच मई को इंटाली इलाके में एक चलती हुए टैक्सी में हुई थी। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, यह रकम एक निजी विदेशी मुद्रा विनिमय कंपनी के दो कर्मचारियों द्वारा एक राज्य संचालित बैंक में जमा कराने के लिए ले जाई जा रही थी। वे एसएन बनर्जी रोड से टैक्सी लेकर पार्क सर्कस की ओर जा रहे थे, तभी सुबह 11:45 बजे के करीब कमरडांगा के पास दो अज्ञात व्यक्तियों ने टैक्सी रुकवाकर उसमें घुसकर पैसे लूट लिए और फरार हो गए। मामले की गंभीरता को देखते हुए कोलकाता पुलिस की डिटेक्टिव डिपार्टमेंट (डीडी) ने तत्काल जांच शुरू की। शुरुआती जांच में ही इस लूटकांड में साजिश का संकेत मिला, जिसके बाद आज कोलकाता पुलिस के ही एक कांस्टेबल को गिरफ्तार किया गया। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इस पूरी लूट की योजना कांस्टेबल ने ही बनाई थी। उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। अब तक इस मामले में कुल चार लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है, जिसमें कंपनी का एक कर्मचारी भी शामिल है। पुलिस इस पूरे गिरोह की भूमिका और अन्य संभावित संलिप्त लोगों की तलाश में जुटी है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, यह एक सुनियोजित साजिश थी जिसमें आंतरिक सूचना का भी उपयोग किया गया हो सकता है। आगे की जांच जारी है।

सोनारपुर से भारी मात्रा में आग्नेयास्त्र बरामद, तीन गिरफ्तार

कोलकाता, समाज्ञा : फिर से आग्नेयास्त्र बरामद किया गया। इस बार यह सोनारपुर की घटना है। बताया गया है कि 3 छोटे हथियार और 1 लंबा हाथ बरामद किया गया। 8 राउंड कारतूस भी बरामद किए गए। इस घटना में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया। उन्हें बुधवार को बारुईपुर उपजिला अदालत में पेश किया जा रहा है। पुलिस ने गिरफ्तार व्यक्तियों के खिलाफ शस्त्र अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि क्या इनके साथ कोई और भी शामिल है, और क्या पर्दे के पीछे कोई बड़ा गिरोह है। सोनारपुर थाना पुलिस ने गुप्त सूत्रों से सूचना मिलने के बाद रविवार रात विक्रम बंशी नामक युवक को गिरफ्तार किया। उसके पास से एक सीटर कार बरामद की गई। इससे पहले 2015 में भी उसे हथियारों के साथ गिरफ्तार किया गया था। उससे पूछताछ के बाद दो और लोगों अनूप बिस्वास उर्फ पकाई और हेमंत बंशी उर्फ सांप को लांगलबेरिया से गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने दोनों व्यक्तियों के पास से दो छोटी एक-गोली वाली बंदूकें तथा एक बड़ी नली वाली बंदूक बरामद की। इनके पास से 8 राउंड कारतूस भी बरामद किए गए। पता चला है कि उन्होंने यह बंदूक करीब तीन साल पहले बिष्णुपुर के एक कुख्यात अपराधी से खरीदी थी। हालाँकि, उनके खिलाफ कोई पिछला आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है। हालाँकि, यह ज्ञात है कि उन्होंने इन आग्नेयास्त्रों का इस्तेमाल धमकाने और पैसे ऐंठने के लिए किया था। उन्हें उसी दिन बारुईपुर उपजिला न्यायालय में पेश किया जाएगा।

बारानगर में पेपर गोदाम में देर रात लगी भीषण आग

कोलकाता, समाज्ञा : उत्तर 24 परगना जिला के बारानगर थाना अंतर्गत आरआईसी औद्योगिक एस्टेट, ब्लॉक- 2, बनहुगली में स्थित एक पेपर गोदाम में देर रात भीषण आग लग गई। हालांकि, दमकल की दो गाड़ियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। लेकिन, इस आगजनी में काफी नुकसान पहुंचा है। मिली जानकारी के अनुसार, गत मंगलवार की देर रात करीब 12.30 से 1 बजे के दरमियान अचानक गोदाम में आग लग गई। पता चला है कि गोदाम बंद था। स्थानीय लोगों ने आग की लपटों को देख पुलिस एवं दमकल विभाग को सूचना दी। सूचना पाकर पुलिस एवं दमकल की दो गाड़ियां मौके पर पहुंची और करीब 6.30 बजे आग पर काबू पाया गया। घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

सुंदरवन के असुरक्षित क्षेत्रों से घुसपैठ की आशंका, जल और थल दोनों मोर्चों पर कड़ी निगरानी

कोलकाता, समाज्ञा : भारत-पाकिस्तान संबंधों में आई तल्ख़ी के बाद राज्य के सीमावर्ती क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था को और भी कड़ा कर दिया गया है। खासतौर पर, उत्तर 24 परगना जिले के सीमावर्ती इलाके बशीरहाट से सटे सुंदरवन क्षेत्र में जहां सीमा पर बाड़ नहीं है, वहां से आतंकवादियों के घुसपैठ की आशंका को देखते हुए सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं। जल और थल दोनों सीमाओं पर निगरानी बढ़ा दी गई है और अत्याधुनिक तकनीक का उपयोग कर लगातार निगरानी की जा रही है। बता दें कि बशीरहाट के स्वरूपनगर से लेकर हिंगलगंज के हेमनगर कोस्टल थाना तक लगभग 94 किलोमीटर की सीमा है, जिसमें से 55 किलोमीटर जलसीमा है। केंद्रीय गृह मंत्रालय और खुफिया एजेंसियों को आशंका है कि आतंकवादी संगठन सुंदरवन के असुरक्षित इलाकों का इस्तेमाल भारत में घुसपैठ के लिए कर सकते हैं, विशेषकर जब पाकिस्तान के साथ तनाव चरम पर है। इस संभावना को ध्यान में रखते हुए बीएसएफ ने इन इलाकों में चौकसी और गश्त तेज कर दी है। ड्रोन, अत्याधुनिक रडार और नाइट विजन कैमरों के माध्यम से सुरक्षा बल दिन-रात निगरानी कर रहे हैं। जलसीमा पर स्पीडबोट की मदद से निगरानी और पूछताछ की जा रही है। वर्तमान में, समुद्र में मछली पकड़ने पर प्रतिबंध है, इस कारण मछुआरों की गतिविधियों पर बारीकी से नजर रखी जा रही है और उनसे पहचान पत्र दिखाने के बाद ही आगे जाने की अनुमति दी जा रही है। पिछले कुछ सप्ताह में दक्षिण 24 परगना के सुंदरवन इलाके से कई बांग्लादेशी घुसपैठियों के पकड़े जाने के बाद सुरक्षा और भी कड़ी कर दी गई है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि अब सुरक्षा व्यवस्था में कोई भी चूक नहीं की जाएगी। इसी के मद्देनजर बशीरहाट पुलिस जिले में एक विशेष नियंत्रण कक्ष (कंट्रोल रूम) भी स्थापित किया गया है। इसका उद्देश्य सीमावर्ती इलाकों में किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर नजर रखना, अफवाहों पर नियंत्रण रखना और स्थानीय नागरिकों में जागरूकता फैलाना है।

समाज्ञा
www.samagya.in
NEWS PAPER ADVERTISING SOLUTION
- MATRIMONIAL
- PROPERTY
- RECRUITMENT
- EDUCATION
- NAME CHANGE
- PUBLIC NOTICE
- OBITUARY
- REMEMBRANCE
- DISPLAY

TO AD IN SAMAGYA PLEASE CONTACT
samagyaadvt@gmail.com | samagya.in
81, Chintamani Dey Road, Howrah 711 101, Mobile: 70444 44522

अब गाड़ी का परमिट मिलेगा ऑनलाइन, आरटीओ या परिवहन विभाग में जाने की नहीं पड़ेगी जरूरत

कोलकाता, समाज्ञा : अब गाड़ी का परमिट प्राप्त करने के लिए परिवहन विभाग या आरटीओ के चक्कर लगाने की जरूरत नहीं होगी। परिवहन विभाग ने यह घोषणा की है कि अब सभी नए गाड़ी के परमिट के लिए आवेदन पूरी तरह से ऑनलाइन किया जा सकेगा। इस बदलाव के साथ, बिचौलियों की भूमिका को खत्म करने के लिए पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन की जाएगी। इस संबंध में परिवहन विभाग की ओर से एक नोटिफिकेशन भी जारी किया गया है, जिसमें यह बताया गया है कि न केवल परमिट के आवेदन, बल्कि परमिट जारी करने और नवीकरण की प्रक्रिया में भी राज्य में बड़े बदलाव होंगे। अब वाहन से संबंधित सभी सेवाएं वाहन सॉफ्टवेयर पर उपलब्ध होंगी। नोटिफिकेशन में यह भी स्पष्ट किया गया है कि स्टेज कैरेज और ऑटो रिक्शा के लिए नए परमिट के आवेदन केवल ऑनलाइन ही स्वीकार किए जाएंगे। परमिट के आवेदन में पारदर्शिता लाने और अनियमितताओं को रोकने के लिए यह कदम उठाया गया है। आम जनता की लंबे समय से यह शिकायत रही है कि वाणिज्यिक वाहन जैसे बस, ट्रक या ऑटो रिक्शा के रूट परमिट के लिए लाखों रुपये का लेन-देन होता है और लोग धोखाधड़ी का शिकार भी होते हैं। अब यह सभी समस्याएं खत्म होंगी और पूरी प्रक्रिया पारदर्शी तरीके से की जाएगी। सभी वाहनों का परमिट 'वाहन' पोर्टल पर अपलोड किया जाएगा। जिन परमिट्स का अभी तक डिजिटल रूप में डिजिटलीकरण नहीं हुआ है, उनके लिए वाहन मालिकों को टैक्स भुगतान या अन्य संबंधित लेन-देन के समय परमिट की मूल प्रति और फोटोकॉपी जमा करनी होगी। इन दस्तावेजों की जांच के बाद, 96 घंटे के भीतर परमिट को सिस्टम में अपलोड कर दिया जाएगा।

इसके अलावा, स्टेज कैरेज और ऑटो रिक्शा के परमिट के लिए आवेदन पूरी तरह से ऑनलाइन किए जाएंगे। ये आवेदन विभाग या जिले की वेबसाइट पर खाली पदों की सूचना जारी होने के सातवें दिन से स्वीकार किए जाएंगे, ताकि सभी इच्छुक आवेदकों को समान अवसर मिल सके। यदि कोई आवेदक परमिट के लिए ऑफर लेटर प्राप्त करता है, तो वह अधिकतम 180 दिन तक वैध रहेगा। वैधता की अवधि मासिक शुल्क के भुगतान के आधार पर निर्धारित की जाएगी। यदि अवधि समाप्त हो जाती है, तो यह अब प्रभावी नहीं रहेगा और नया आवेदन करना होगा। जो परमिट की अवधि समाप्त होने के छह महीने के भीतर वाहन चालू नहीं किए जाएंगे, उन्हें सुनवाई के बाद रद्द कर दिया जाएगा।

दिल्ली पब्लिक स्कूल, हावड़ा का बोर्ड परीक्षा में शानदार प्रदर्शन

DELHI PUBLIC SCHOOL HOWRAH

हावड़ा, समाज्ञा : दिल्ली पब्लिक स्कूल, हावड़ा ने सत्र 2024-25 में कक्षा 10 की सीबीएसई (एआईएसएसई) परीक्षा और कक्षा 12 (एआईएसएससीई) परीक्षा 2025 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए शत-प्रतिशत सफलता प्राप्त की है।

कक्षा 10वीं में विद्यालय ने न केवल 100% उत्तीर्णता दर हासिल की, बल्कि सभी विद्यार्थियों ने प्रथम श्रेणी में सफलता प्राप्त की, जो अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि है। स्कूल का कुल औसत अंक 88.2% रहा, जो इस वर्ष की गुणवत्ता को दर्शाता है। इस वर्ष के शीर्ष प्रदर्शनकर्ताओं में तीर्थ घोष ने सर्वाधिक 98.8% अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। श्रीमोयी घोष, सायन चक्रवर्ती और जय झुनझुनवाला ने संयुक्त रूप से 98.2% अंक प्राप्त कर द्वितीय स्थान साझा किया। आलापन मजूमदार ने 97.8% अंक प्राप्त कर तीसरा स्थान हासिल किया। रिजल्ट विश्लेषण के अनुसार, विद्यालय के 51% छात्रों ने 90% या उससे अधिक अंक प्राप्त किए, जबकि 87% छात्रों ने 80% से अधिक अंक अर्जित किए। इसी प्रकार, 96.15% छात्रों ने 70% से अधिक और 100% छात्रों ने 60% से अधिक अंक प्राप्त किए। यह आंकड़े स्पष्ट रूप से दर्शाते हैं कि डीपीएस हावड़ा की शैक्षणिक गुणवत्ता और विद्यार्थियों की मेहनत ने एक उत्कृष्ट मानक स्थापित किया है। कक्षा 12वीं में विद्यालय का औसत परिणाम 87.2% रहा, जो छात्रों की कड़ी मेहनत, शिक्षकों के समर्पण और विद्यालय की उच्च शैक्षणिक गुणवत्ता को दर्शाता है। इस वर्ष की परीक्षा में ऋषिका त्रिवेदी ने 99.2% अंक प्राप्त कर विद्यालय टॉपर का स्थान हासिल किया। उनके बाद अरिहंत भुरा ने 97.6%, अभिनव बनर्जी और देबायुध रॉय ने 97.2% अंक प्राप्त किया, कृतिका साव ने 96%, श्रीलेखा चटर्जी ने 95.4%, सुहाना तिवारी ने 94.8%, सोहम नगर ने 93.2% अंक प्राप्त किए। इसके अतिरिक्त, अफरोजा नसरीन ने 92.6%, नंदिनी कुमार ने 92.2% और रुद्रनील जाना ने 91% अंक प्राप्त कर विद्यालय की उपलब्धियों में चार चांद लगाए।

दिल्ली पब्लिक स्कूल, हावड़ा की प्राचार्या सुनीता अरोड़ा ने स्कूल के उत्कृष्ट बोर्ड परीक्षा परिणामों पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह सफलता विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों की साझा मेहनत और समर्पण का प्रतिफल है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष के परिणामों ने स्कूल की शैक्षणिक गुणवत्ता को नई ऊंचाई पर पहुंचाया है। कक्षा 10 का औसत परिणाम 88.2% और कक्षा 12 का औसत परिणाम 87.2% रहा है, जो स्कूल की निरंतर प्रगति का प्रमाण है। प्राचार्या ने स्कूल के टॉपर्स को विशेष रूप से सराहा और उनकी मेहनत, लगन और आत्मबल की प्रशंसा की। कक्षा 12 की टॉपर ऋषिका त्रिवेदी ने 99.2% अंक प्राप्त किए हैं, जबकि कक्षा 10 के टॉपर तीर्थ घोष ने 98.8% अंकों के साथ शीर्ष स्थान प्राप्त किया है। उन्होंने कहा कि यह केवल अंक नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के समर्पण और भविष्य की दिशा में उनके मजबूत कदमों का प्रतीक है। उन्होंने यह भी बताया कि स्कूल के सभी छात्रों ने प्रथम श्रेणी में सफलता प्राप्त की है। कक्षा 10 में 51% छात्रों ने 90% या उससे अधिक अंक हासिल किए, वहीं कक्षा 12 में 25% छात्र 90% से अधिक अंक प्राप्त करने में सफल रहे।

ऋषिका त्रिवेदी इकोनॉमिक्स में प्राप्त करना चाहती है उच्च शिक्षा

दिल्ली पब्लिक स्कूल, हावड़ा की कक्षा 12वीं की छात्रा **ऋषिका त्रिवेदी** ने 99.2% अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। उनके विषयवार प्रदर्शन की बात करें तो उन्होंने गणित में 97, इकोनॉमिक्स में 99, लीगल स्टडीज़ में 99, पॉलिटिकल साइंस और इतिहास में 100 तथा अंग्रेज़ी में 98 अंक अर्जित किए हैं। अपनी इस सफलता पर ऋषिका ने बताया कि वे आगे चलकर इकोनॉमिक्स विषय में उच्च शिक्षा प्राप्त करना चाहती हैं और भविष्य की दिशा समय के साथ तय करेंगी। परीक्षा की तैयारियों को लेकर ऋषिका ने कहा कि उनकी पढ़ाई नियमित थी और स्कूल के शिक्षक पूरे साल भर बेहद सपोर्टिव रहे। किसी भी समस्या पर उन्होंने तत्परता से मार्गदर्शन दिया, जिससे पढ़ाई आसान हो गई। ऋषिका ने विशेष रूप से अपने दादाजी का उल्लेख करते हुए कहा कि वे पढ़ाई के महत्व को समझते हैं और उन्हें लगातार प्रेरित करते रहते हैं।

तीर्थ घोष ने 10वीं में हासिल किए 98.8% अंक, इंजीनियरिंग है अगला लक्ष्य

दिल्ली पब्लिक स्कूल, हावड़ा के कक्षा 10वीं के छात्र **तीर्थ घोष** ने 494 अंकों के साथ 98.8% अंक प्राप्त कर विद्यालय में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। उन्होंने गणित, विज्ञान और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में पूर्ण 100 अंक प्राप्त किए, जबकि बंगाली में 98 और सामाजिक विज्ञान व अंग्रेज़ी में 96 अंक हासिल किए। तीर्थ का लक्ष्य भविष्य में इंजीनियर बनना है और उनकी विशेष रुचि कंप्यूटर साइंस में है। उन्होंने बताया कि गणित उनका सबसे पसंदीदा विषय है, और यही उनकी पढ़ाई की प्रेरणा भी रहा है। परीक्षा की तैयारी को लेकर तीर्थ ने बताया कि वे हर दिन 6 से 7 घंटे नियमित रूप से पढ़ाई करते थे। इसके अलावा, वे लगातार सैंपल पेपर्स हल करते रहे, जिससे अभ्यास मजबूत हुआ। इस उपलब्धि के पीछे उनके शिक्षकों और माता-पिता का अहम योगदान रहा, जिन्होंने हर कदम पर उन्हें मार्गदर्शन और समर्थन प्रदान किया।

डीपीएस जोका के छात्रों ने सीबीएसई 10वीं-12वीं में उत्कृष्टता का परचम लहराया

कोलकाता, समाज्ञा : दिल्ली पब्लिक स्कूल (जोका), साउथ कोलकाता ने अपनी कक्षा 10वीं (एआईएसएसई - 2025) और कक्षा 12वीं (एआईएसएससीई - 2025) के परिणामों की घोषणा की। दोनों कक्षाओं में छात्रों ने शानदार प्रदर्शन किया है और विद्यालय के शैक्षिक स्तर की गुणवत्ता को और भी बढ़ाया है।

कक्षा 10वीं (एआईएसएसई - 2025) में कुल 212 छात्रों ने परीक्षा दी, जिनमें से 23 छात्रों ने 95% या उससे अधिक अंक प्राप्त किए। इस बार शुभांगी चट्टोपाध्याय ने 98.4% अंक प्राप्त कर सबसे अधिक अंक हासिल किए। इसके बाद त्रिनवा बोस और संकल्पा भाटिया दोनों ने 97.2% अंक प्राप्त किए। शुभम बनर्जी ने 96.8%, अनुभव बिस्वास ने 96.6% और गर्व जायसवाल, शोमिली सरकार, विशाखा संचेती, पार्णभा समोई, और वेदांत डे ने 96.4% अंक प्राप्त किए। जैसमीन स्वैन ने 96.2%, जबकि जाफरीन हाफीज, हिमाघना दान और ऐशिकी सुर ने 95.8% अंक प्राप्त किए। इसके अलावा, प्रिथा गराई और आत्मजा रॉयचौधुरी ने 95.6%, रूपकोथी गायेन और अन्वेशा साहू ने 95.4%, आयुष साहू और कौस्तव दास ने 95.2%, जबकि दीशांत दास, शुभदित्य सरकार और निशिका जायसवाल ने 95% अंक प्राप्त किए।

कक्षा 12वीं (एआईएसएससीई - 2025) में 232 छात्रों ने परीक्षा दी, जिनमें से 9 छात्रों ने 95% या उससे अधिक अंक प्राप्त किए। इस बार अनुलेखा बनर्जी ने कक्षा 12 ह्यूमैनिटीज से 97.8% अंक प्राप्त कर सबसे अधिक अंक हासिल किए। इसके बाद, कॉमर्स में सुहानी राजवंशी ने 96.4%, सेनजुती सेनगुप्ता ने 96%, साइंस में अर्नब सिंहा रॉय और कॉमर्स में श्रेष्ठा चांदा ने 95.6% अंक प्राप्त किए। प्रयाश मजूमदार (ह्यूमैनिटीज) ने 95.6%, गीत चौधरी और पियासी पाल (कॉमर्स) ने 95.4% और सौनक घोष (विज्ञान) ने 95% अंक प्राप्त किए। यह परिणाम विद्यालय के छात्रों की कठिन मेहनत और उत्कृष्ट शैक्षिक दिशा को दर्शाता है। विद्यालय प्रशासन, शिक्षकों और छात्रों को इस शानदार सफलता के लिए बधाई दी जाती है।

महानगर के बंदरगाह बनेंगे ऐतिहासिक फ़्लोटिंग रेस्तरां

❑ **तीन बंदरगाह को किया गया चिह्नित**

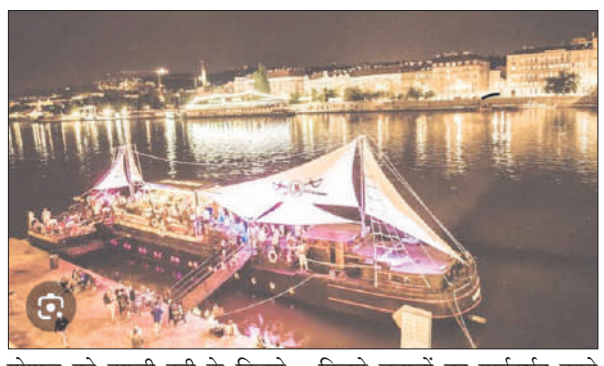

कोलकाता, समाज्ञा : कोलकाता बंदरगाह के तीन ऐतिहासिक नदी जहाजों को पर्यटन, संस्कृति और अवकाश के लिए फ्लोटिंग पर्यटन स्थलों में बदलने की पहल शुरू की है।कोलकाता पोर्ट के एक अधिकारी के अनुसार यह कदम विंटेज पैडल स्टीमर पीएस भोपाल के परिवर्तन से प्रेरित है, जिसे मूल रूप से 1944 में बनाया गया था, जिसे 2022 में लोकप्रिय हेरिटेज क्रूज 'बंगाल पैडल' में बदल दिया जाएगा। अधिकारी ने कहा कि श्यामा प्रसाद मुखर्जी पोर्ट (एसएमपी), कोलकाता, जिसे पहले कोलकाता पोर्ट ट्रस्ट के रूप में जाना जाता था, ने बंद हो चुके पायलट लॉन्च-पीएल रूपसा, पीएल हुगली और पीएल गोपाल को हुगली नदी के किनारे तैरते कैफे, संग्रहालय और हेरिटेज क्रूज बोट और यहां तक कि विवाह स्थलों जैसे आकर्षणों में बदलने के लिए उद्यमियों और रचनात्मक भागीदारों से प्रस्ताव आमंत्रित किए थे। 1990 के दशक के उत्तरार्ध के ये सेवानिवृत्त जहाज हुगली नदी के किनारे जहाजों का मार्गदर्शन करते थे। यह पहल एसएमपी कोलकाता की शहर के ऐतिहासिक नदी तट को पुनर्जीवित करने की व्यापक योजना का हिस्सा है, जो इसे एक जीवंत गंतव्य में परिवर्तित करेगी, जिसमें विरासत, वाणिज्य और समकालीन संस्कृति का मिश्रण होगा।

प्रदेश कांग्रेस ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ओर सेना चीफ का पुतला दहन किया

कोलकाता, समाज्ञा : प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष शुभांकर सरकार के नेतृत्व में बिरला तारामंडल के समीप पूर्व प्रधानमंत्री स्व. इंदिरा गांधी के मूर्ति के सामने सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने हाथ में पोस्टर लेकर पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे के साथ पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ओर सेना चीफ का पुतला दहन किया गया। इस मौके पर प्रदीप भट्टाचार्य, अम्बा प्रसाद, अमिताभ चक्रवर्ती, भोला यादव, प्रदीप प्रसाद, सुभाष सिंह, पंकज सोनकर, तपन अग्रवाल, मानस सरकार, सोनू ठाकुर, अजीत सिंह, भोला दस, बबलू,अमीर अली व अन्य सैकड़ों कार्यकर्तागण उपस्थित थे।

वीर सैनिकों के सम्मान में जगमगाए देश भर के रेलवे स्टेशन

कोलकाता, समाज्ञा : ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सेना के अदम्य शौर्य और पराक्रम के सम्मान में देश भर के रेलवे स्टेशन जगमगा उठे। भारतीय रेल ने वीर सैनिकों के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करने के लिए यह अनूठा आयोजन किया। इस मौके पर कश्मीर से कन्याकुमारी और गुजरात से असम तक के रेलवे स्टेशनों पर राष्ट्रभक्ति का अलग जोश देखने को मिला। इस दौरान तिरंगे की रोशनी में नहाए रेलवे परिसर देशभक्ति के गीतों से गूंज उठे। वहीं स्टेशनों पर लगी स्क्रीनों पर राष्ट्रभक्ति से जुड़े विजुअल्स ने यात्रियों को राष्ट्र प्रेम की भावनाओं से भर दिया। इस ऑपरेशन की सफलता को जन-जन तक पहुंचाने के लिए भारतीय रेल ने देश के विभिन्न हिस्सों में तिरंगा यात्रा का आयोजन किया, जिसने देशवासियों के मन मस्तिष्क में राष्ट्रप्रेम और सेना के प्रति सम्मान की भावना को और मजबूत किया। इसके अलावा भारतीय रेल ने तिरंगा यात्रा के साथ तमाम स्थानों पर नुक्कड़ नाटक के जरिए भी ऑपरेशन सिंदूर की सफलता को जनमानस तक पहुंचाया। भारतीय रेल की इस पहल ने ना केवल सेना के रणबांकुरों का अभिनंदन किया, बल्कि आम जनता को भी ऑपरेशन सिंदूर की गौरव गाथा से जोड़ा। यह आयोजन दर्शाता है कि देश का प्रत्येक नागरिक अपने वीर सैनिकों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है। पहलगाम में आतंकी हमले के बाद न्याय की अखंड प्रतिज्ञा को पूरा करने के लिए शुरू हुआ ऑपरेशन सिंदूर भारतीय सेना की वह गौरव गाथा है, जो आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा।

मालदह मंडल ने मवेशी टकराव की घटनाओं की रोकथाम हेतु चलाया जन-जागरूकता अभियान

मालदह : मालदह मंडल में रेल परिचालन की सुरक्षा और समयबद्धता सुनिश्चित करने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। मंडल रेल प्रबंधक यतीश कुमार के नेतृत्व में मवेशी टकराव की घटनाओं की रोकथाम के लिए एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए बुधवार को मंडल के संवेदनशील रेलखंडों में संयुक्त जन-जागरूकता अभियान आयोजित किया गया। इस अभियान का उद्देश्य रेल पटरियों के पास रहने वाले ग्रामीणों को मवेशियों के कारण होने वाले हादसों से अवगत कराना और उन्हें जिम्मेदार पशुपालन हेतु प्रेरित करना था। एक प्रमुख जागरूकता अभियान मंदार हिल और हंसडीहा खंड के बीच आयोजित किया गया, जो सीआरओ की घटनाओं के लिए अति संवेदनशील माना जाता है। इस अभियान में आरपीएफ/भागलपुर, ट्रैफिक इंस्पेक्टर/गोड्डा एवं मालदह मंडल के ऑपरेटिंग, इंजीनियरिंग और कॉमर्शियल विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया। इसी प्रकार, एक और जागरूकता अभियान भागलपुर-टिकानी खंड में भी चलाया गया, जिसमें ट्रैफिक इंस्पेक्टर/भागलपुर, पीडब्ल्यूआई/भागलपुर और आरपीएफ/भागलपुर ने भागीदारी की। इस दौरान स्थानीय समुदाय को यह बताया गया कि रेलवे ट्रैक पर अवरोधक नहीं होने चाहिए और मवेशियों को पटरियों से दूर रखना जरूरी है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में मालदह मंडल में अब तक मवेशी टकराव की 245 घटनाएं दर्ज की गई हैं, जो रेल संचालन की गंभीर चुनौती है। ऐसे में यह अभियान विशेष महत्व रखता है।

गौड़ीय मिशन बागबाजार में चंदन श्रृंगार यात्रा महोत्सव का भव्य आयोजन

कोलकाता, समाज्ञा : बागबाजार स्थित गौड़ीय मिशन में इस वर्ष भी पारंपरिक रूप से चंदन श्रृंगार यात्रा महोत्सव का आयोजन किया गया है। यह महोत्सव प्रतिवर्ष अक्षय तृतीया के दिन प्रारंभ होता है और 21 दिनों तक चलता है। इस वर्ष यह पावन पर्व 30 अप्रैल से आरंभ हुआ, और तब से प्रतिदिन श्रद्धा और भक्ति के साथ इसका आयोजन हो रहा है। मान्यता है कि प्रचंड वैशाख मास की गर्मी से भगवान को शीतलता प्रदान करने के लिए सर्वप्रथम जगन्नाथ पुरी में श्री विग्रह पर चंदन लेपन की परंपरा शुरू हुई थी, जो आज भी विविध स्थानों पर श्रद्धा-पूर्वक निभाई जाती है। इसी परंपरा का निर्वहन करते हुए गौड़ीय मिशन बागबाजार में प्रतिदिन संध्या 4 बजे भगवान को शीतल पेय अर्पित कर सेवा प्रारंभ की जाती है। इसके उपरांत मिशन के ब्रह्मचारी चंदन घिसकर भगवान श्रीकृष्ण के विग्रह पर चंदन लेपन करते हैं और उनका सुंदर श्रृंगार करते हैं। सायं 6 बजे से मंदिर के द्वार भक्तों के लिए खोल दिए जाते हैं, जहां वे भगवान के इस मोहक स्वरूप के दर्शन कर आत्मिक सुख की अनुभूति करते हैं। दर्शन का समय रात 9 बजे तक निर्धारित है। साथ ही शाम 7 बजे से श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन होता है, जिसमें श्रद्धालु कथा श्रवण कर आध्यात्मिक लाभ प्राप्त करते हैं। हर दिन समस्त भक्तों और आगंतुकों को खिचड़ी प्रसाद भी वितरित किया जाता है। यह 21 दिवसीय महोत्सव 30 मई तक गौड़ीय मिशन परिसर में आयोजित किया जाएगा। मिशन के सह-सचिव मधुसूदन महाराज ने इस आयोजन की जानकारी दी।

संथाली संस्कृति का सहभागी है कुशल भारत समूह : नरेश अग्रवाल

ओलचिकी लिपि के जनक पंडित रघुनाथ मूर्मू की शतवार्षिकी पर भव्य समारोह

उड़ीसा : संथाली लिपि ओलचिकी की शतवार्षिकी और इसके आविष्कारक, गुरू गोमकी के रूप में सम्मानित पंडित रघुनाथ मूर्मू की 120वीं जयंती के अवसर पर उड़ीसा के मयूरभंज जिले स्थित रायरंगपुर में दो दिवसीय भव्य समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में उड़ीसा के राज्यपाल, झारखंड के मुख्यमंत्री समेत देशभर से जनजातीय भाषा के विद्वान, साहित्यकार, समाजसेवी और प्रशासनिक अधिकारी शामिल हुए। समारोह के दौरान विभिन्न प्रदेशों के जनजातीय विधायक, मंत्री, प्रशासनिक अधिकारी और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने पंडित मूर्मू के जीवन और कृतित्व पर विस्तार से चर्चा की। कार्यक्रम में पश्चिम बंगाल के पुरुलिया से आए कुशल भारत समूह के कर्णधार नरेश अग्रवाल को विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया। अपने संबोधन में श्री अग्रवाल ने कहा, संथाली सहित सभी जनजातीय संस्कृति, साहित्य और परंपराओं को संरक्षित और संवर्धित करने की जरूरत है ताकि इन भाषाओं का प्रचार-प्रसार बढ़े। उन्होंने पंडित मूर्मू के जीवन को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि गुलाम भारत में स्वतंत्र भाषा का आविष्कार करना एक साहसिक कार्य था, जिसे पंडित मूर्मू ने न केवल पूरा किया बल्कि इसे वैश्विक स्वीकृति दिलवाई। श्री अग्रवाल ने यह भी घोषणा की कि कुशल एजुकेशन फाउंडेशन द्वारा दिल्ली वर्ल्ड स्कूल में पंडित रघुनाथ मूर्मू के नाम पर एक स्वतंत्र विभाग की स्थापना की जाएगी। इसके अलावा, उन्होंने बताया कि पुरुलिया के अजोध्या पहाड़ स्थित उनके रिसोर्ट 'कुशल पल्ली' के चारों प्रवेश द्वार जनजातीय व्यक्तित्वों को समर्पित हैं और सैकड़ों युवक-युवतियां यहां काम करके अपनी आजीविका चला रहे हैं। कुशल पल्ली की ओर से आयोजित 'ट्राइबल मैराथन' राष्ट्रीय स्तर पर चर्चित है। इसके अलावा, कुशल भारत समूह ने संथाली और अन्य जनजातीय भाषाओं और संस्कृतियों को बढ़ावा देने के लिए पांच लाख रुपये का अनुदान भी प्रदान किया।

हावड़ा डिवीजन में टिकट जांच अभियान, एक ही दिन में पकड़ाए 612 बेटिकट यात्री

कोलकाता, समाज्ञा : बिना टिकट यात्रा पर अंकुश लगाने के अपने निरंतर प्रयासों के तहत, पूर्व रेलवे के हावड़ा डिवीजन ने हावड़ा और लिलुआ रेलवे स्टेशनों पर सघन टिकट जांच अभियान चलाया। वरिष्ठ मंडल वाणिज्यिक प्रबंधक (सीनियर डीसीएम) के निर्देशों के बाद सहायक वाणिज्यिक प्रबंधक (एसीएम/एचसी) की कड़ी निगरानी में यह अभियान चलाया गया। अभियान का मुख्य उद्देश्य यात्रियों में वैध टिकट के साथ यात्रा करने के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना और बिना टिकट और अनियमित यात्रा के खिलाफ सख्त कार्रवाई करना था। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) कर्मियों के सहयोग से यात्रा टिकट परीक्षकों (टीटीई) की एक समर्पित टीम ने अभियान में भाग लिया। सघन जांच अभियान के परिणामस्वरूप बिना टिकट और अनियमित यात्रा के 612 मामले पकड़े गए। कुल 1,00,000 रुपए का जुर्माना लगाया गया। 1,90,095 रुपए की राशि मौके पर ही वसूल की गई। रेलवे ने यात्रियों से अनुरोध किया कि असुविधा से बचने और सम्मान के साथ यात्रा करने के लिए वैध टिकट के साथ यात्रा करें।

दमदम और बेलगछिया मेट्रो स्टेशनों पर अग्निशमन प्रशिक्षण

कोलकाता, समाज्ञा : मेट्रो रेलवे यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हर संभव उपाय और देखभाल करता है। मेट्रो रेलवे के महाप्रबंधक पी उदय कुमार रेड्डी नियमित रूप से 'कोलकाता की जीवन रेखा' में अपनाए गए सुरक्षा उपायों की निगरानी और समीक्षा करते हैं। सुरंगों के अंदर या वायडक्ट पर किसी भी आग की आपात स्थिति से निपटने के लिए विभिन्न विभागों के मेट्रो कर्मचारियों की तैयारियों की जांच करने के लिए, मेट्रो रेलवे, कोलकाता में नियमित प्रशिक्षण आयोजित किया जाता है। बुधवार को दमदम और बेलगछिया मेट्रो स्टेशनों पर वरिष्ठ अधिकारियों की देखरेख में फील्ड स्टाफ के लिए अग्निशमन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। मेट्रो कर्मचारियों को विभिन्न आग और धुएं की स्थितियों के अनुकरण के माध्यम से आग को बुझाने का प्रशिक्षण दिया गया। इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों में यातायात विभाग और आरपीएफ कर्मियों ने भाग लिया।

हावड़ा डिवीजन के हुए 100 वर्ष पूरे

❑ **प्रभात फेरी और हावड़ा स्टेशन के नए परिसर में स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित**

कोलकाता, समाज्ञा : हावड़ा डिवीजन के 100 गौरवशाली वर्ष के चल रहे उत्सव के हिस्से के रूप में, डिवीजन की शताब्दी यात्रा और स्वच्छता और स्वच्छता के विषयों पर केंद्रित प्रभात फेरी का आयोजन बुधवार को किया गया। हावड़ा मंडल रेल प्रबंधक, संजीव कुमार के निर्देशन में हावड़ा स्टेशन के नए परिसर में किया गया। इस कार्यक्रम में रेलवे कर्मचारियों, अधिकारियों और स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रभात फेरी सुबह जल्दी शुरू हुई, जिसमें प्रतिभागियों ने हावड़ा डिवीजन की 100 साल की यात्रा के मील के पत्थर को उजागर करने वाले बैनर और तख्तियां लेकर नए परिसर के परिसर से मार्च किया। प्रतिभागियों ने स्वच्छता और सफाई पर नारे भी लगाए और संदेश साझा किए। यह पहल न केवल हावड़ा डिवीजन के ऐतिहासिक योगदान के लिए एक श्रद्धांजलि थी, बल्कि सार्वजनिक स्थानों को साफ और स्वच्छ रखने में निरंतर सतर्कता के लिए कार्रवाई का आह्वान भी थी। यह कार्यक्रम स्वच्छ भारत अभियान के व्यापक लक्ष्यों के साथ जुड़ा हुआ था, जो स्थिरता और सार्वजनिक कल्याण के लिए भारतीय रेलवे की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

पूर्णम साव की वतन वापसी पर परिजनों में खुशी की लहर

परिवार ने स्थानीय लोगों में वितरित की मिठाईयां

हुगली, समाज्ञा : 21 दिनों के लंबे इंतजार के बाद भारत माता के सच्चे सपूत बीएसएफ जवान पूर्णम साव की वतन वापसी की खबर से रिसड़ा में उनके परिजनों के बीच खुशी का माहौल छा गया। पूर्णम के परिवार, जिसमें पत्नी रजनी साव, पिता भोला नाथ साव, माता देवंती देवी, बेटा अरव साव और भतीजा राहुल साव शामिल हैं, खुशी से झूम उठे। उनकी आंखों में आंसू थे और घर में मिठाइयां बांटी गईं। पूर्णम साव 21 दिनों तक पाकिस्तान की कैद में थे, और इस दौरान उनकी गर्भवती पत्नी रजनी समेत परिवार के सभी सदस्य एक-एक पल चिंता में काट रहे थे। वतन वापसी की खबर मिलते

ही पूर्णम के घर में आत्मीय लोगों का तांता लग गया। रिसड़ा नगरपालिका के चेयरमैन विजय सागर मिश्रा, हुगली जिला सांगठनिक तृणमूल अध्यक्ष और चांपदानी विधायक अरिंदम गुइन, पार्षद सुख सागर मिश्रा, शशि सिंह, मनोज साव और मनोज सिंह समेत कई नेताओं ने उनके परिवार से मिलकर खुशियां साझा कीं। पूर्णम की पत्नी रजनी ने कहा, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मेरे पति को भाई बनाया और कई बार फोन करके मुझे ढांढस बंधाया। आज जब वतन वापसी की खबर आई, तो उन्होंने फिर फोन किया। पीएम मोदी और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का आभार व्यक्त करती हूं। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से आतंकियों को उखाड़ फेंका और अब उनका सिंदूर वापस लौटाया। पूर्णम के पिता भोला नाथ साव ने भी सरकार और सेना का आभार व्यक्त करते हुए कहा, हमारा बेटा अब फिर से देश की सेवा में रहेगा। हमें गर्व है कि हमारा बेटा दुश्मन की कैद से सुरक्षित वापस लौटा है। वहीं, रिसड़ा नगरपालिका के चेयरमैन विजय सागर मिश्रा ने कहा, पूर्णम हमारा परिवार है और हम हमेशा उनके साथ हैं। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने जो वादा किया था, वह पूरा हुआ है।

चुंचुड़ा में जेल हिरासत में हत्यारोपी की मौत

हुगली, समाज्ञा : जेल हिरासत में बुधवार को एक हत्यारोपी की मौत हो गई। मृतक की पहचान उज्ज्वल शील की रूप में की गई है। बताया गया है कि इस दिन, सुबह करीब 10 बजे उसकी इमामबाड़ा अस्पताल में मौत हुई है। पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है। जेल सूत्रों के अनुसार, चुंचुड़ा निवासी उज्ज्वल शील को रविवार को अपनी पत्नी की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया था। इस दिन, आरोपी को चुंचुड़ा अदालत में पेश किया, जहां से दो दिन की पुलिस हिरासत के बाद अदालत ने उसे जेल भेजने का आदेश दिया। हिरासत में रहने के दौरान उज्जल को शारीरिक अस्वस्थता के कारण मंगलवार की रात इमामबाड़ा सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इस दिन, सुबह करीब 10 बजे उसका निधन हो गया। अस्पताल प्राधिकारियों ने कहा कि उनकी मौत का वास्तविक कारण पोस्टमार्टम के बाद ही पता चलेगा। उल्लेखनीय है कि उज्ज्वल हुगली के कोडालिया 1 ग्राम पंचायत के अंतर्गत प्रियनगर दक्षिण क्षेत्र का निवासी है। वह करीब तीन साल पहले अपनी पत्नी सुपर्णा घोष के साथ उस घर में रहने लगे थे। सुर्पणा का दूसरा पति उज्ज्वल है। सुपर्णा ने कई दिनों तक प्रथम पक्ष के बेटे और बहू से संपर्क बढ़ाया। इस बात को लेकर दोनों में बहस हो रही थी। कथित तौर पर उज्जवल ने गुस्से में आकर अपनी पत्नी की हत्या कर दी। यह भी ज्ञात है कि उज्ज्वल कुछ समय से बीमार थे। हत्या के आरोप में गिरफ्तार होने के बाद उनकी मृत्यु हो गई। पुलिस मौत के कारण की जांच कर रही है।

वजन घटाने के लिए अपनाएं हेल्दी स्नैकिंग: डॉ. रोहिणी पाटिल

कोलकाता, समाज्ञा : अगर आप वजन कम करना चाहते हैं, तो खाने के बीच लगने वाली भूख को नजरअंदाज करने की बजाय उसे हेल्दी स्नैक्स से संतुष्ट करना बेहतर है। डॉ. रोहिणी पाटिल (एमबीबीएस एवं न्यूट्रिशनिस्ट) का कहना है कि अस्वास्थ्यकर चीजें खाने से वजन घटाने के लक्ष्य पर असर पड़ता है, जबकि सही तरीके से किए गए स्नैकिंग से वजन कम करने में मदद मिलती है। वे बादाम, फल और सब्जियां जैसे पोषक तत्वों से भरपूर खाद्य पदार्थों को सीमित मात्रा में लेने की सलाह देती हैं। डॉ. पाटिल विशेष रूप से कैलिफोर्निया बादाम, मूंग दाल चीला, स्प्राउट्स भेल, खीरे के साथ पनीर सलाद और भुना चना जैसे स्मार्ट विकल्पों को अपनाने की सिफारिश करती हैं। ये न केवल भूख शांत करते हैं, बल्कि ऊर्जा प्रदान करते हैं और लंबे समय तक पेट भरा रखते हैं।

बहुराष्ट्रीय बैंक को लाखों का चूना, पांच गिरफ़्तार

✒ फ़र्ज़ी दस्तावेज़ बनाकर लिया लोन वाहन

कोलकाता, समाज्ञा : महानगर में फिर धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। एक बहुराष्ट्रीय बैंक में फ़र्ज़ी दस्तावेज बनाकर लाखों रुपए का ग़बन किया गया। इस मामले में पांच गिरफ्तार किया गया। आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के क्षेत्रीय प्रबंधक सुदेश कुमार गुप्ता ने इस मामले में शिकायत किया। शिकायत के आधार पर आरोपी व्यक्तियों ने एक आपराधिक साजिश रची और उसके अनुसार फर्जी बैंक स्टेटमेंट, आईटी रिटर्न का उपयोग करके आईसीआईसीआई बैंक से 05 वाहन ऋण प्राप्त किए और बाद में बंधक वाहन का दुरुपयोग किया, जिससे बैंक को 76.65 लाख रुपए का गलत नुकसान हुआ और बाद में आरोपी व्यक्तियों को लाभ हुआ, जिससे उन्होंने धारा 120बी/420/467/468/471 आईपीसी के तहत अपराध किया। जांच के दौरान, शिकायतकर्ता बैंक से विभिन्न ग्राहकों के 5 कार ऋणों के विरुद्ध प्रासंगिक दस्तावेज जब्त किए गए। आरोपियों के विरुद्ध साक्ष्य एकत्र किए गए। जांच के दौरान मंगलवार और बुधवार को तारातला और बिष्णुपुर थाना क्षेत्र से पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। उनकी पहचान आशिकुल शेख (24), सोमनाथ घोष (42), अभिजीत पाल (37), सैफुल्ला शेख (47) व शंकर गुप्ता (43) को गिरफ्तार किया गया। आशिकुल शेख इस अपराध का मास्टरमाइंड है। गिरफ्तार किए गए सभी आरोपियों को बुधवार को पुलिस रिमांड के लिए सीजेएम कलुट्टा के समक्ष पेश किया जा रहा है। मामले की जांच जारी है। गलत तरीके से जब्त किए गए वाहनों की बरामदगी के लिए प्रयास किए जा रहे हैं।

हावड़ा स्टेशन के विकल्प के रूप में शालिमार स्टेशन का विकास, 203 करोड़ रुपये से बनेगा नया डिपो

हावड़ा, समाज्ञा : हावड़ा स्टेशन पर बढ़ते यात्री दबाव को कम करने के लिए दक्षिण पूर्व रेलवे ने शालिमार स्टेशन को नया यात्री केंद्र के रूप में विकसित करने का निर्णय लिया है। इस परियोजना के तहत शालिमार स्टेशन पर वंदे भारत एक्सप्रेस कोचिंग कॉम्प्लेक्स के निर्माण के लिए पाइलिंग कार्य का शिलान्यास किया गया है। यह कार्य बुधवार को दक्षिण पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक अनिल कुमार मिश्रा द्वारा किया गया। अनिल कुमार मिश्रा ने बताया कि शालिमार स्टेशन का उन्नयन हावड़ा स्टेशन पर यात्रियों के दबाव को कम करने के लिए किया जा रहा है। इसके तहत वंदे भारत एक्सप्रेस कोचिंग कॉम्प्लेक्स का निर्माण किया जाएगा, साथ ही अन्य

लंबी दूरी की ट्रेनों की मेंटेनेंस के लिए डिपो भी स्थापित किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि अमृत भारत परियोजना के तहत अन्य लंबी दूरी की ट्रेनों की मेंटेनेंस का कार्य भी इसी डिपो में किया जाएगा। इसके बाद, हावड़ा स्टेशन की बजाय शालिमार स्टेशन से लंबी दूरी की ट्रेनों का संचालन किया जा सकेगा, जिससे हावड़ा स्टेशन पर यात्री दबाव में कमी आएगी और दक्षिण पूर्व रेलवे की लोकल ट्रेनों के संचालन में भी सुविधा होगी। वर्तमान में लंबी दूरी की ट्रेनों के मेंटेनेंस के लिए सांतरागाछी रेलवे यार्ड में ट्रेनों को भेजना पड़ता है, लेकिन शालिमार स्टेशन पर मेंटेनेंस डिपो बनने से यह कार्य यहां आसानी से किया जा सकेगा। इस स्टेशन के आसपास ओवरब्रिज, अंडरपास, फेरी घाट और सड़कों का निर्माण तेजी से चल रहा है। अनिल कुमार मिश्रा ने बताया कि इस परियोजना पर कुल 203 करोड़ रुपये का खर्च आएगा और अगले एक साल के भीतर इसे पूरा करने की योजना है। अब यात्रियों की उम्मीदें इस परियोजना के समयसीमा पर टिकी हैं, और वे आशा कर रहे हैं कि यह सुविधा जल्द ही उन्हें प्राप्त होगी।

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बारे में पोस्ट करने पर विवाहिता को मिली धमकी

कोलकाता, समाज्ञा : ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बारे में पोस्ट करने पर दक्षिण 24 परगना जिले की एक विवाहिता को धमकी मिली है। जानकारी के मुताबिक जिले के डायमंड हार्बर के फलता की एक महिला ने इंटरनेट मीडिया पर ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बारे में चार दिन पहले एक पोस्ट किया था। उन्होंने लिखा था कि इतिहास के पन्नों में एक और युद्ध ऑपरेशन सिंदूर का नाम जुड़ गया। मैं भाग्यशाली हूं कि मुझे एक ऐसा देश मिला, जिसने कभी हारना नहीं सीखा, मुझे भारतीय होने पर गर्व है। इस पोस्ट के जवाब में उन्हें राज एफ लवर्स नामक फेसबुक आइडी से एक धमकी भरी पोस्ट आई। इस संबंध में गृहिणी ने जिला भाजपा की मदद से पुलिस अधीक्षक के समक्ष लिखित शिकायत दर्ज करा दी है।

मिनाखां में अज्ञात महिला के शव बरामदगी मामले में एक गिरफ्तार

कोलकाता, समाज्ञा : एक अज्ञात महिला का शव बरामद किया गया। शव बरामद करने की कोशिश करते समय पुलिस अधिकारियों को संदेह हुआ। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। 28 मार्च को मिनाखान के धुधुरदाहा इलाके में श्मशान घाट से सटे तालाब के किनारे से एक अज्ञात महिला का शव बरामद किया गया था। शव बरामद होने के बाद पुलिस को संदेह हुआ और उसने आत्महत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी। मामले की जांच मीनाखां थाने के एसआई नवीन मंडल को सौंपी गई। नवीन मंडल के नेतृत्व में एक टीम गठित कर जांच शुरू की गई। पुलिस जांच कर अज्ञात महिला का नाम पता लगाई। उसका नाम रिजिया खातून बीबी था। उनके पिता का घर बशीरहाट थाना के बंगपुकुर इलाके में है। शादीशुदा होने के बावजूद रिजिया खातून का

मटिया इलाके के एक शादीशुदा सिराज से प्रेम संबंध हो गया। बाद में उनकी शादी हो गई। कुछ दिनों के बाद दोनों के बीच अशांति शुरू हो गई। इसके बाद सिराज ने रिज़िया को मारने की योजना बनाई। योजना के अनुसार, सिराज अपनी पत्नी रिजिया खातून बीबी को मिनाखान थाने के धुत्तुरदाह इलाके में ले गया, वहां उसकी हत्या कर दी और फरार हो गया। गिरफ्तार व्यक्ति ने पूछताछ के दौरान यह बात स्वीकार की। पुलिस ने विभिन्न स्रोतों का उपयोग किया। तदनुसार, शाम को गुप्त सूत्र से सूचना मिलने के बाद पुलिस ने वेबिया श्मशान घाट के पीछे छापेमारी कर सिराज मंडल को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान पुलिस को कई जानकारियां मिली हैं।

दूसरे वर्ष के छात्र की रैगिंग का आरोप, छह छात्र गिरफ्तार

बर्दवान : द्वितीय वर्ष के छात्र की रैगिंग का मामला सामने आया है। घटना के आरोप में छह छात्रों को गिरफ्तार किया गया। आरोपी तृणमूल छात्र नेता बताया जा रहा है।यह घटना बर्दवान विश्वविद्यालय के अंतर्गत यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में घटी। शिकायत मिलने के बाद कॉलेज प्रशासन ने छह छात्रों को छात्रावास छोड़ने का निर्देश जारी किया। शिकायत यह है कि पिछले कुछ समय से यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के तीसरे और चौथे वर्ष के कुछ छात्र ए.जे.सी. बोस बॉयज हॉस्टल में दूसरे वर्ष के कुछ छात्रों की रैगिंग कर रहे हैं। उन्हें शारीरिक और मानसिक यातना दी जा रही थी। रविवार मध्य रात्रि को यह

अपने चरम पर पहुंच गया। द्वितीय वर्ष के छात्र अनिरुद्ध शर्मा की कथित तौर पर छड़ों और लाठियों से पिटाई की गई। उनके रूममेट और कुछ छात्र उनकी मदद के लिए आगे आए। उन्हें पीटा भी गया। आरोप है कि अनिरुद्ध के सिर पर रॉड से वार किया गया। उसे बचाने आए छात्र भी मारपीट में घायल हो गए। पुलिस को दी गई लिखित शिकायत में अनिरुद्ध ने कहा कि यह पहली बार नहीं है। ऐसी घटनाएं पहले भी कई बार हो चुकी हैं। कुछ छात्रों को विभिन्न तरीकों से परेशान किया गया। पीटा गया। रैगिंग हो गई है। कॉलेज प्रशासन को सूचित करने के बावजूद कुछ नहीं किया गया। शिकायत करने या कार्रवाई करने की बजाय पूरे मामले को दबाया जा रहा है। कॉलेज प्रशासन की इस भूमिका से रैगिंग करने वालों को बढ़ावा मिलता है। घटना की दोपहर को उन्होंने पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। इसके आधार पर पुलिस ने छह आरोपी छात्रों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार लोगों के नाम पीयूष सिंह, सिद्धार्थ कुमार सिंह, सौरभ कुमार मिश्रा, अंसुल, आयुष सोनी और राज मिश्रा हैं। आरोपी सिद्धार्थ कुमार सिंह उस कॉलेज में तृणमूल कांग्रेस छात्र परिषद का नेता है।

महानगर से बेंगलुरु व अहमदाबाद में कर रहे थे साइबर अपराध, आनन्दपुर से पकड़ाए चार

कोलकाता, समाज्ञा : कोलकाता में बैठकर बेंगलूरू व अहमदाबाद जैसे शहरों में साइबर अपराध कर रहे थे। बेंगलुरु पुलिस ने महानगर के आनंदपुर थाने से चार लोगों को गिरफ्तार किया है। वे बेंगलुरु और अहमदाबाद में साइबर धोखाधड़ी के मामलों में शामिल थे और पिछले दो दिनों से पुलिस की गिरफ्त से भागकर यहां छिपे हुए थे। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान रेन्जिथ आर.एस.(37), अकरन आर नाथन, जोएल जीवराज कारकड़ा (30) और आशीष रवीन्द्र नाथन के रूप में हुई है। रेंजिथ बेंगलुरू का रहने वाला था जबकि अन्य तीन गुजरात का रहने वाले थे। साउथ ईस्ट सीईएन पीएस (बेंगलुरू सिटी) आईटी अधिनियम की धारा-66(सी)/66(डी) के तहत और धारा-318(4)/319(2)/111(3)(4) बीएनएस इनको गिरफ्तार किया।

कोलकाता में नौकरी के लिए था इंटरव्यू, उत्तराखंड के जंगल में दुर्गापुर के युवक की मिली लटकती लाश

दुर्गापुर : एक युवक नौ दिन पहले दुर्गापुर स्थित अपने घर से इसलिए निकला था क्योंकि उसे कोलकाता में नौकरी के लिए इंटरव्यू देना था। पिछले दो दिनों से उनसे संपर्क नहीं हो पाया है। उनका लटका हुआ शव उत्तराखंड के बद्रीनाथ में देवदार के जंगल से बरामद किया गया। शव बरामद होने के बाद इलाके की पुलिस ने परिवार से संपर्क किया। मृतक युवक का नाम प्रीतम मजूमदार (27) है। यह घर दुर्गापुर के बी-जोन के एडिशन इलाके में है। घटना की जानकारी होते ही क्षेत्र में सनसनी फैल गई। परिवार के सदस्य शव वापस लाने के लिए बद्रीनाथ रवाना हो गए हैं। पारिवारिक सूत्रों के अनुसार, प्रीतम के माता-पिता का 2008 में तलाक हो गया था। पिता पूर्व वायुसेना कर्मी हैं। तलाक के बाद उन्होंने दूसरी शादी कर ली और गुजरात में रहने लगे। प्रीतम की मां पूर्णिमा मजूमदार एनआईटी में हॉस्टल सुपरवाइजर थीं। वह लंबे समय से बीमार हैं। माता-पिता के अलग होने के बाद प्रीतम अपने भाई-बहनों और मां के साथ दुर्गापुर के एडिशन इलाके में अपने दादा के घर में रहता था। प्रीतम ने स्थानीय कॉलेज से अर्थशास्त्र की पढ़ाई की है। हालांकि मैंने अलग-अलग समय पर कई जगहों पर काम किया, लेकिन उनमें से कोई भी स्थायी नहीं था। इस महीने की शुरुआत में प्रीतम ने अपने परिवार वालों को बताया कि उसे नौकरी के लिए साक्षात्कार हेतु कोलकाता से फोन आया है। इसीलिए वह 4 तारीख को आवश्यक दस्तावेज लेकर दुर्गापुर से निकल गए। वह मोबाइल फोन के जरिए अपने परिवार से भी संपर्क में था। प्रीतम ने अपने चाचा से आखिरी बार 11 तारीख को बात की थी। तब से उनसे संपर्क नहीं हो पाया है। मंगलवार को उत्तराखंड के जोशीपथ थाने की पुलिस ने प्रीतम के चाचा से फोन पर संपर्क किया। बताया गया कि उनका शव क्षेत्र के एक देवदार के जंगल में एक पेड़ से लटका हुआ पाया गया। घटनास्थल पर उनके दस्तावेज पाए गए। यह सुनकर परिवार हैरान रह गया। प्रीतम उत्तराखंड कैसे गए? तो क्या वह कोलकाता में नौकरी के लिए इंटरव्यू देने नहीं गए? पूरा मामला रहस्यमय होता जा रहा है।

तेहट्ट विधायक तापस साहा के सिर में गंभीर चोट, गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती

कोलकाता, समाज्ञा : तेहट से तृणमूल विधायक तापस साहा घर में गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। सूत्रों के अनुसार सिर में चोट लगने के कारण वह बेहोश हो गए। उसे तुरंत स्थानीय अस्पताल ले जाया गया। वहां डॉक्टरों ने स्थिति गंभीर देखकर उन्हें कोलकाता ले जाने को कहा। बताया जा रहा है कि इसके तुरंत बाद उन्हें कोलकाता के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। सुनने में आया है कि उनकी हालत गंभीर है। अस्पताल सूत्रों ने बताया कि सिर की चोट गंभीर थी। डॉक्टरों को मस्तिष्क मृत्यु का भय है। सूत्रों के अनुसार

विधायक को आज बुधवार सुबह करीब आठ बजे ब्रेन स्ट्रोक के बाद तेहट्टा उपजिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। उन्हें वहां आईसीयू में भर्ती कराया गया। लेकिन जैसे-जैसे समय बीतता गया, उनकी शारीरिक स्थिति बिगड़ती गई। अंततः उन्हें कोलकाता रेफर कर दिया गया। उन्हें आईसीयू सहायता के साथ एम्बुलेंस द्वारा कोलकाता लाया गया।

बिष्णुपुर में दो भाइयों ने पड़ोसी बुजुर्ग की 'हत्या'

बांकुड़ा : आवारा कुत्ते को मारने का विरोध करने पर बिष्णुपुर के एक बुनकर की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। मृतक का नाम सुधीन पाल है। पुलिस ने दो आरोपी पड़ोसियों शैलेन पाल और टोटन पाल को गिरफ्तार कर लिया है। सनसनीखेज घटना मंगलवार रात बांकुड़ा के बिष्णुपुर शहर के कृष्णगंज इलाके में घटी। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, बिष्णुपुर कस्बे के कृष्णगंज निवासी बुजुर्ग सुधीनबाबू और उनके भाई अमिताभ पाल नियमित रूप से आवारा कुत्तों को खाना खिलाते थे। इसीलिए उनके घर के सामने कुत्ते भरे पड़े थे। इसको लेकर पड़ोसी शैलेन पाल और तोतन पाल से विवाद भी हुआ था। कथित तौर पर दोनों भाइयों को कुत्तों को खाना खिलाना बिल्कुल पसंद नहीं है। इसीलिए दोनों परिवारों के बीच कभी-कभी बहस होती रहती थी। मंगलवार की रात अमिताभ ने दो भाइयों, शैलेन और टोटन को कुत्तों पर ईंटें फेंकते देखा। आरोप है कि विरोध करने पर अमिताभ की पहले पिटाई की गई। परिवार का दावा है कि अमिताभ को बचाने की कोशिश में उनकी पत्नी भी घायल हो गईं। पड़ोसियों ने उस समय विवाद को रोक दिया। अमिताभ और उनके परिवार के सदस्य घटना की जांच के लिए बिष्णुपुर पुलिस स्टेशन गए। इस बीच, घटना के समय अमिताभ के भाई सुधीन घर पर नहीं थे। घर लौटने पर जब सुधीन को अपने भाई की पिटाई की घटना के बारे में पता चला तो वे घटना का विरोध करने के लिए अकेले ही सड़कों पर उतर आए। आरोपी टोटन और शैलेन पुनः बाहर आ जाते हैं। इस बार उन दोनों में झगड़ा हुआ और सुधीनू से मारपीट हुई। उस समय दोनों भाइयों ने कथित तौर पर सुधीन को अकेला पाया और सड़क के किनारे पड़ी ईंट से उसकी छाती पर जोरदार प्रहार किया। वह सड़क पर गिर पड़ा। उसी समय परिवार के अन्य सदस्य घर लौट रहे थे। सुधीन पाल को सड़क पर पड़ा पाया गया और उन्हें तुरंत बचाकर अस्पताल ले जाया गया। लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बिष्णुपुर पुलिस स्टेशन में दोबारा शिकायत दर्ज कराई गई। घटना की जांच कर रही पुलिस ने उसी रात दो आरोपी भाइयों शैलेन और टोटन को गिरफ्तार कर लिया। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। कुत्ते की पिटाई की घटना से क्षेत्र में व्यापक चिंता फैल गई है।

कैनिंग में छोटे भाई ने की बड़े भाई की हत्या, संपत्ति विवाद बना वजह

कोलकाता, समाज्ञा : दक्षिण 24 परगना के कैनिंग थाना क्षेत्र में मंगलवार की देर रात एक सनसनीखेज वारदात सामने आई। पश्चिम कुमार साचक के माझेरपाड़ा इलाके में छोटे भाई ने बड़े भाई की धारदार हथियार से हत्या कर दी। पति को बचाने के प्रयास में मृतक की पत्नी भी घायल हो गई। घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल है और पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। मृतक की पहचान शाहजहां सरदार के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि शाहजहां अपने ससुराल से लौट रहे थे, तभी उनके सौतेले भाई आमिर अली सरदार ने उन पर हमला कर दिया। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, उनके बीच पिछले लगभग तीन वर्षों से छह कट्ठा जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। मृतक शाहजहां, पिता कासेम सरदार की पहली पत्नी के बेटे थे जबकि आरोपित आमिर दूसरी पत्नी से है। मंगलवार की रात शाहजहां जब अपनी पत्नी जावेदा के साथ लौट रहे थे, तभी पहले से घात लगाकर बैठे आमिर अली ने उन पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। शाहजहां लहूलुहान होकर गिर पड़े। पत्नी जावेदा जब उन्हें बचाने आईं तो हमलावर ने उस पर भी वार कर दिया। दोनों को घायल अवस्था में अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने शाहजहां को मृत घोषित कर दिया। घटना की खबर मिलते ही ग्रामीण आक्रोशित हो उठे और आरोपित के घर पर हमला बोल दिया। तोड़फोड़ की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को काबू में लिया। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा है और मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। वारदात के बाद से आरोपित आमिर अली फरार है। पुलिस उसकी तलाश में जुटी है। गांव में तनाव को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है।

फर्जी आधार कार्ड बनाने के गिरोह का भंडाफोड़, तीन गिरफ्तार

आधार के जरिए सुरक्षा को कमजोर करने की साजिश

मुर्शिदाबाद : बड़े पैमाने पर फर्जी आधार कार्ड बनाने का मामला उजागर हुआ है। फर्जी आधार कार्ड के लिए रिश्वत का लालच देकर मुर्शिदाबाद के रानीनगर के कदमतला में स्थानीय लोगों के घरों में फर्जी आधार कार्ड बनाए जा रहे थे। पुलिस ने इस गिरोह के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया है। कई उपकरण बरामद किए गए। जांचकर्ताओं को आशंका है कि आतंकवादी आधार का उपयोग करके सुरक्षा को कमजोर करने की साजिश रच रहे हैं। सूत्रों ने बताया कि कदमतला में मोहम्मद जमालुद्दीन के घर पर फर्जी आधार कार्ड बनाने का अवैध धंधा चल रहा था। खबर मिलते ही पुलिस ने जमालुद्दीन शेख के घर पर छापा मारा। गिरफ्तार व्यक्ति का नाम मोहम्मद जमालुद्दीन शेख है, वह 36 वर्ष का है और कदमतला का रहने

वाला है। गिरफ्तार किए गए बाकी लोगों में मृदादपुर निवासी 24 वर्षीय अबू सुफियान और बंशीबंदनपुर के 32 वर्षीय रफीकुल इस्लाम शामिल हैं। पता चला है कि आरोपी लंबे समय से इस गिरोह में शामिल हैं। इस चक्र के मुख्य पात्र रफीकुल और सुफियान हैं। उन्होंने फर्जी आधार कार्ड बनाने के लिए सभी उपकरण एकत्र किए और कार्ड बना लिए। वे कभी भी एक ही स्थान पर लम्बे समय तक काम नहीं करते थे। गिरफ्तार लोगों के पास से 2 प्रिंटर, 1 लैपटॉप, 1 फिंगरप्रिंट स्कैनर, 1 रेटिना स्कैनिंग मशीन और 1 कैमरा बरामद किया गया। मौके से 8,500 रुपए नकद और पांच फर्जी आधार कार्ड बरामद हुए।

पुलिस को पता चला कि गिरोह आधार कार्ड बनाने के लिए स्थानीय निवासियों से बायोमेट्रिक जानकारी एकत्र कर रहा था। जिसका कथित तौर पर विभिन्न अवैध उद्देश्यों के लिए उपयोग किया गया था। जांचकर्ताओं को संदेह है कि गिरफ्तार व्यक्तियों ने पैसे के बदले बांग्लादेशी नागरिकों के लिए आधार कार्ड भी बनाये होंगे। पुलिस मामले की जांच करेगी। जैसा कि आप जानते हैं, सरकार द्वारा अनुमोदित केंद्र से आधार कार्ड बनवाने में 50-60 रुपये का खर्च आता है। लेकिन रफीकुल इस्लाम प्रति कार्ड 500-600 रुपएचार्ज करता था। डोमकल एसडीपीओ शुभम बजाज ने कहा कि गिरफ्तार लोगों को अदालत में पेश करने और उन्हें पुलिस हिरासत में लेने का अनुरोध किया गया है ताकि पता लगाया जा सके कि इस घटना में और कौन शामिल है, वे कितने समय से इसमें शामिल हैं, उन्होंने कितने अवैध आधार कार्ड बनाए हैं और इन घटनाओं के पीछे और कौन है।

शमसेरगंज में लगातार तीसरे दिन भारी मात्रा में बम बरामद

मुर्शिदाबाद : जंगीपुर पुलिस जिला द्वारा मंगलवार रात और बुधवार सुबह एक विशेष अभियान चलाया गया। शमशेरगंज के बाबूपुर और आलमशाही इलाके में फिर बड़ी मात्रा में ताजा देशी बम बरामद किए गए। इसके परिणामस्वरूप शमशेरगंज में लगातार तीन बम बरामद हुए। इस संदर्भ में जंगीपुर पुलिस जिला पुलिस अधीक्षक अमित कुमार साव ने कहा कि शमशेरगंज पुलिस स्टेशन के विभिन्न इलाकों में तलाशी अभियान और डॉग स्क्वायड की मदद से तलाशी अभियान चला रहे हैं। आलमशाही इलाके में तीन और बाबूपुर में 30 से 40 से अधिक ताजा बम बरामद किए गए हैं। इसके

अलावा मालंचा सिंह पारा में 25 बम बरामद करने के साथ ही एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है।उन्होंने कहा कि यह पता लगाने के लिए जांच चल रही है कि बम किसने रखे थे। खोजी कुत्तों ने यह पता लगाना शुरू कर दिया है कि क्षेत्र में और कोई बम तो नहीं रखा है।यह तलाशी शमशेरगंज थाना क्षेत्र के विभिन्न इलाकों में अगले पांच दिनों तक जारी रहेगी।

हम नशा क्यों करते है?

सूरज रजक

इस संसार में हर जीव सुख चाहता है। इसके लिए वो तरह तरह के उपाय करता है। किसी को सात्विक तरीके पसंद है तो कोई तामसिक तरीकों में सुख ढूढंता है। नशा करना भी इसी तामसिक तरीके में शामिल है और अंततः नशा नाश का कारण बन जाता है। नशा में सुख ढूंढने निकले लोग विनाश करके ही लौटते है।

जिंदगी की परेशानियों का जब हम कोई हल नही निकाल पाते तो अक्सर नशे की शरण में चले जाते है लेकिन नशा समाधान नहीं, अभिशाप बन कर हमारे जीवन में ग्रहण डाल देता है और हम इन बातों को तब समझ पाते हैं जब जीवन का बहुमूल्य समय बर्बाद हो जाता है।

हमारे आसपास नशा करने वाले जितने भी लोग हैं उनके जीवन को गहराई से देखें तो पायेंगे कि नशे ने इनके जीवन को और बर्बाद कर दिया है। इसका सीधा सा मतलब है कि हम बर्बादी में समाधान ढूंढ रहे है।

नशा करने वाले को लगता है कि वह इससे सांसारिक झंझटों से कुछ समय के लिए बाहर आ जाता है। कुछ समय यह संसार उसे परेशान नहीं करता। हो सकता है कि इसमें कुछ हद तक सच्चाई हो लेकिन यही सच्चाई है, ऐसा नही है। नशा कुछ पल दर्द से निजात दिलाता लेकिन जिंदगी की समस्याओं का समाधान नही दिलाता। इसके ठीक उलट यह और जटिलताओं को जीवन में डाल देता है।

नशे से बर्बाद हुए परिवारों की व्यथा हम में से किससे छुपी है? नशें में झगड़े की कहानियां रोज सुनने को मिलती है। नशा असल में जीवन बर्बाद करने का साधन है। जो इसमें समाधान ढूंढ़ रहे हैं, उन्हें कभी मिलेगा नहीं। यह सौ फीसदी सही है और नशा करने वाला व्यक्ति भी इसे जानता है।

जिस दिन हमें यह पक्का विश्वास हो जायेगा कि नशे से मुक्ति नहीं, विनाश मिलता है हम आधी लड़ाई जीत जायेंगे। नशा अगर कुछ समय के लिए सांसारिक बंधनों से मुक्ति देता है तो आध्यात्म सभी तरह सांसारिक समस्याओं से बेहतर तरीके से हल करने का रास्ता बताता है।

असल में यह संसार भी परेशानी नही देता। हम संसार को लेकर जो मान्यताएं गढ़ते हैं, अपनी समझ बना लेते हैं, वो परेशानी पैदा करती हैं और हम नशे की शरण में चले जाते है। नशा थोड़े समय के लिए सुख देता है लेकिन इस थोड़े समय के बाद बहुत बड़े संकट में डाल देता है। सामाजिक प्रतिष्ठा धूमिल करता है, धन की हानि होती है,आपसी क्लेश बढ़ जाता है। पारिवारिक मधुरता का नाश हो जाता है,प्रगति बाधित हो जाती है। इन घरों के बच्चों की मानसिक स्थिति पर बहुत ही नकारात्मक प्रभाव इससे पड़ता है।

इसलिए कुछ ऐसे रास्ते हमें तलाश करने की जरूरत है जो संसार की अच्छी समझ दें,संसार को बेहतर बनाने का तरीका सिखाये, हमारी शक्ति घटाने की बजाये जैसा कि नशे में होता है, वो हमें ताकतवर बनायें। इसके लिए तो हमे बस अध्यात्म की राह पर ही चलना पड़ेगा। भारत ज्ञानियों, तीर्थंकरों, संतों और महात्माओं की भूमि है। जीवन जीने की उन्नत कला हमें यहीं से प्राप्त हो सकती है। होता यह है कि हम ज्ञान-अध्यात्म को बिना समझे टिप्पणी करने लगते हैं। एक बार इसे ईमानदारी से समझने का यत्न तो करना ही चाहिए हमें। हमारे यहाँ अध्यात्म का संपूर्ण साहित्य उपलब्ध है,उसे पढ़ें। थोड़ा परिचय ले।

जीवन का समाधान नशे में नहीं, ज्ञान में है। जीवन में जो अंधेरा है, वो ज्ञान की रोशनी से ही दूर हो सकता है। कमरे में अंधेरा हो तो हम रात में दरवाजा भी ढूंढ नहीं पाते, वहीं जब हम रोशनी करते है तो हर चीज हमें साफ-साफ दिखाई देने लगती है। फिर रात का अंधेरा भी बाधक नहीं बनता। इसलिए ज्ञान पथ का पथिक बनिए। जीवन सुगम हो जाएगा और नशे के लिए कोई स्थान नहीं बचेगा। (स्वा. द.)

विज्ञापनों के जरिए उजड़ता स्वास्थ्य-सौंदर्य

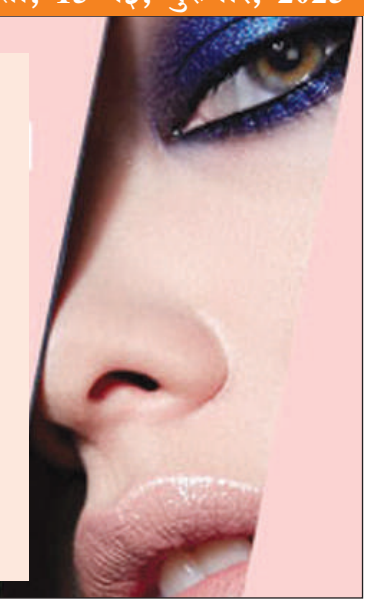

उमेश कुमार साहू

स्वास्थ्य, सौंदर्य और व्यक्तित्व को आकर्षक बनाने के लिए बाजार आजकल विविध उत्पादों से भरे पड़े हैं। आज से 25-30 वर्ष पूर्व जितने प्रकार के श्रृंगार प्रसाधन, साबुन, क्रीम, आदि मिलते थे, उनसे सौ गुना अधिक चीजें इन दिनों बाजार में भरी पड़ी हैं परंतु स्वास्थ्य, सौंदर्य और सुगढ़ता की दृष्टि से औसत स्थिति पिछड़ी ही है।

बीमारियों के लिए नए-नए इलाज खोजे जा रहे हैं पर नई-नई बीमारियां बढ़ती ही जा रही हैं। सुंदरता निखारने के लिए साबुन, तेल, सुंगधित पदार्थ, विटामिन शैंपू आदि तरह-तरह के उत्पाद उपलब्ध हैं लेकिन स्वास्थ्य जिस तरह लड़खड़ाया है, उससे सारे उपाय बाहरी चमक ही दर्शाते हैं। क्षीण होती काया और चुकती जा रही जीवनशक्ति के कारण व्यक्तित्व खोखला ही होता जा रहा है।

सुंदरता के संबंध में कई मानदंड इन दिनों स्थापित हो चले हैं। प्रदर्शनप्रियता के लिए शरीर को जबर्दस्ती छरहरा और दुबला-पतला रखने के लिए तरह-तरह के उपाय किए जा रहे हैं। इन दिनों डाइटिंग से लेकर वजन कम करने के लिए भांति-भांति के रस रसायनों का प्रयोग, कष्टकर व्यायाम और शरीर को कमजोर कर देने वाली नाममात्रा की खुराक का फैशन चल पड़ा है। इस कारण तीस वर्ष की उम्र पार करने के बाद प्रायः युवतियों को सिर चकराने, जल्दी थक जाने और खून की कमी होने, नींद नहीं आने जैसी शिकायतें होने लगती हैं।

शरीर को धर्म साधना का मुख्य आधार कहा गया है। जिन्हें धर्म साधना में कोई रूचि नहीं, उन्हें भी यह तो मानना ही पड़ेगा कि लौकिक उद्देश्यों जैसे यश, वैभव, सफलता और सत्ता पाने के लिए शरीर का स्वस्थ-समर्थ होना जरूरी है, न केवल जरूरी बल्कि अनिवार्य है। किसी भी दृष्टि से कमजोर और रूग्ण शरीर अपने उद्देश्य तक नहीं पहुंचाता। उसकी उपेक्षा नहीं की जानी चाहिए।

वास्तव में बाजार में आने वाले नए-नए साधनों और फार्मूलों का उपयोग करने वाले लोग शरीर की उपेक्षा नहीं करते। वे उपभोक्ता सामग्री बनाने वाली कंपनियों के मकड़जाल में उलझकर रह जाते हैं। स्वास्थ्य, सौंदर्य और प्रभावोत्पादक व्यक्तित्व किन्हीं उत्पादनों या रेडिमेड चीजों से प्राप्त नहीं होता।

इस तथ्य को अपने मन-मस्तिष्क में बिठा लेना चाहिए कि संतुलित आहार-विहार और नैसर्गिक, सहज स्वाभाविक जीवनचर्या ही शरीर को बलिष्ठ, समर्थ और सक्षम रखती है। उसके लिए विज्ञापनों के मायाजाल में फंसना अपना स्वास्थ्य और सौंदर्य नष्ट करना ही है।

जितना हो सके प्रयास करें कि विज्ञापनों में बताए जा रहे उत्पादों के बारे में सही व उचित जानकारी प्राप्त करें। किसी भी उत्पाद को शरीर व चेहरे पर इस्तेमाल करना स्वास्थ्य को गंभीर क्षति पहुंचा सकता है। (उर्वशी)

लू और गर्मी से बचाव के उपाय

नरेंद्र देवांगन

गर्मी शुरू होते ही लू का भी आगमन हो जाता है लेकिन क्या किया जाए, बच्चों को स्कूल जाना है तो बड़ों को भी रोजी-रोटी के लिए घर से बाहर निकलना ही पड़ता है। कभी-कभी तो ऐसा होता है कि घर से बाहर निकलकर इन्हें भयंकर लू का सामना करना पड़ता है। नतीजतन, शाम को घर आते ही बुखार या थकान की बात सुनते ही मुंह से यही निकलता है, लू लग गई होगी।

गर्मी के दिनों में पसीना अधिक निकलता है जिससे शरीर में नमक और जल दोनों की कमी हो जाती है। इसी के साथ वातावरण में जब तापमान शरीर के मुकाबले अधिक बढ़ जाता है तो दिमाग की ताप नियंत्राण की स्वाभाविक क्षमता प्रायः कम होने लगती है। नतीजतन हमारा रक्तचाप कम होने लगता है और इसी प्रक्रिया में लू का भी अंदेशा हो जाता है।

अब जब गर्मी का मौसम आया है तो आपके आहार-विहार में भी बदलाव आना ही है। गर्मी में जहां तक हो सादा भोजन ही करें, जो आसानी से पचे वही खाएं और अधिक से अधिक पेय पदार्थों का सेवन करें। घरेलू ठंडे पेय, नमकीन लस्सी साथ में पुदीना और जीरा के साथ ही पानी का अधिक सेवन करें ताकि शरीर से निकलने वाले पसीने की कमी पूरी होती रहे।

खाने में कच्चा प्याज, सलाद, पुदीने की चटनी और हरी सब्जियों का खूब इस्तेमाल करें। खरबूजा, तरबूज, ककड़ी खूब खाएं। हां, यह जरूर ध्यान रखें कि सड़क पर बेचने वालों से कटे हुए फल आदि कभी न खरीदें क्योंकि इन्हें खाने के बाद संक्रमण हो सकता है।

घर से निकलते समय पानी अवश्य पिएं। पानी में थोड़ी चीनी, ग्लूकोज और नींबू का इस्तेमाल करें क्योंकि पानी कम होने पर व्यक्ति लू की गिरफ्त में आ जाता है और फिर उसे उल्टी-दस्त भी हो सकते हैं। लू की चपेट में आने के बाद शरीर का तापमान 104 डिग्री से 107 तक पहुंच जाता है। अतः पानी का पूरा ध्यान रखें। पानी ज्यादा पीने से शरीर में रक्त के साथ-साथ जल की मात्रा भी पर्याप्त रहती है।

जब कभी भी तेज धूप या गर्मी में चलकर बाहर से घर में आएं तो एकदम से ठंडा पानी न पिएं। थोड़ा रूककर, पसीना सुखाकर धीरे-धीरे नींबू शरबत का शीतल पानी पिएं। गर्मी में कई बार व्यक्ति कूलर या एअरकंडीशन वाले स्थान से फौरन बाहर निकल आते हैं। कभी-कभी इससे भी उसे लू का सामना करना पड़ता है या जब एक के बाद एक छींकें आती हैं तब उसे पता चलता है, ठंडे स्थान से एकदम बाहर निकलने पर उसे जुकाम हो गया। अतः बाहर निकलते समय बीच के तापमान में थोड़ा रूक जाएं।

गर्मी में अपने कपड़ों पर विशेष ध्यान रखें। ज्यादा चुस्त कपड़े न पहनें। हमेशा ढीले और आरामदेह कपड़े ही पहनें। अपना सिर और गर्दन किसी मुलायम कपड़े या स्कार्फ से ढककर रखें ताकि लू का सीधा असर दिमाग को प्रभावित न करे। घर से बाहर निकलते समय धूप का चश्मा अवश्य लगाएं।

वैसे तो गर्मी के दिनों में स्वतः ही मिर्च-मसाला खाने का मन नहीं करता लेकिन अगर आप खाएं भी तो शाम के समय ज्यादा मिर्च-मसाले युक्त तली चीजें न खाएं क्योंकि गर्मी में खाना देर से पचता है और खाना न पचने के कारण पेट दर्द, सिर दर्द आदि की शिकायत भी रहती है। इसीलिए गर्मी में हल्का और जल्दी पचने वाला भोजन ही करें ।

यूं तो गर्मी में लू से बचने के लिए हर आदमी कोई न कोई उपाय करता है फिर भी कई बार लू की चपेट में आ जाता है यानी सब बचाव करने पर भी लू लग ही जाती है। अगर ऐसा हो जाए तो व्यक्ति को तुरंत ठंडे स्थान पर लिटाकर बर्फ के पानी की पट्टियां रखें। हो सके तो गीली चादर उसके ऊपर डाल दें ताकि तेज बुखार से छुटकारा मिल सके। कच्चे आम को उबालकर उसका पतला-पतला पना बनाकर उसमें सूखा पुदीना, हरा धनिया पिसा हुआ, भुना जीरा, नमक डालकर पिलाएं। लू में यह काफी लाभप्रद पाया गया है। इसे नियमित पीने से भी लू नहीं लगती। यदि लू लगे रोगी को दही अच्छा लगता है तो उसको लस्सी बनाकर दें मगर वह नमकीन हो जिसमें पुदीना, काला नमक, भुना जीरा भी डालें। लू की शिकायत खत्म होने के बाद भी रोगी के खान-पान में सावधानी बरतनी चाहिए। कम से कम एक सप्ताह तक हल्का खाना जैसे खिचड़ी, दलिया और साबूदाना ही देना चाहिए।

उक्त बातों का यदि ध्यान रखा जाए तो लू के थपेड़ों से काफी हद तक बचा जा सकता है। हां, हो सके तो गर्मी में कम से कम बाहर निकलने का कार्यक्रम बनाएं। (स्वा. द.)

छोटी सी स्लिप भी है खतरनाक

उषा जैन शीरीं

बुजुर्गों को घर में जिस जगह में सबसे ज्यादा सावधान रहने की जरूरत है, वह है घर का बाथरूम। निस्संदेह रोड एक्सीडेंट्स से भी ज्यादा एक्सीडेंट बाथरूम में ही घटित होते हैं। बुढ़ापे में चोट लगना ज्यादा खतरनाक इसलिए माना जाता है क्योंकि इस समय में लगी चोटें ठीक होनी कठिन हो जाती है, ठीक होने में समय भी ज्यादा लगता है।

बुढ़ापे में गिरने पर हिप फ्रैक्चर, डैमेज्ड रीढ़ की हड्डी या कलाइयों का फ्रैक्चर बहुत कॉमन घटनाएं हैं लेकिन उन बुजुर्गों की मुसीबतें तो और भी ज्यादा हैं जिनकी मांसपेशियां कमजोर हैं और जो लड़खड़ाहट के चलते अपने को बैलेंस नहीं कर पाते, जिनकी नजर और रिफलेक्सेज कमजोर हो गए हों, गलत फूड हैबिट्स के कारण जिनकी हड्डियों में ताकत न हो, उनके लिए मामूली सी चोट भी खतरनाक साबित हो सकती है।

बुजुर्ग लोग गिरने पर ज्यादातर सर पर ही चोट खाते हैं। इस तरह के केवल 30 से 35 प्रतिशत एक्सीडेंट ही रोड एक्सीडेंट होते हैं।

छोटी मोटी चोटें, गिरने फिसलने के हादसे बुजुर्गों की किस्मत बन जाते हैं जो अक्सर घरों के बाथरूम, सीढ़ियों घर में ऊपर नीचे का डिजाइन और कम रोशनी इत्यादि के चलते होते ही रहते हैं।

चिंता की बात यह है कि सीनियर सिटिजंस की माइनर चोटें भी आसानी से ठीक नहीं हो पाती। 60 से ऊपर के व्यक्तियों में डॉक्टर्स के अनुसार हिप फ्रैक्चर और स्पाइन इंजरी के चलते कार्यशीलता की कमी और गहरा तनाव होने से जीवन की आशा में कमी आ जाती है।

बुजुर्ग लोग चोटों और फ्रैक्चर्स से रिकवरी जल्दी नहीं कर पाते। महीनों बिस्तर से बंधे चल फिर नहीं पाते जिससे वे डिप्रेशन में आ जाते हैं। यही नहीं, उनकी अन्य हैल्थ प्रॉब्लम्स जैसे डायबीटिज, इनफैक्शंस भी बढ़ जाते हैं।

अपोलो हास्पिटल में ऑर्थोपेडिक डिपार्टमेंट के कंसलटेंट डा यतींद्र खरबंदा भी कहते हैं कि मल्टीपल फ्रैक्चर्स के पेशेंट्स में जीवन आशा कम हो जाती है।

बावजूद इसके बहुत कम मकानों को सुरक्षा की दृष्टि से डिजाइन किया जाता है। फैशन और दिखावे को ही ज्यादा महत्व देते हुए चिकने फर्श बनवाये जाते हैं फिर चाहे घर के बुजुर्गों के लिये वो कितने ही खतरनाक क्यों न साबित हों। इतनी दूरअंदेशी से देखने का कष्ट ही नहीं किया जाता।

बाथरूम में 'ग्रेब रेल्स' का होना जरूरी है। इसी तरह पानी की निकासी भी सही ढंग से होने का इंतजाम होना चाहिए।

कुछ साधारण डिजाइन रूल्स को फॉलो करके गिरने की दुर्घटनाओं से काफी हद तक बचा जा सकता है जैसे बुजुर्गों के कमरे में प्रकाश की व्यवस्था सही हो, बिजली के स्विच तक पहुंच आसान हो, बिजली के लूज वायर न फैले हों, लो फर्नीचर न हो, सीढ़ियों और बाथरूम में प्रॉपर रेलिंग्स लगी हों।

बुजुर्गों की सेहत का लगातार ध्यान रखना जरूरी है।

आर्थराइटिस, दृष्टिकोण, कम सुनना सेडेटिव्ज और साइकोट्रोपिक ड्रग्स की डोज का लगातार वॉच रखते हुए स्पेशलिस्ट से इलाज कराना जरूरी है।

संतुलित आहार और एक्टिव लाइफस्टाइल उनके लिए फायदेमंद होंगे।

हड्डियों की मजबूती के लिए कैल्शियम और विटामिन डी से भरपूर आहार लेना चाहिए। हमारे शरीर को एक ग्राम कैल्शियम की रोज जरूरत होती है। अक्सर हमारे रोजमर्रा के भोजन से ये प्राप्त नहीं हो पाते, इसलिए न्यूट्रीशियस भोजन, खासकर दूध और दूध से बने उत्पाद और डॉक्टर द्वारा सुझाए गए अन्य सप्लीमेंट्स मददगार होंगे।

बोन हैल्थ पर एक ताजा बोन स्टडी के अनुसार 50 और इससे ऊपर के हर तीन व्यक्तियों में एक को ऑस्टियोपोरोसिस या खतरनाक रूप से हड्डियों में कम ताकत की स्थिति पाई जाती है।

हैल्दी फूड हेबिट्स एक्टिव, लाइफ स्टाइल और रेग्युलर एक्सरसाइज शुरू से रखी जाए तो वो बाद में पे करती हैं।

सावधानियों से जहां मदद मिलती है परिवार के जवान सदस्यों द्वारा की जाने वाली डाइरेक्ट सुपरविजन का कोई मुकाबला ही नहीं। उनकी देखरेख के अंतर्गत ही बुजुर्गों का जीवन सुखी रह सकता है। प्रस्तुत है फॉल और फ्रैक्चर्स से बचने के लिए कुछ टिप्स:-

- सीढ़ियों पर रोशनी और फुल लैंथ हैडरेल्स हों।
- बुजुर्गों के बाथटब के पास स्लिप रजिस्टेंट रग बिछा हो।
- बाथटब के चारों तरफ पकड़ने के लिए ग्रेब बार्स हों।
- बाथरूम में सामान की भीड़ न हो।
- बिजली के टेलीफोन के वायर रास्ते में न हों।
- उनकी डायट हैल्दी हो, खासकर दूध या दूध से बनी चीजें जरूर लें।
- जरूरत पड़ने पर उन्हें छड़ी या वॉकर की मदद से चलने को प्रेरित करें।
- उनकी आंखों का टैस्ट करायें। धुंधली दृष्टि होने पर एक्सीडेंट्स हो सकते हैं।
- बोन लॉस से बचने के लिए उन्हें रैग्युलर एक्सरसाइज के लिये प्रेरित करें। घूमना बढ़िया एक्सरसाइज है।
- उन्हें कुछ देर सूर्य की रोशनी लेने दें।
- उनकी मेडिकल प्रॉब्लम्स के लिए डॉक्टर्स से कंसल्ट करें। (स्वा. द.)

नाक से खून आने पर

नीतू गुप्ता

कई बच्चों और युवाओं को यह समस्या रहती है कि उनके नाक से अपने आप खून निकलने लगता है जिसे आम भाषा में नकसीर फूटना कहा जाता है। अधिक खून निकलने पर डाक्टर से सलाह लेना न भूलें।

धीरे से नर्म हाथों से नाक को साफ करें जिससे नाक में रूका हुआ खून का धक्का बाहर निकल आए नहीं तो आस पास नाक का रेशा जमने से सांस लेने में कठिनाई होगी। नाक में खुजली महसूस होती रहेगी। जमा हुआ खून नाक से छिद्र पर बाढ़ का काम करेगा।

रूई को साफ (स्टरलाइज) किए पानी में भिगो कर आस पास लगे हुए खून को साफ करें। यदि घर पर सफेद सिरका उपलब्ध हो तो उसमें रूई भिगो कर भी साफ कर सकते हैं।

नाक से जब खून आ रहा हो तो रोगी को बिस्तर पर न लिटाएं, न ही उसका सिर पीछे टिकाएं जिससे खून बाहर आने के स्थान अंदर की तरफ गले से जाना शुरू हो जाएगा। सीधा बैठें। नाक के ऊपर और आस पास बर्फ के टुकड़े को रूमाल में रखकर धीरे-धीरे घुमाएं। बर्फ से खून रूकने में मदद मिलती है।

नाक को बार-बार सिकोड़ें नहीं, न ही नाक को जोर लगा कर साफ करें क्योंकि जख्म अभी पूरा भरा नहीं होता। खून तो रूक जाता है परन्तु जख्म भरने में 7 से 10 दिन तक लग सकते हैं। जोर लगाने पर दुबारा खून का स्राव शुरू हो सकता है। जिन रोगियों के नाक से बार-बार खून आता है, उनको लौह तत्व (ऑयरन) की मात्रा अपनी खुराक में बढ़ा लेनी चाहिए जिससे शरीर में खून की कमी न होने पाए। कितना आयरन लेना आवश्यक है, इसकी सलाह डाक्टर से लेकर शुरू करें।

एस्प्रिन का प्रयोग कम से कम करें। एस्प्रिन खूनी थक्कों के लिए उचित नहीं है। अपने खाने में चाय, कॉफी, बादाम, किशमिश, अचार, लौंग, पुदीना का प्रयोग भी कम कर दें।

विटामिन सी उचित मात्रा में लें। इस बात का ध्यान रखें कि हवा में आर्द्रता काफी मात्रा में है। खुश्क हवा होने पर सांस लेने में काफी मुश्किल होती है। चारों तरफ के वातावरण का पूरा ध्यान रखें। (स्वा. द.)

नाईट शिफ्ट, बीमारी गिफ्ट, कैसे बचें

सीतेश कुमार द्विवेदी

प्रकृति ने मानव शरीर की रचना कुछ इस तरह से तैयार की है कि वह हर वक्त और मुसीबत के समय खुद को स्थिति के हिसाब से ढाल सकता है, लेकिन इसके लिए यह भी जरूरी है कि जिस नई स्थिति में शरीर खुद को ढाल रहा हो, उसमें उसे आराम भी मिले। नाइट शिफ्ट में काम करने वाले अधिकांश लोग इसी बात में चूक जाते हैं जिसका खामियाजा उन्हें अपनी सेहत को परेशानी में डाल कर चुकता करना पड़ता है।

मानव शरीर की कार्यप्रणाली लगभग एक तरह से मशीन के जैसी होती है। इस मशीन का हर पुर्जा प्रकृति ने एक तयशुदा प्लानिंग के हिसाब फिट किया है और हर पुर्जे का अपना महत्व, कार्य और काम करने का निश्चित तरीका है।

हमारा शरीर दिन में काम करने और रात में सोने के हिसाब से बना होता है। यही प्रक्रिया बाडी क्लाक कहलाती है। भूख, प्यास, नींद तथा अन्य दैनिक क्रियाएं इसी तरह से संचालित होती हैं और इसे लय में बनाए रखने के लिए हमें नियमित रूटीन, पौष्टिक खान-पान तथा व्यायाम को अपनाने की जरूरत होती है।

अब ऐसे में जब रात को देर तक काम करने या नाइट शिफ्ट करने का समय आता है तो शरीर को अपनी कार्यप्रणाली को एकदम से पूरी तरह बदलने की नौबत आ जाती है। यह बदलाव केवल नींद तक सीमित नहीं होता बल्कि भूख, प्यास से लेकर पूरी शरीर के हर कल-पुर्जे पर लागू होता है और ध्यान न दिए जाने पर इससे कई सारी समस्याएं खड़ी हो सकती हैं।

नाइट शिफ्ट में काम करने वालों को अक्सर यह आभास होता है कि वो कुछ ही दिनों में नए रूटीन में खुद को ढाल लेंगे और इससे उनके शरीर को कोई खास फर्क नहीं पड़ेगा जबकि होता यह है कि यदि बिना तैयारी और सही तरीके से कोई भी बार-बार अपना रूटीन बदलता है तो उसके कारण शरीर की प्राकृतिक घड़ी को एकदम से झटका लगता है। धीरे-धीरे शरीर पर इसका नकारात्मक असर पड़ता है।

यदि शरीर की इस पुकार को भी अनसुना कर दिया जाए तो कमरदर्द, जोड़ों के दर्द, पेट की समस्याएं, चिड़चिड़ापन, गुस्सा, अनिद्रा से लेकर हृदय रोग, डायबिटीज, उच्च रक्तचाप आदि के साथ ही डिप्रेशन व तनाव जैसी स्थितियां भी पनप सकती हैं।

सबसे पहले अपनी नींद पर फोकस करें। यदि रात की शिफ्ट में काम करना है तो नींद का कोटा दिन में पूरा करें और शरीर को पावर नैप के लिए भी तैयार करें। इससे जब भी मौका मिलेगा, आप आधे घंटे की झपकी में भी तरोताजा हो सकेंगे। किसी भी हालत में नींद से समझौता न करें। औसतन एक इंसान को 7-8 घंटे की नींद चाहिए होती है। बस इसी हिसाब से अपना रूटीन तय करें।

रात की शिफ्ट में काम करने वालों को अपना डिनर टाइम जल्दी का रखना चाहिए। हो सके तो शाम 6.30 से 7.30 का समय डिनर का रखें। यदि आप सुबह देर से भी उठते हैं तो भी ब्रेकफास्ट का समय जरूर रखें और इसमें फल, सीरियल्स, दलिया, दूध, अंडे, ओट्स जैसी चीजें शामिल करें। पराठा-पूरी खाने की आदत हो तो कम तेल या घी का उपयोग करें और दो पतले पराठे या चार पूरी से ज्यादा एक बार में न खाएं। यदि आप ब्रेकफास्ट में भी चपाती-सब्जी खाते हैं तो इसे भी दो चपाती पर ही कायम रखें।

ब्रेकफास्ट के बाद लंच कम से कम चार घंटे बाद करें। यदि आप चार घंटे और ब्रेकफास्ट-लंच-डिनर को भी निभा नहीं सकते तो अपने भोजन को टुकड़ों में और अंतराल को दो-दो घंटे में बांट लें और देर रात को भोजन अवाइड करें, विशेष तौर पर गरिष्ठ भोजन। बेवजह तली-गली चीजें या बिस्किट आदि खाते रहने से भी बचें। भरपूर पानी पिएं। आप चाहें तो अपनी शिफ्ट के लिहाज से किसी डाइटीशियन से भी भोजन कैसे करना है, इसकी सलाह ले सकते हैं।

व्यायाम को अपने जीवन का अंग बनाएं। चाहे दफ्तर में हों या घर में, कम से कम आधा घंटे व्यायाम जरूर करें। अगर आपकी नाइट शिफ्ट पूरे समय बैठे रहकर काम करने की है तो एक निश्चित समय पर अपनी जगह से उठकर थोड़ा चलें जरूर। यदि आप कंप्यूटर पर लम्बे समय तक काम करते हैं तो आंखों, गर्दन और हाथों के व्यायाम के साथ ही मानीटर को सही तरीके से सेट करने और पलकों को समय-समय पर झपकाने के बारे में भी ध्यान रखें।

आज के इस आधुनिक दौर में हर कोई तेजी से तरक्की करना चाहता है भले ही उसके लिए उसे दिन-रात कितनी भी मेहनत क्यों न करनी पड़े। एक समय ऐसा भी था जब लोग सिर्फ दिन में ही दफ्तर का काम किया करते थे लेकिन बदलते वक्त के साथ लोगों की जरूरतें भी बढ़ती गई और इसके साथ ही कम समय में ज्यादा पैसा कमाने का लालच भी बढ़ने लगा।

आजकल ज्यादातर कंपनियों में रात-दिन काम होता है। ऐसे में उन कंपनियों में काम करनेवाले कर्मचारियों को दिन और रात की शिफ्ट में काम करना पड़ता है लेकिन नाइट शिफ्ट में काम करनेवाले लोग अक्सर अवसाद, मोटापा, एसिडिटी और थकान जैसी समस्या से परेशान रहते हैं। ऐसे में नाइट शिफ्ट में काम करने वालों को खास डायट प्लान फालो करना चाहिए ताकि वो खुद को फिट और हेल्दी रख सकें।

- अगर आप नाइट शिफ्ट में काम करते हैं तो आपको रात में भारी खाना खाने से बचना चाहिए। आपको रात के समय नानवेज, जंक फूड, कोल्ड ड्रिंक और ज्यादा चाय पीने से परहेज करना चाहिए।
- रात के वक्त ज्यादा से ज्यादा सलाद का सेवन करना चाहिए क्योंकि इससे पेट तो भरता ही है साथ ही गैस और एसिडिटी की समस्या नहीं होती है और शरीर का वजन भी नियंत्रित रहता है।
- नाइट शिफ्ट में काम के दौरान दही या छाछ का सेवन करना चाहिए क्योंकि इसमें मौजूद गुड़ बैक्टीरिया पेट की समस्या से बचाते हैं और शरीर को हाइड्रेट रखने में मदद करते हैं।
- भुने हुए चने खाने से एसिडिटी की समस्या नहीं होती है। इससे ज्यादा देर तक पेट भी भरा रहता है और शरीर का वजन भी नहीं बढ़ता है।
- दलिये को ठंडे दूध में मिलाकर खाने से नाइट शिफ्ट में काम के दौरान बार-बार भूख नहीं लगती है, साथ ही इससे एनर्जी भी मिलती है।
- आप चाहें तो रात के वक्त काम करने के दौरान नींबू पानी भी पी सकते हैं। इससे हमारे शरीर को एनर्जी और ताजगी मिलती है। यह शरीर में पानी की कमी नहीं होने देता है।
- नाइट शिफ्ट में काम करनेवालों की सेहत के लिए ताजा और बगैर चीनी का जूस या शेक काफी फायदेमंद रहता है। इसकी वजह से शरीर को एनर्जी और फ्रेशनेस मिलती है।
- ब्लैक काफी न सिर्फ रात में काम करने के दौरान नींद को दूर रखने में मदद करती है बल्कि इससे शरीर में सुस्ती और थकान भी नहीं आती लेकिन आपको एक या दो कप से ज्यादा ब्लैक काफी का सेवन नहीं करना चाहिए।
- अपनी डायट का ख्याल रखकर आप नाइट शिफ्ट में काम करने के बावजूद भी खुद को स्वस्थ और बीमारियों से मुक्त रख सकते हैं। (स्वा. द.)

छत्तीसगढ़ में 21 दिन चले नक्सल विरोधी अभियान में 31 नक्सली मारे गए, 18 जवान भी घायल

बीजापुर : छत्तीसगढ़ के बीजापुर और पड़ोसी राज्य तेलंगाना की सीमा पर स्थित करेगुट्टालू की पहाड़ी में 21 दिन चले अब तक के सबसे बड़े नक्सल विरोधी अभियान में सुरक्षा बलों ने 31 नक्सलियों को मार गिराया तथा बड़ी संख्या में हथियार और विस्फोटक बरामद किया है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि इस अभियान के दौरान बारूदी सुरंग विस्फोट की घटनाओं में सुरक्षाबलों के 18 जवान घायल हुए हैं। धुर नक्सल प्रभावित क्षेत्र करेगुट्टालू पहाड़ी पर चले अभियान की सफलता के बाद आज बीजापुर जिला मुख्यालय में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के महानिदेशक जीपी सिंह और छत्तीसगढ़ पुलिस के महानिदेशक अरूण देव गौतम ने अभियान के संबंध में जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि माओवादियों के सबसे मजबूत सशस्त्र संगठन पीएलजीए बटालियन, सीआरसी कंपनी और तेलंगाना स्टेट कमेटी सहित अनेक शीर्ष माओवादियों की शरणस्थली सुकमा और बीजापुर जिले के सीमावर्ती क्षेत्रों में थी। उनके मुताबिक, इन क्षेत्रों में सुरक्षाबलों द्वारा अनेक नए सुरक्षा शिविरों की स्थापना की गई है तथा इन क्षेत्रों में नक्सल विरोधी अभियान संचालित किए जा रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षाबलों का वर्चस्व बढ़ने के कारण नक्सलियों ने यूनिफाईड कमांड का गठन किया और उन्होंने वहां से पलायन कर छत्तीसगढ़ के बीजापुर और तेलंगाना के मुलुगू जिले की सीमा पर अभेद्य समझे जाने वाले करेगुट्टालू पहाड़ी पर शरण ली थी।

नक्सलवाद को 31 मार्च 2026 तक खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध: सीआरपीएफ महानिदेशक

केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के महानिदेशक जी पी सिंह ने बुधवार को कहा कि सुरक्षा बल 31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद को खत्म करने के लिए ''निरंतर एवं कठोर'' अभियान चला रहे हैं। सिंह ने कहा कि 2014 में शुरू हुआ नक्सल विरोधी अभियान 2019 से और तेज तथा अधिक केंद्रित हो गया है, जिसमें केंद्रीय अर्द्धसैन्य बल नक्सलवाद को खत्म करने की प्रतिबद्धता के साथ राज्य पुलिस के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम कर रहे हैं।

सरकार नक्सल प्रभावित क्षेत्र में शांति स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध: मोदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि छत्तीसगढ़-तेलंगाना सीमा पर 31 नक्सलियों की मौत इस बात को रेखांकित करती है कि वामपंथी उग्रवाद को जड़ से उखाड़ने का सरकार का अभियान सही दिशा में आगे बढ़ रहा है। सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में मोदी ने कहा, सुरक्षा बलों की यह सफलता बताती है कि नक्सलवाद को जड़ से समाप्त करने की दिशा में हमारा अभियान सही दिशा में आगे बढ़ रहा है। नक्सलवाद से प्रभावित क्षेत्रों में शांति की स्थापना के साथ उन्हें विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए हम पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं।

मुख्यमंत्री धामी के नेतृत्व में निकाली गयी 'तिरंगा शौर्य सम्मान यात्रा'

देहरादून : उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पहलगाम आतंकी घटना में निर्दोष पर्यटकों की हत्या का बदला लेने के लिए चलाए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' की शानदार सफलता का जश्न मनाने के लिए बुधवार को यहां निकाली गयी 'तिरंगा शौर्य सम्मान यात्रा' का नेतृत्व किया और कहा कि भारतीय सशस्त्र बलों की वीरता ने दो दिनों के भीतर पाकिस्तान को घुटनों पर ला दिया। शौर्य स्थल चीड़बाग से गांधी पार्क तक निकाली गयी यात्रा के अंत में धामी ने कहा, यह पहलगाम में हुए क्रूर आतंकी हमले का करारा जवाब है जिसमें 26 निर्दोष पर्यटकों को उनका धर्म पूछकर मार डाला गया। 'ऑपरेशन सिंदूर' को भारतीय सैन्य बलों का असाधारण कार्य बताते हुए धामी ने कहा कि इससे आतंकवादियों को स्पष्ट संदेश गया है कि यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाला नया भारत है जो उनका उनकी ही जमीन पर सफाया कर सकता है।

मुझे खुशी है कि हमारी सेना ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान कसाब के प्रशिक्षण केंद्र को नष्ट किया: फडणवीस

मुंबई : महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने बुधवार को कहा कि उन्हें तब बहुत संतुष्टि तब मिली जब उन्हें पता चला कि भारतीय सशस्त्र बलों ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान उस आतंकी अड्डे को नष्ट कर दिया है जहां 26/11 के हमलावर अजमल कसाब ने प्रशिक्षण प्राप्त किया था। इस अभियान की सफलता को चिह्नित करने के लिए मुंबई में 'तिरंगा यात्रा' के दौरान फडणवीस ने कहा कि सैन्य हमलों के जरिये दुनिया को एक मजबूत संदेश दिया गया है कि भारत झुकेगा नहीं या न्याय की खोज में रुकेगा नहीं। उन्होंने कहा, ''हम थकेंगे नहीं। इस अभियान ने हमारी ताकत और संकल्प को दर्शाया है।'' वह हाल में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद की गई दृढ़ प्रतिक्रिया का जिक्र कर रहे थे। केंद्रीय मंत्रियों अमित शाह, राजनाथ सिंह और जे पी नड्डा (जो पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष भी हैं) समेत भाजपा के वरिष्ठ नेताओं द्वारा रविवार को इस मुद्दे पर विचार-विमर्श के बाद 11 दिवसीय राष्ट्रव्यापी 'तिरंगा यात्रा' शुरू की गई।

न्यूज इन ब्रीफ

जम्मू-कश्मीर के कठुआ में संदिग्ध गतिविधि की सूचना मिलने के बाद तलाशी अभियान शुरू किया गया

जम्मू : जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में एक महिला द्वारा अपने गांव में दो व्यक्तियों की संदिग्ध गतिविधि की सूचना दिये जाने के बाद सुरक्षा बलों ने बुधवार को तलाशी अभियान शुरू किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पुलिस और अर्धसैनिक बलों द्वारा गघवाल और उसके आसपास के इलाकों में संयुक्त तलाशी अभियान जारी है। अधिकारियों ने बताया कि यह कदम तब उठाया गया जब एक स्थानीय महिला ने पुलिस को बताया कि सेना की वर्दी पहने दो व्यक्ति उसके घर आए और पानी मांगा और इसके बाद चले गए। उन्होंने कहा कि वे अपने ''शिविर'' में लौट रहे थे।

गुजरात के कच्छ में 3.4 तीव्रता का भूकंप, किसी नुकसान की सूचना नहीं

अहमदाबाद : गुजरात के कच्छ जिले में बुधवार शाम को 3.4 तीव्रता का भूकंप आया। यह जानकारी भूकंपीय अनुसंधान संस्थान (आईएसआर) ने दी। एक जिला आपदा प्रतिक्रिया अधिकारी ने कहा कि इसके कारण किसी के हताहत होने या संपत्ति को नुकसान होने की कोई सूचना नहीं है। गांधीनगर स्थित आईएसआर ने में कहा कि 3.4 तीव्रता का भूकंप शाम 6.55 बजे दर्ज किया गया और इसका केंद्र जिले के भचाऊ से 12 किलोमीटर उत्तर-उत्तरपूर्व में था। जिले के अधिकारियों ने कहा कि जान-माल के किसी नुकसान की सूचना नहीं है। कच्छ जिला बहुत उच्च जोखिम वाले भूकंपीय क्षेत्र में स्थित है और वहां अक्सर कम तीव्रता के भूकंप आते रहते हैं। जिले में 2001 के भूकंप में भारी तबाही हुई थी, जिसमें लगभग 13,800 लोग मारे गए थे और 1.67 लाख लोग घायल हो गए थे।

'भूमि के बदले नौकरी' से जुड़े धनशोधन मामले में लालू प्रसाद पर मुकदमा चलाने की अनुमति मिली:ईडी

नयी दिल्ली : प्रवर्तन निदेशालय ने बुधवार को दिल्ली की एक अदालत को सूचित किया कि उसे कथित ''भूमि के बदले नौकरी घोटाला'' से जुड़े धनशोधन मामले में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद यादव के खिलाफ मुकदमा चलाने की आवश्यक मंजूरी मिल गई है। यह 'घोटाला' उस समय हुआ था जब लालू प्रसाद केंद्रीय रेल मंत्री थे। ईडी ने अदालत को बताया कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने आठ मई को धन शोधन मामले में लालू प्रसाद पर मुकदमा चलाने की मंजूरी दे दी थी। एजेंसी के मुताबिक राष्ट्रपति मुर्मू ने दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 197(1) (भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 218) के तहत अनिवार्य अनुमति दे दी। ईडी द्वारा अभियोजन की मंजूरी मिलने संबंधी जानकारी दिये जाने के बाद बुधवार को विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने ने मामले की सुनवाई के लिए 23 मई की तारीख तय की। न्यायाधीश ने कहा, ''ईडी ने लालू प्रसाद यादव के खिलाफ अभियोजन के लिए गृह मंत्रालय, भारत सरकार से प्राप्त मंजूरी को रिकॉर्ड में लाने के लिए एक आवेदन दायर किया है। इसे 23 मई, 2025 को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया गया है।''

थरूर ने लक्ष्मण रेखा लांघ दी है: कांग्रेस सूत्र

नयी दिल्ली : कांग्रेस सूत्रों ने बुधवार को कहा कि पार्टी में सबको अपनी राय रखने की आजादी है, लेकिन लोकसभा सदस्य शशि थरूर ने भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव से जुड़े मुद्दे पर अपने हालिया बयानों से ''लक्ष्मण रेखा'' लांघ दी है। फिलहाल इस संबंध में थरूर की कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली है। सूत्रों ने यह भी कहा कि आलाकमान ने नेताओं को हिदायत दी है कि वे इस मुद्दे पर अपनी व्यक्तिगत राय व्यक्त करने के बजाय पार्टी का पक्ष रखें। कांग्रेस कार्य समिति की बैठक में एक वरिष्ठ नेता ने थरूर का नाम लिए बगैर पार्टी लाइन से इतर बयान दिए जाने का विषय उठाया और कहा कि नेतृत्व को इसमें दखल देना चाहिए। खुद थरूर बैठक में मौजूद थे। कार्य समिति की बैठक के बाद सूत्रों ने बताया, ''कांग्रेस एक लोकतांत्रिक पार्टी है और सभी को अपनी राय जाहिर करने की आजादी है, लेकिन थरूर ने इस बार लक्ष्मण रेखा लांघ दी है।'' उनका कहना है, ''आलाकमान की तरफ से हिदायत दी गई कि यह समय व्यक्तिगत राय व्यक्त करने का नहीं, (बल्कि) पार्टी की राय रखने का है। हालांकि यह हिदायत देते वक्त किसी का नाम नहीं लिया गया।'' सूत्रों ने यह भी बताया कि थरूर ने कार्य समिति की बैठक में पार्टी लाइन के मुताबिक अपनी बात रखी और कुछ ''रचनात्मक सुझाव'' भी दिए।

सीडीएस और तीनों सेना प्रमुखों ने राष्ट्रपति को दी ऑपरेशन सिंदूर की जानकारी, द्रौपदी मुर्मू ने सशस्त्र बलों की बहादुरी को सराहा

न्यायमूर्ति बी आर गवई ने भारत के 52वें प्रधान न्यायाधीश के रूप में शपथ ली

नयी दिल्ली : न्यायमूर्ति भूषण रामकृष्ण गवई ने बुधवार को देश के 52वें प्रधान न्यायाधीश के तौर पर शपथ ली। वह अनुच्छेद 370 समाप्त करने के केंद्र के फैसले को बरकरार रखने समेत कई अहम फैसले देने वाली पीठों में शामिल रहे हैं। न्यायमूर्ति गवई (64) को राष्ट्रपति भवन के गणतंत्र मंडप में एक संक्षिप्त समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शपथ दिलाई। उन्होंने हिंदी में शपथ ली। उन्होंने न्यायमूर्ति संजीव खन्ना की जगह ली है, जो 65 वर्ष की आयु होने पर मंगलवार को सेवानिवृत्त हुए। न्यायमूर्ति गवई को 24 मई, 2019 को उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत किया गया था। उनका कार्यकाल छह महीने से अधिक समय का होगा और वह 23 नवंबर तक पद पर रहेंगे। शपथ लेने के तुरंत बाद न्यायमूर्ति गवई ने अपनी मां कमल ताई गवई के पैर छूकर उनका आशीर्वाद लिया। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय मंत्रियों और पूर्व न्यायाधीशों ने उन्हें बधाई दी। प्रधानमंत्री मोदी ने बाद में अपने सोशल मीडिया हैंडल पर शपथ ग्रहण समारोह की तस्वीरें जारी कीं। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, ''उनके कार्यकाल के लिए बहुत शुभकामनाएं देता हूं।''

ओडिशा: पाकिस्तानी चालक दल के 21 सदस्यों के साथ पारादीप बंदरगाह पहुंचा जहाज, सुरक्षा बढ़ाई गई

पारादीप : पाकिस्तानी चालक दल के 21 सदस्यों के साथ एक जहाज के बंदरगाह शहर पारादीप में पहुंचने के बाद ओडिशा पुलिस ने बुधवार को सुरक्षा बढ़ा दी। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि चालक दल के कुल 25 सदस्यों के साथ 'एमटी साइरन-2' जहाज 'इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड' के लिए कच्चा तेल लेकर दक्षिण कोरिया से सिंगापुर होते हुए बुधवार को सुबह पारादीप बंदरगाह पहुंचा। अधिकारियों ने बताया कि चालक दल के बाकी सदस्यों में भारतीय और थाई नागरिक शामिल हैं। मरीन थाने की प्रभारी निरीक्षक बबीता देहुरी ने बताया कि आव्रजन विभाग से चालक दल के सदस्यों के बारे में सूचना मिलने के बाद ओडिशा की समुद्री पुलिस और केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। भारत और पाकिस्तान के बीच हुए सैन्य संघर्ष के मद्देनजर पारादीप बंदरगाह को 'हाई अलर्ट' पर रखा गया था।

मुंबई: मकान से छह करोड़ रुपये से अधिक मूल्य का मादक पदार्थ जब्त, व्यक्ति गिरफ्तार

मुंबई : मुंबई के गोवंडी इलाके में पुलिस ने एक घर से छह करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के विभिन्न मादक पदार्थ जब्त किये हैं और यहां रह रहे व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि यह जब्ती मंगलवार रात को की गई, जिसके बाद सलमान शेख नामक 23 वर्षीय आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। शिवाजी नगर पुलिस थाने के अधिकारी ने बताया, ''एक गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने शेख के घर पर छापा मारा। छापेमारी के दौरान छह करोड़ रुपये मूल्य की तीन किलोग्राम मेफेड्रोन या एमडी ड्रग, 2.40 लाख रुपये मूल्य का 12 किलोग्राम गांजा, 18,000 रुपये मूल्य की कोडीन फॉस्फेट (कोरेक्स) की 36 बोतल और 1.30 लाख रुपये नकद बरामद किए गए।''

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर केंद्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन में विशेष आयोजन

प्रयागराज : ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के उपलक्ष्य में बुधवार को केंद्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन (कोर) के प्रांगण में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव द्वारा ध्वजारोहण से हुई। इसके पश्चात उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि यह अभियान भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा 7 मई को पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में स्थित आतंकी ठिकानों पर किया गया था। उन्होंने बताया कि यह कार्रवाई अप्रैल में पहलगाम में हुए आतंकी हमले की कड़ी प्रतिक्रिया थी, जिसमें कई निर्दोष नागरिकों की जान गई थी। ऑपरेशन के तहत 9 आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया गया और एक स्पष्ट संदेश दिया गया कि भारत अपनी संप्रभुता और नागरिकों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं करेगा। महाप्रबंधक ने बलों के साहस को नमन करते हुए कहा कि राष्ट्र की सुरक्षा सिर्फ सेना की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हर नागरिक और संगठन की भी है। उन्होंने रेलवे विद्युतीकरण को देश की सुरक्षा और विकास का आधार बताया।कार्यक्रम में मुख्य बिजली इंजीनियर संजय सिंह नेगी, उपेंद्र कुमार, प्रमुख मुख्य सिगनल व दूरसंचार इंजीनियर आर. एन. सिंह सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे।

यदि महिलाएं राफेल उड़ा सकती हैं तो सेना की कानूनी शाखा में उनकी संख्या सीमित क्यों: न्यायालय

नयी दिल्ली : उच्चतम न्यायालय ने सेना की 'जज एडवोकेट जनरल' (जेएजी-विधि) शाखा में 50-50 चयन मानदंड पर सवाल उठाते हुए केंद्र से पूछा कि यदि भारतीय वायुसेना में कोई महिला राफेल लड़ाकू विमान उड़ा सकती है तो सेना की जेएजी शाखा के लैंगिक रूप से तटस्थ पदों पर कम महिला अधिकारी क्यों हैं? न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति मनमोहन की पीठ ने आठ मई को दो अधिकारियों अर्शनूर कौर और आस्था त्यागी की याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। याचिकाकर्ताओं ने अपने कई समकक्षों की तुलना में बेहतर प्रदर्शन कर क्रमश: चौथा और पांचवां स्थान प्राप्त किया था लेकिन महिलाओं के लिए कम रिक्तियां निर्धारित होने के कारण जेएजी विभाग के लिए उनका चयन नहीं किया गया। अधिकारियों ने पुरुषों और महिलाओं के लिए ''असंगत'' रिक्तियों को चुनौती देते हुए कहा था कि उनका चयन नहीं किया जा सका क्योंकि कुल छह पदों में से महिलाओं के लिए केवल तीन रिक्तियां थीं। पीठ ने अपना फैसला सुरक्षित रखते हुए कहा, ''हम याचिकाकर्ता अर्शनूर कौर द्वारा प्रस्तुत मामले से प्रथम दृष्टया संतुष्ट हैं।'' शीर्ष अदालत ने कहा, ''हम प्रतिवादियों को निर्देश देते हैं कि 'जज एडवोकेट जनरल' (जेएजी) के रूप में नियुक्ति के लिए अगले उपलब्ध प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में उन्हें शामिल करने के उद्देश्य से जो भी कार्रवाई आवश्यक है, उसे शुरू किया जाए।''

कर्नल कुरैशी पर विवादित टिप्पणी: मप्र उच्च न्यायालय का मंत्री के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने का आदेश

जबलपुर : मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय ने सेना की अधिकारी कर्नल सोफिया कुरैशी को निशाना बनाकर की गई विवादास्पद टिप्पणी के लिए राज्य के मंत्री विजय शाह के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने का बुधवार को आदेश दिया। कर्नल कुरैशी ने भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा शुरू किए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' का विवरण नियमित पत्रकार वार्ताओं में साझा किया था जिसमें विदेश सचिव विक्रम मिस्री और विंग कमांडर व्योमिका सिंह भी शामिल होते थे। मप्र सरकार में जनजाति कार्य मंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता विजय शाह ने कर्नल कुरैशी पर आपत्तिजनक टिप्पणी की जिसने एक बड़ा विवाद खड़ा कर दिया। उन्होंने कर्नल कुरैशी को आतंकवादियों की बहन के रूप में पेश करने की कोशिश की थी। विवादास्पद बयान पर स्वतः संज्ञान लेते हुए, उच्च न्यायालय की न्यायमूर्ति अतुल श्रीधरन और न्यायमूर्ति अनुराधा शुक्ला की खंडपीठ ने पुलिस को मंत्री के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने का आदेश दिया। अदालत ने पुलिस विभाग को बुधवार शाम छह बजे तक प्राथमिकी दर्ज करने का निर्देश दिया। खंडपीठ ने कहा कि प्राथमिकी दर्ज होने के बारे में अदालत को सूचित किया जाए। इस मामले की अगली सुनवाई बृहस्पतिवार सुबह 10.30 बजे निर्धारित की गई है। विस्तृत आदेश का इंतजार है। शाह की टिप्पणी की व्यापक निंदा हुई और कांग्रेस ने उन्हें मध्यप्रदेश मंत्रिमंडल से तत्काल बर्खास्त करने की मांग की है। कड़ी आलोचनाओं के बीच शाह ने कहा कि अगर किसी को उनके बयान से ठेस पहुंची है तो वह 10 बार माफी मांगने को तैयार हैं।

प्रतीत होता है कि पाकिस्तानी ठिकानों को निशाना बनाने में भारत को 'बढ़त' हासिल थी : न्यूयॉर्क टाइम्स

न्ययॉर्क : अमेरिका के अंग्रेजी अखबार न्यूयॉर्क टाइम्स ने अपनी एक खबर में उपग्रहों से प्राप्त तस्वीरों के हवाले से कहा है कि ऐसा प्रतीत होता है कि चार दिनों तक चले हालिया सैन्य संघर्ष के दौरान पाकिस्तानी सैन्य ठिकानों और हवाई अड्डों को निशाना बनाने में भारत को 'स्पष्ट बढ़त' हासिल थी। खबर के अनुसार, हमलों से पहले और बाद की उपग्रह से प्राप्त 'हाई-रिजॉल्यूशन' की तस्वीरों में भारतीय हमलों से पाकिस्तान के सैन्य ठिकानों को 'स्पष्ट नुकसान' दिखाई देता है। खबर में कहा गया है, ''भारत और पाकिस्तान के बीच चार दिनों तक चला सैन्य संघर्ष दो परमाणु संपन्न देशों के बीच आधी सदी में सबसे व्यापक लड़ाई थी। चूंकि दोनों पक्षों ने एक-दूसरे की हवाई सुरक्षा का परीक्षण करने और सैन्य ठिकानों पर हमला करने के लिए ड्रोन और मिसाइलों का इस्तेमाल किया, इसलिए उन्होंने गंभीर नुकसान पहुंचाने का भी दावा किया।'' इसमें कहा गया है कि उपग्रह से प्राप्त तस्वीरों से संकेत मिलता है कि हमले व्यापक थे, लेकिन नुकसान दावे के मुकाबले कहीं ज्यादा सीमित था। खबर में कहा गया है, ''ऐसा लगता है कि ज्यादातर नुकसान भारत ने पाकिस्तानी सैन्य ठिकानों को पहुंचाया।'' इसमें कहा गया है कि हाई-टेक युद्ध के नए युग में, तस्वीर द्वारा सत्यापित दोनों पक्षों द्वारा किए गए हमले सटीक रूप से लक्षित प्रतीत होते हैं। खबर में कहा गया है, ''भारत को पाकिस्तान के सैन्य ठिकानों और हवाई क्षेत्रों को निशाना बनाने में स्पष्ट बढ़त मिली है, क्योंकि लड़ाई का दूसरा चरण प्रतीकात्मक हमलों और बल के प्रदर्शन से एक-दूसरे की रक्षा क्षमताओं पर हमलों में बदल गया।'' भारत के रक्षा अधिकारियों ने कहा कि उन्होंने पाकिस्तान के बंदरगाह शहर कराची से 100 मील से भी कम दूरी पर स्थित भोलारी एयर बेस पर एक विमान हैंगर पर सटीक हमला किया है। खबर में कहा गया है, ''दृश्यों में हैंगर जैसी दिखने वाली चीज को स्पष्ट नुकसान दिखाई दे रहा है।'' इसके अलावा नूर खान एयर बेस ''शायद सबसे संवेदनशील सैन्य लक्ष्य था जिस पर भारत ने हमला किया।'' नूर खान एयर बेस पाकिस्तानी सेना के मुख्यालय और देश के प्रधानमंत्री के कार्यालय से लगभग 15 मील की दूरी पर है और पाकिस्तान के परमाणु शस्त्रागार की देखरेख और सुरक्षा करने वाली इकाई से भी यह थोड़ी ही दूरी पर स्थित है। भारतीय सेना ने कहा कि उसने विशेष रूप से पाकिस्तान के कुछ प्रमुख हवाई अड्डों पर रनवे और अन्य सुविधाओं को निशाना बनाया था और इस रिपोर्ट में भी कहा गया है कि उपग्रह से प्राप्त तस्वीरों से नुकसान दिखा।

'ऑपरेशन सिंदूर' तकनीकी रूप से आत्मनिर्भर बनने की दिशा में मील का पत्थर : रक्षा मंत्रालय

नयी दिल्ली : रक्षा मंत्रालय ने बुधवार को कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' ने भारत की रक्षा शक्ति और तकनीकी ताकत में हुई जबरदस्त वृद्धि को प्रदर्शित किया, क्योंकि सेना ने सीमा पार किए बिना ही पाकिस्तान में आतंकवादी ठिकानों पर सटीक हमले किए और उन्हें नष्ट कर दिया। मंत्रालय ने कहा कि अभियान में भारतीय प्रणालियों के दुश्मन की प्रौद्योगिकियों को नष्ट करने के ठोस सबूत भी मिले, जिनमें चीनी मूल की पीएल-15 मिसाइल और तुर्किये के 'यीहा' नाम के मानवरहित हवाई वाहन (यूएवी) के टुकड़े शामिल हैं। रक्षा मंत्रालय ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के बारे में कहा कि यह अभियान सैन्य अभियानों में तकनीकी आत्मनिर्भरता हासिल करने की दिशा में भारत की यात्रा में एक मील का पत्थर है। सात मई को पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में आतंकवादी ठिकानों पर हवाई हमलों की ओर इशारा करते हुए मंत्रालय ने कहा कि भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान को चीन से हासिल वायु रक्षा प्रणालियों को जाम कर दिया और अभियान को महज 23 मिनट में पूरा कर भारत की तकनीकी ताकत में हुई जबरदस्त वृद्धि को प्रदर्शित किया। रक्षा मंत्रालय ने कहा, लंबी दूरी के रॉकेट, क्वाडकॉप्टर और वाणिज्यिक ड्रोन बरामद किए गए और उनकी पहचान की गई, जिससे पता चला कि पाकिस्तान की ओर से उसे विदेश से मिले उन्नत हथियारों का फायदा उठाने की कोशिशों के बावजूद भारत का स्वदेशी वायु रक्षा और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध नेटवर्क बेहतर साबित हुआ। उसने अभियान के विभिन्न पहलुओं पर रोशनी डालते हुए कहा कि सेना, नौसेना और वायुसेना की विभिन्न प्रणालियों से लैस भारत की वायु रक्षा प्रणालियों ने असाधारण तालमेल के साथ काम किया और एक अभेद्य दीवार बनाई, जिससे पाकिस्तान की ज्यादातर जवाबी कार्रवाई नाकाम हो गई। मंत्रालय ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर असंयमित युद्ध के उभरते स्वरूप के खिलाफ एक सुनियोजित सैन्य प्रतिक्रिया के रूप में उभरा, जिसमें सैन्य कर्मियों के साथ-साथ निहत्थे नागरिकों को भी निशाना बनाया जाता है। उसने कहा, अप्रैल में पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकवादी हमले ने इस बदलाव की ओर ध्यान आकर्षित किया।

ओलंपियन नीरज चोपड़ा को प्रादेशिक सेना में लेफ्टिनेंट कर्नल की मानद रैंक दी गई

नयी दिल्ली : ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता नीरज चोपड़ा को प्रादेशिक सेना में लेफ्टिनेंट कर्नल की मानद रैंक दी गई है। एक सरकारी अधिसूचना में यह जानकारी दी गई। रक्षा मंत्रालय के सैन्य मामलों के विभाग द्वारा 13 मई को अधिसूचना जारी की गई। हरियाणा के पानीपत के पास खंडरा गांव के रहने वाले इस 27 वर्षीय भाला फेंक खिलाड़ी ने 2020 तोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीता था। उन्होंने 2024 पेरिस ओलंपिक में भी रजत पदक जीता। नीरज भारतीय सेना में सूबेदार मेजर थे। पता चला है कि वह इस साल सेवानिवृत्त होने वाले थे। अधिसूचना में कहा गया है, 'प्रादेशिक सेना विनियम 1948 के पैरा-31 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति हरियाणा के पानीपत के गांव और डाकघर खंडरा के पीवीएसएम, पद्मश्री, वीएसएम पूर्व सूबेदार मेजर नीरज चोपड़ा को 16 अप्रैल 2025 से प्रादेशिक सेना में लेफ्टिनेंट कर्नल का मानद पद प्रदान करती हैं।' नीरज मौजूदा विश्व चैंपियन हैं जिन्होंने हंगरी के बुडापेस्ट में 2023 विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता था। भारतीय क्रिकेटर महेंद्र सिंह धोनी को 2011 में प्रादेशिक सेना में लेफ्टिनेंट कर्नल का मानद पद दिया गया था।

आईपीएल ने कुछ विदेशी खिलाड़ियों की अनुपलब्धता के कारण अस्थाई वैकल्पिक खिलाड़ियों की अनुमति दी

नयी दिल्ली : इंडियन प्रीमियर लीग ने बुधवार को टीमों को टूर्नामेंट के बाकी बचे मुकाबलों के लिए अपने साथ अस्थाई तौर पर वैकल्पिक खिलाड़ियों को जोड़ने की स्वीकृति दे दी क्योंकि प्रतियोगिता के कार्यक्रम में बदलाव के बाद कुछ विदेशी खिलाड़ी अनुपलब्ध हैं। भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष के कारण पिछले सप्ताह आईपीएल को स्थगित करना पड़ा था लेकिन संघर्ष विराम की घोषणा ने 17 मई को इसके फिर से शुरू होने का मार्ग प्रशस्त किया। मूल कार्यक्रम के अनुसार आईपीएल का फाइनल 25 मई को होना था लेकिन अब यह तीन जून को होगा जिससे राष्ट्रीय टीम से जुड़ने वाले खिलाड़ियों के लिए इसमें खेलना मुश्किल हो जाएगा। कुछ खिलाड़ी व्यक्तिगत कारणों से वापस नहीं आ रहे जबकि मौजूदा सत्र में चेन्नई सुपरकिंग्स का प्रतिनिधित्व करने वाले जेमी ओवरटन जैसे खिलाड़ी वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू मैदान पर सीमित ओवरों की श्रृंखला के लिए ब्रिटेन में ही रहेंगे। पीटीआई के पास मौजूद फ्रेंचाइजी को भेजे गए ईमेल

में आईपीएल ने टीमों को अस्थाई तौर पर वैकल्पिक खिलाड़ियों को जोड़ने के विकल्प के बारे में सूचित किया। आईपीएल ने कहा, 'हमें आईपीएल 2025 को अस्थायी रूप से निलंबित करना पड़ा जिसके परिणामस्वरूप इसे 25 मई 2025 की पूर्व निर्धारित तिथि के बाद पूरा करना पड़ रहा है इसलिए हमने वैकल्पिक खिलाड़ी से जुड़े प्रावधानों का पुनः मूल्यांकन किया है।' उन्होंने कहा, 'राष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं या व्यक्तिगत कारणों या किसी चोट या बीमारी के कारण कुछ विदेशी खिलाड़ियों की अनुपलब्धता को देखते हुए इस टूर्नामेंट के समापन तक अस्थाई तौर पर वैकल्पिक खिलाड़ियों को चुनने की अनुमति दी जाएगी।' आईपीएल ने कहा, 'यह निर्णय इस शर्त के अधीन है कि इस बिंदु से आगे लिए गए अस्थायी वैकल्पिक खिलाड़ी अगले वर्ष में रिटेन किए जाने के पात्र नहीं होंगे।' आईपीएल खिलाड़ी नियम 2025-27 के अनुसार खिलाड़ियों के चोटिल या बीमार होने पर उनकी जगह नया खिलाड़ी लाया जा सकता है, बशर्ते कि चोट या बीमारी उस सत्र में संबंधित टीम के 12वें लीग मैच के दौरान या उससे पहले हुई हो।

लक्ष्य सेन थाईलैंड ओपन से बाहर, मालविका, आकर्षि और उन्नति अगले दौर में

बैंकॉक : स्टार भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन थाईलैंड ओपन के पहले दौर से बाहर हो गए जबकि मालविका बंसोड़, आकर्षि कश्यप और उन्नति हुड्डा इस 4,75,000 डॉलर इनामी सुपर 500 टूर्नामेंट में कड़े मुकाबले जीतकर महिला एकल के दूसरे दौर में पहुंच गईं। विश्व रैंकिंग में 10वें स्थान के साथ त्रीशा जॉली और गायत्री गोपीचंद भारत की शीर्ष खिलाड़ी हैं और इस महिला युगल जोड़ी ने अपने अभियान की शुरुआत जीत के साथ करते हुए ओंग शी और सी टिंग की मलेशिया की जोड़ी को 21-15, 21-13 से हराकर दूसरे दौर में जगह बनाई। भारत की तीसरी वरीय जोड़ी अगले दौर में जापान की रुइ हिरोकामी और सयाका होबारा से भिड़ेंगी। सेन को आयरलैंड के एन एंगुयेन ने एक घंटे 20 मिनट तक चले मैच में 18-21, 21-9, 17-21 से हराया। पहला गेम हारने के बाद सेन ने दूसरे में लय हासिल कर ली लेकिन निर्णायक गेम में एंगुयेन ने उन्हें उबरने का मौका ही नहीं दिया। प्रियांशु राजावत भी पहले दौर में बाहर हो गए जिन्हें इंडोनेशिया के अल्वी फरहान ने 21-13, 17-21, 21-16 से मात दी। महिला एकल में दुनिया की 23वें नंबर की खिलाड़ी मालविका ने तुर्की की नेस्लिहान आरिन को तीन गेम में 21-12, 13-21, 21-17 से हराया। वह अगले दौर में पूर्व विश्व चैंपियन और सातवीं वरीय रतचानोक इंतानोन से भिड़ेंगी। आकर्षि ने जापान की कोआरू सुगियामा को 21-16, 20-22, 22-20 से हराया। उन्नति ने थाईलैंड की थामोंवान एन को 21-14, 18-21, 23-21 से मात दी। रक्षिता श्री संतोष रामराज पहले दौर में सिंगापुर की यिओ जिया मिन से 18-21, 7-21 से हार गई। पूर्व राष्ट्रीय चैंपियन अनुपमा उपाध्याय को इंतानोन के खिलाफ एकतरफा मुकाबले में 11-21 9-21 से हार का सामना करना पड़ा।

पंजाब एफसी ने एआईएफएफ अंडर-17 एलीट युवा लीग का खिताब जीता

गुवाहाटी : पंजाब एफसी ने बुधवार को यहां जमशेदपुर एफसी को 4-1 से हराकर एआईएफएफ अंडर-17 एलीट युवा फुटबॉल लीग का खिताब जीत लिया। पहले हाफ में पंजाब ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए करिश सोरम (28वें मिनट), आशीष लोहार (34वें मिनट), विकास किस्कू (37वें मिनट) और उषाम थोंगम्बा सिंह (39वें मिनट) के गोल की मदद से ब्रेक तक 4-0 की बढ़त बना ली। मैच के अंतिम लम्हों में हीरांगम्बा सेरम (84वें मिनट) ने जमशेदपुर एफसी के लिए एक गोल करके हार के अंतर को कम किया।

कोहली के बिना नीरस होता टेस्ट क्रिकेट : माइकल वॉन

लंदन : टेस्ट क्रिकेट से विराट कोहली के अचानक संन्यास लेने से स्तब्ध इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने कहा कि टेस्ट क्रिकेट के लिये उतना किसी और खिलाड़ी ने नहीं किया जितना भारत के इस स्टार बल्लेबाज ने। कोहली ने सोमवार को टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा की। उन्होंने अपने कैरियर में 123 टेस्ट में 30 शतक समेत 46-85 की औसत से 9230 रन बनाये। वॉन ने 'द टेलिग्राफ' में अपने कॉलम में लिखा, 'टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने वालों में बहुत कम ही ऐसे हैं जिनके जाने से मैं वाकई दुखी हुआ हूं कि अब इसे दोबारा खेलते देखने का मौका नहीं मिलेगा। मैं दुखी हूं कि अब विराट कोहली को इंग्लैंड दौरे पर या आगे सफेद जर्सी में नहीं देख सकेंगे।' उन्होंने लिखा, 'मैं स्तब्ध हूं कि वह अभी संन्यास ले रहा है और

दुखी भी हूं। मुझे नहीं लगता कि टेस्ट प्रारूप के लिये किसी और बल्लेबाज ने इतना किया है जितना कोहली ने।' भारत के सफलतम टेस्ट कप्तान कोहली की कप्तानी में भारत ने 68 में से 40 टेस्ट जीते। वॉन ने कहा कि कोहली ने पारंपरिक प्रारूप से लोगों को फिर प्यार करना सिखाया और उनके बिना यह प्रारूप बहुत नीरस होता। उन्होंने कहा, 'एक दशक पहले जब वह कप्तान बना तो मुझे लगा था कि भारत की टेस्ट क्रिकेट में रूचि कम हो रही है। एम एस धोनी सफेद गेंद के महान खिलाड़ियों में से थे लेकिन मुझे लगता है कि उन्होंने ऐसी टेस्ट टीम की कप्तानी की जिसे प्रारूप से प्यार नहीं था। खेल के लिये जरूरी है कि भारत की टेस्ट क्रिकेट में रूचि रहे और बतौर कप्तान विराट ने ऐसा ही किया।' वॉन ने लिखा, 'उनका जुनून, कौशल और टेस्ट क्रिकेट को लेकर उनके विचारों ने काफी सकारात्मक असर डाला। उनके बिना यह प्रारूप बेहद नीरस होता और अपनी अपील खो चुका होता।' उन्होंने कहा, 'उसका जाना टेस्ट क्रिकेट के लिये झटका है। उसने आने वाली पीढी को इस प्रारूप से प्यार करना सिखाया।टी20 क्रिकेट के आगमन के बाद से तीनों प्रारूपों की बात की जाये तो वह महानतम क्रिकेटर रहा है।'

महिला एकदिवसीय रैंकिंग में भारत तीसरे स्थान पर बरकरार, ऑस्ट्रेलिया शीर्ष पर

दुबई : त्रिकोणीय श्रृंखला में जीत की बदौलत भारत को बुधवार को जारी आईसीसी महिला एकदिवसीय रैंकिंग में आठ अंक का फायदा हुआ जिससे उसने अपने और दूसरे स्थान पर मौजूद इंग्लैंड के बीच के अंकों के अंतर को कम किया। दूसरे स्थान पर मौजूद भारत के अब 121 रेटिंग अंक है और वह इंग्लैंड से सिर्फ छह अंक पीछे है। सात बार का विश्व चैंपियन ऑस्ट्रेलिया 167 अंक के साथ शीर्ष पर बना हुआ है लेकिन अपडेट के बाद अब उसकी बढ़त 44 से घटकर 40 अंक की रह गई है। शीर्ष छह टीम की रैंकिंग में कोई बदलाव नहीं हुआ है जिसमें न्यूजीलैंड (96), दक्षिण अफ्रीका (90) और श्रीलंका (82) भी शामिल हैं। दक्षिण अफ्रीका को नवीनतम रैंकिंग में नौ रेटिंग अंक का नुकसान हुआ है लेकिन इसके बावजूद टीम पांचवें स्थान पर बनी हुई है। अपडेट के बाद मई 2022 से अप्रैल 2024 के बीच के मुकाबलों को 50 प्रतिशत 'वेटेज' मिलेगी जबकि इसके बाद के मुकाबलों को शत प्रतिशत। अब 2022 में हुए 50 ओवर के विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंचने के दक्षिण अफ्रीका के प्रदर्शन को रैंकिंग की गणना से बाहर कर दिया गया है। इसका असर 2022 के सेमीफाइनल में जगह बनाने वाले वेस्टइंडीज (72) पर भी पड़ा है जिसे 10 रेटिंग अंक का नुकसान उठाना पड़ा है और वह सातवें से नौवें स्थान स्थान पर खिसक गया है। बांग्लादेश (79) और पाकिस्तान (78) रैंकिंग में उससे आगे हैं।

डब्ल्यूटीसी फाइनल खेलने वाले दक्षिण अफ्रीका के खिलाड़ी नहीं खेलेंगे आईपीएल प्लेआफ

जोहानिसबर्ग : आस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल के लिये चुने गए दक्षिण अफ्रीका के क्रिकेटर आईपीएल प्लेआफ से बाहर रह सकते हैं क्योंकि देश के क्रिकेट बोर्ड का स्पष्ट रूख है कि लीग से ऊपर देश के लिये खेलने को रखना होगा। बीसीसीआई ने सोमवार को पुष्टि की कि आईपीएल 17 मई से शुरू होगा और फाइनल तीन जून को खेला जायेगा। संशोधित कार्यक्रम ने आस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के उन क्रिकेटरों को दुविधा में डाल दिया है जिन्हें डब्ल्यूटीसी फाइनल खेलना है। फ्रेंचाइजी और बीसीसीआई ने विदेशी बोर्ड से उनके खिलाड़ियों को लीग के बाकी मैचों में उपलब्ध कराने का आग्रह किया है। सीएसए ने हालांकि दोहराया है कि डब्ल्यूटीसी फाइनल की तैयारियां उसकी प्राथमिकता है। सीएसए के राष्ट्रीय टीम और हाई परफार्मेंस निदेशक एनोक एनके ने प्रेस कांफ्रेंस में कहा, 'यह व्यक्तिगत फैसला है कि उन्हें लीग खेलने लौटना है या नहीं।' उन्होंने कहा, 'एक बात हमने साफ कर दी है कि हम बीसीसीआई और आईपीएल से बात कर रहे हैं लेकिन डब्ल्यूटीसी फाइनल की तैयारियों का कार्यक्रम यथावत रहेगा।'

मुकेश अंबानी दोहा में ट्रंप से करेंगे मुलाकात, रात्रिभोज में होंगे शामिल

नयी दिल्ली : एशिया के सबसे अमीर उद्योगपति और रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी बुधवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मिलने के लिए दोहा जा रहे हैं। यह इस साल जनवरी में ट्रंप के पद संभालने के बाद उनकी दूसरी मुलाकात होगी। सूत्रों ने कहा कि अंबानी कतर के अमीर द्वारा ट्रंप के सम्मान में आयोजित राजकीय रात्रिभोज में शामिल होंगे। यह रात्रिभोज दोहा के लुसैल पैलेस में आयोजित होगा। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने इस संदर्भ में टिप्पणी के लिए भेजे गए ईमेल का जवाब नहीं दिया। हालांकि, किसी तरह की व्यापारिक चर्चाएं होने की संभावना नहीं है लेकिन रिलायंस समूह के तेल से लेकर खुदरा कारोबार तक अमेरिकी राष्ट्रपति के निर्णयों से प्रभावित होते हैं। रिलायंस ने पिछले साल वेनेजुएला से कच्चे तेल का आयात दोबारा शुरू करने के लिए अमेरिका से छूट हासिल की थी। हालांकि, वेनेजुएला से तेल खरीदने वाले देशों पर 25 प्रतिशत शुल्क लगाने के ट्रंप के आदेश के बाद मार्च में इसे रोकना पड़ा था। रिलायंस अमेरिकी बाजार में रूस जैसे देशों से खरीदे गए कच्चे तेल से बने ईंधन भी बेचती है। साथ ही गूगल और मेटा जैसी दिग्गज अमेरिकी कंपनियों ने अंबानी के डिजिटल उद्यम में इक्विटी हिस्सेदारी ली है। रिलायंस के कतर के साथ भी व्यापारिक संबंध हैं। खाड़ी देश के सरकारी कोष कतर इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी ने अंबानी के खुदरा उद्यम में लगभग एक अरब डॉलर का निवेश किया है। अंबानी और उनकी पत्नी नीता जनवरी में ट्रंप के दूसरे शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए थे। वे उन चुनिंदा 100 लोगों में भी शामिल थे, जिन्होंने शपथ ग्रहण से एक दिन पहले ट्रंप के साथ एक रात्रिभोज में शिरकत की थी। अंबानी के ट्रंप परिवार के साथ घनिष्ठ संबंध हैं। जब ट्रंप की बेटी इवांका ट्रंप 2017 में ग्लोबल एंटरप्रेन्योरशिप समिट के लिए हैदराबाद आई थीं, तब अंबानी भी वहां मौजूद थे।

महंगाई में नरमी से शेयर बाजार में तेजी, सेंसेक्स 182 अंक मजबूत

मुंबई : खुदरा महंगाई में नरमी और वैश्विक स्तर पर सकारात्मक रुख के बीच स्थानीय शेयर बाजार में बुधवार को तेजी रही और चुनिंदा लिवाली से दोनों मानक सूचकांक लाभ में रहे। बीएसई सेंसेक्स जहां 182 अंक मजबूत हुआ, वहीं एनएसई निफ्टी में 88 अंक से अधिक की तेजी रही। कारोबारियों के अनुसार, इसके अलावा धातु तथा औद्योगिक शेयरों में लिवाली तथा विदेशी संस्थागत निवेशकों के पूंजी प्रवाह से भी बाजार को समर्थन मिला। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 182.34 अंक यानी 0.22 प्रतिशत की बढ़त के साथ 81,330.56 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान ऊंचे में यह 81,691.87 अंक तक गया और नीचे में 80,910.03 अंक तक आया। बीएसई में 2,857 शेयर लाभ में रहे, जबकि 1,121 शेयरों में गिरावट रही। वहीं 147 के भाव में कोई बदलाव

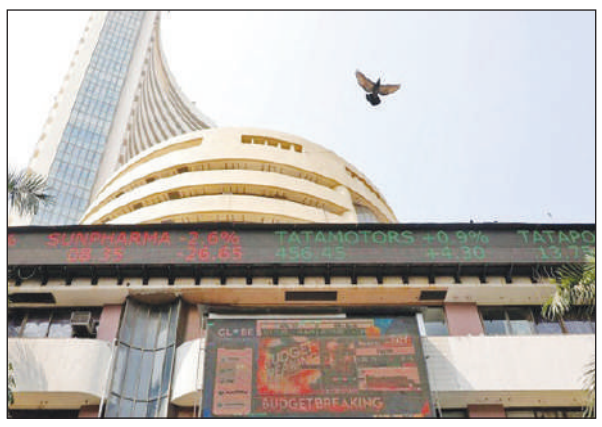

नहीं हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 88.55 अंक यानी 0.36 प्रतिशत की तेजी के साथ 24,666.90 अंक पर बंद हुआ। मेहता इक्विटीज लि. के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) प्रशांत तापसे ने कहा, 'कारोबार के दौरान बाजार में उतार-चढ़ाव देखने को मिला, लेकिन चुनिंदा लिवाली के समर्थन से बाजार अंत में लाभ में रहा। सोमवार की जोरदार तेजी के बाद निवेशक जल्दबाजी में नहीं है। हालांकि, घरेलू बाजार में विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) का प्रवाह आगे चलकर महत्वपूर्ण होगा, लेकिन निवेशकों को चिंता है कि अमेरिका-चीन के बीच शुल्क विवाद के समाधान से चीन के बाजारों में विदेशी निवेशकों की दिलचस्पी फिर से बढ़ सकती है। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में टाटा स्टील में सबसे ज्यादा 3.88 प्रतिशत का लाभ रहा। इसके अलावा इटर्नल, टेक महिंद्रा, मारुति, महिंद्रा एंड महिंद्रा, इन्फोसिस, इंडसइंड बैंक, एचसीएल टेक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और भारती एयरटेल प्रमुख रूप से लाभ में रहीं। दूरसंचार कंपनी एयरटेल का शेयर एक प्रतिशत चढ़ा। कंपनी का एकीकृत शुद्ध लाभ मार्च, 2025 को समाप्त तिमाही में पांच गुना होकर 11,022 करोड़ रुपये होने से इसके शेयर में तेजी आई। दूसरी तरफ नुकसान में रहने वाले शेयरों में एशियन पेंट्स, टाटा मोटर्स, कोटक महिंद्रा बैंक, एनटीपीसी और पावरग्रिड शामिल हैं। रेलिगेयर ब्रोकिंग लि. के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (अनुसंधान) अजित मिश्रा, ने कहा, 'सत्र की शुरुआत सकारात्मक रुख के साथ हुई।

न्यूज अपडेट

कमजोर वैश्विक संकेतों से सोना 650 रुपये टूटकर 96,850 पर, चांदी में भी गिरावट

नयी दिल्ली : वैश्विक बाजारों में कमजोरी के रुख के बीच बुधवार को राष्ट्रीय राजधानी में सोने का भाव 650 रुपये घटकर 96,850 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, पिछले बाजार सत्र में 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 97,500 रुपये प्रति 10 ग्राम रही थी। वहीं 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने का भाव बुधवार को 700 रुपये घटकर 96,400 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) हो गया। मंगलवार को यह 97,100 रुपये प्रति 10 ग्राम रहा था। अबन्स फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) चिंतन मेहता ने कहा, ' व्यापार तनाव कम होने से सोने की कीमतों में गिरावट जारी है, क्योंकि प्रमुख अर्थव्यवस्थाएं अमेरिका के साथ व्यापार समझौते कर रही हैं। चीन भी ऐसा करने वाले देशों में शामिल हो गया है जैसा कि दोनों देश एक-दूसरे के सामान पर शुल्क में 90 दिन की कटौती पर सहमत हो गए हैं।' दूसरी ओर, चांदी की कीमतों में लगातार तीसरे दिन गिरावट जारी रही और बुधवार को यह 1,450 रुपये घटकर 98,000 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) पर आ गई। इसका पिछला बंद भाव 99,450 रुपये प्रति किलोग्राम था।

भारत अब 6जी पेटेंट दाखिल करने वाले शीर्ष छह देशों में शामिल: दूरसंचार राज्यमंत्री

नयी दिल्ली : केंद्रीय दूरसंचार राज्यमंत्री चंद्रशेखर पेम्मासानी ने बुधवार को कहा कि भारत में 111 से अधिक अनुसंधान परियोजनाओं को 300 करोड़ रुपये की मंजूरी राशि के साथ वित्तपोषित किया गया है। इसके साथ ही देश अब 6जी पेटेंट दाखिल करने वाले विश्व के शीर्ष छह देशों में शामिल है। मंत्री ने यहा 'भारत 6जी 2025' सम्मेलन में कहा कि 6जी टेराहर्ट्ज आवृत्ति बैंड का उपयोग करेगा, जिससे एक टेराबिट प्रति सेकंड तक डेटा दर प्राप्त होगी जो 5जी की तुलना में 100 गुना तेज है। पेम्मासानी ने कहा, '111 से अधिक शोध परियोजनाओं को 300 करोड़ रुपये की स्वीकृत राशि के साथ वित्तपोषित किया गया है। भारत अब 6जी पेटेंट दाखिल करने वाले विश्व के शीर्ष छह देशों में शामिल है। हमारे पास प्रतिभाओं का विशाल भंडार और पर्याप्त समय है। 6जी में अग्रणी न बनने का कोई कारण नजर नहीं आता।' उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे भारत वैश्विक प्रौद्योगिकी में अग्रणी बनने की दिशा में अपनी यात्रा जारी रखेगा, वैसे-वैसे 6जी प्रौद्योगिकी के साथ इसका आगे का रास्ता आने वाले दशकों के लिए देश की समृद्धि को परिभाषित करेगा। मंत्री ने कहा, '6जी पूरी तरह से नए उद्योगों का निर्माण करेगा और मौजूदा उद्योगों में क्रांतिकारी बदलाव लाएगा जिससे 2035 तक भारत की अर्थव्यवस्था में संभावित रूप से 1,000 अरब अमेरिकी डॉलर का इजाफा होगा। स्वदेशी 6जी विकास यह भी सुनिश्चित करेगा कि हमारा सुरक्षित संचार भारत में ही विकसित हो और सुरक्षित रहे।'

जियो क्रेडिट ने बॉन्ड के जरिये 1,000 करोड़ रुपये जुटाए

मुंबई : मुकेश अंबानी के नेतृत्व वाले रिलायंस समूह की गैर-बैंकिंग वित्तीय इकाई जियो क्रेडिट ने बुधवार को अपने पहले बॉन्ड निर्गम के जरिये घरेलू निवेशकों से 1,000 करोड़ रुपये जुटाए। कंपनी के अधिकारियों ने कहा कि जियो फाइनेंशियल सर्विसेज के पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी ने 7.19 प्रतिशत ब्याज दर पर यह राशि जुटायी है। उन्होंने कहा कि बॉन्ड की अवधि दो साल और दस महीने है। निर्गम को तीन गुना अभिदान मिला। निर्गम का आकार 500 करोड़ रुपये था। इसके साथ अधिक आवेदन आने पर 500 करोड़ रुपये की अतिरिक्त बोली रखने का विकल्प रखा गया था। इस तरह, कंपनी ने कुल मिलाकर 1,000 करोड़ रुपये जुटाए।

सीसीपीए ने ई-कॉमर्स कंपनियों को पाकिस्तानी झंडे वाले उत्पाद हटाने का आदेश दिया

नयी दिल्ली : उपभोक्ता संरक्षण नियामक सीसीपीए ने अमेजन इंडिया और वॉलमार्ट के स्वामित्व वाली फ्लिपकार्ट सहित विभिन्न ई-कॉमर्स कंपनियों को नोटिस जारी कर उन्हें अपने मंच से पाकिस्तानी झंडे वाले उत्पाद हटाने का निर्देश दिया है। उपभोक्ता मामलों के मंत्री प्रल्हाद जोशी ने बुधवार को यह जानकारी दी। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने यूबाय इंडिया, एट्सी, द फ्लैग कंपनी और द फ्लैग कॉरपोरेशन को भी नोटिस भेजकर कहा कि पाकिस्तानी झंडों और संबंधित सामान की बिक्री बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जोशी ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, ऐसी असंवेदनशीलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। ई-कॉमर्स मंचों को निर्देश दिया जाता है कि वे ऐसी सभी सामग्री को तुरंत हटा दें और राष्ट्रीय कानूनों का पालन करें। हालांकि, मंत्री के पोस्ट में यह स्पष्ट नहीं किया गया कि इस सामान को बेचकर कौन से कानून का उल्लंघन किया जा रहा है। कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा 26 लोगों की हत्या के बाद इसी महीने भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष हुआ था।

आईएमएफ ने पाकिस्तान को 1.02 अरब डॉलर की किस्त जारी की

कराची/ इस्लामाबाद : अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने पाकिस्तान को विस्तारित कोष सुविधा कार्यक्रम के तहत 1.02 अरब अमेरिकी डॉलर की दूसरी किस्त वितरित कर दी है। पाकिस्तान के केंद्रीय बैंक ने बुधवार को यह जानकारी दी। पाकिस्तान को इस सहायता कार्यक्रम की दूसरी किस्त ऐसे समय पर दी गई है जब आईएमएफ पाकिस्तान के आगामी बजट पर ऑनलाइन माध्यम से चर्चा कर रहा है। हाल ही में भारत के साथ तनाव पैदा होने से आईएमएफ के मिशन प्रमुख की इस्लामाबाद यात्रा कुछ दिन के लिए टल गई। पाकिस्तान सरकार वित्त वर्ष 2025-26 के लिए दो जून को बजट पेश करने की योजना बना रही है। आईएमएफ के प्रतिनिधि आगामी बजट के प्रावधानों पर पाकिस्तानी अधिकारियों के साथ 16 मई तक बातचीत करेंगे। स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान (एसबीपी) ने कहा कि आईएमएफ से मिली दूसरी किस्त की राशि 16 मई को समाप्त होने वाले सप्ताह के लिए उसके विदेशी मुद्रा भंडार में दिखाई देगी। विस्तारित कोष सुविधा (ईएफएफ) कार्यक्रम के तहत

1.02 अरब डॉलर की राशि को पिछले सप्ताह आईएमएफ के निदेशक मंडल ने मंजूरी दी थी। इसके अलावा आईएमएफ ने 1.4 अरब डॉलर की अतिरिक्त व्यवस्था भी जुझारूपन एवं टिकाऊ सुविधा (आरएसएफ) के रूप में की है। पाकिस्तान के केंद्रीय बैंक एसबीपी ने कहा कि राशि जारी करने का फैसला ईएफएफ व्यवस्था द्वारा समर्थित पाकिस्तान के आर्थिक सुधार कार्यक्रम की पहली समीक्षा पर संतोष जताने के बाद आया है। आईएमएफ के मुताबिक, ईएफएफ के तहत पाकिस्तान के नीतिगत प्रयासों ने चुनौतीपूर्ण वैश्विक माहौल में अर्थव्यवस्था को स्थिर करने और विश्वास के पुनर्निर्माण में पहले ही महत्वपूर्ण प्रगति की है। अप्रैल के अंत में पाकिस्तान का सकल विदेशी मुद्रा भंडार 10.3 अरब डॉलर था, और इसके जून अंत तक 13.9 अरब डॉलर हो जाने का अनुमान है। इस बीच, बुधवार को बजट पर मुद्राकोष की ऑनलाइन माध्यम से शुरू हुई बातचीत 16 मई तक जारी रहेगी। सरकारी सूत्रों ने 'द एक्सप्रेस ट्रिब्यून' को बताया कि आईएमएफ ने पाकिस्तान में एक नया मिशन प्रमुख नियुक्त किया है जिसके सप्ताहांत में इस्लामाबाद की यात्रा करने की उम्मीद है। सूत्र ने कहा, 'बातचीत के दूसरे और अंतिम चरण के लिए आईएमएफ टीम के शनिवार को इस्लामाबाद पहुंचने और 23 मई तक वहां रहने की उम्मीद है।' आईएमएफ ने बुल्गारियाई मूल की इवा पेट्रोवा को पाकिस्तान में नया मिशन प्रमुख नियुक्त किया है। वह निवर्तमान मिशन प्रमुख नाथन पोर्टर के साथ बजट पर चर्चा में शामिल होंगी।

वर्ष 10, पूर्णांक 4236 अंक 046, RNI No WBHIN/2016/66788, सर्वांग प्रकाशन के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **सरोज राय** द्वारा 17, बालमुकुन्द मक्कर रोड, 2सरा तल्ला, कोलकाता-700 007 से प्रकाशित। एल. एस. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. 4, कैनल वेस्ट रोड, कोलकाता-700 015 से मुद्रित।
सम्पादक- **अनिल कुमार राय** (पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी), विज्ञापन एवं प्रसार-9874555256/7044444522, ई-मेल news@samagya.in